हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 155, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 5 दिसम्बर, 2023 दिन मंगलवार गाजीपुर/वाराणसी

'बाहर की पराजय का गुस्सा सदन में न दिखाएं, संसद के शीत सत्र को लेकर पीएम मोदी की विपक्ष को नसीहत

सर्दी बहुत धीमी गति से आ रही है, लेकिन राजनैतिक गर्मी बड़ी तेज से बढ़ रही

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिल गया है। विधानसभा चुनावों के नतीजों के बीच आज संसद के शीतकालीन सत्र के शुरू होने से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षियों को बाहर की पराजय का गुस्सा सदन में नहीं निकालने की नसीहत दे डाली।

इतनी सीटों पर मिली जीत– गौरतलब है, कांग्रेस सिर्फ तेलंगाना की 64 सीटें जीत सकी। जबकि मध्य प्रदेश में भाजपा प्रचंड बहुमत पाकर 163 सीटें जीतने में सफल रही। वहीं राजस्थान में भाजपा को 115 सीटों पर जीत मिली। छत्तीसगढ़ में भाजपा 54 सीटें जीतकर सत्ता कब्जाने में सफल रही है। मिजोरम में आज नतीजे साफ हो जाएंगे।

सर्दी बहुत धीमी गति से आ रही– ऐसे में, पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि सर्दी बहुत धीमी गति से आ रही है, लेकिन राजनैतिक गर्मी बड़ी तेज से बढ़ रही है। कल ही चार राज्यों के चुनाव के नतीजे सामने आए हैं। परिणाम बहुत ही उत्साहजनक हैं। खासकर उन

लोगों के लिए उत्साहजनक हैं, जो देश के आम लोगों के कल्याण और देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ये चार महत्वपूर्ण जातियां– उन्होंने कहा, 'सभी समाजों और सभी समूहों की महिलाएं, युवा, हर समुदाय और समाज के किसान और मेरे देश के गरीब, ये चार ऐसी महत्वपूर्ण जातियां हैं, जिनके सशक्तिकरण, उनके भविष्य को सुनिश्चित करने वाली ठोस योजनाएं और अंतिम व्यक्ति तक पहुंच के उसूलों पर जो चलता है, उन्हें भरपूर समर्थन मिलता है।'

लबें समय तक इस सदन में...– उन्होंने कहा कि इतने उत्तम जनादेश के बाद आज हम संसद के इस नए मंदिर में मिल रहे हैं। जब इस नए परिसर का उद्घाटन हुआ था, तो उस समय एक छोटा सा सत्र था और एक ऐतिहासिक निर्णय हुआ था। लेकिन इस बार लबें समय तक इस सदन में कार्य करने का अवसर मिलेगा।

देश ने नकारात्मकता को नकारा– पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, 'देश ने नकारात्मकता को नकारा है। मैं लगातार सत्र के प्रारंभ में विपक्षियों के साथ विचार विमर्श करता हूं। लोकतंत्र का यह मंदिर जन आकांक्षाओं के लिए, विकसित भारत की नींव को और अधिक मजबूत बनाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण मंच हैं। मैं सभी सांसदों से आग्रह करता हूं कि वो ज्यादा से ज्यादा तैयारी करके आएं। सदन में जो बिल रखे जाए उनपर गहन चर्चा हो। उत्तम से उत्तम सुझाव आएं क्योंकि जब कोई सांसद सुझाव रखता है तो जमीनी हकीकत से जुड़ा होता है। इसलिए हम हमेशा विचार करने का आग्रह करते हैं। इस बार भी ये सभी प्रक्रियाएं पूर्ण कर ली गई हैं।'

विपक्ष में बैठे हुए साथियों के लिए सुनहरा अवसर– पीएम मोदी ने कहा, 'अगर मैं वर्तमान चुनाव नतीजों के आधार पर कहूं, तो ये विपक्ष में बैठे हुए साथियों के लिए सुनहरा अवसर है। इस सत्र में पराजय का गुस्सा निकालने की योजना बनाने के बजाय, इस पराजय से सीखकर, पिछले नौ साल में चलाई गई नकारात्मकता की प्रवृत्ति को छोड़कर इस सत्र में अगर सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ेंगे तो देश उनकी तरफ देखने का दृष्टिकोण बदलेगा।'

आप सांसद राघव चड्ढा लौटेंगे राज्यसभा, राज्यसभा विशेषाधिकार समिति ने निलंबन को किया रद्द

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा के निलंबन के मुद्दे पर राज्यसभा की विशेषाधिकार समिति की आज संसद में बैठक हुई। इस दौरान सभापति जगदीप धनखड़ ने चड्ढा को सदन में लौटने की अनुमति दे दी। सभापति जगदीप धनखड़ ने बताया कि भाजपा सांसद जीवीएल नरसिम्हा राव द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव पर आप सांसद राघव चड्ढा का निलंबन रद्द कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि विशेषाधिकार समिति ने आप सांसद के निलंबन की अवधि को पर्याप्त पाया। निलंबन आदेश को वापस लेने पर आप सांसद राघव चड्ढा ने कहा, '11 अगस्त को मुझे राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया था। मैं अपना निलंबन वापस लेने के लिए सुप्रीम कोर्ट गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर संज्ञान लिया और अब 115 दिनों के बाद मेरा निलंबन रद्द कर दिया गया है। मैं खुश हूं कि मेरा निलंबन वापस ले लिया गया। मैं सुप्रीम कोर्ट और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को धन्यवाद देना चाहता हूं।' राज्यसभा में बीते 11 अगस्त को सदन के नेता पीयूष गोयल ने एक प्रस्ताव पेश किया था। प्रस्तावित चयन समिति में कुछ सदस्यों के नाम उनकी सहमति के बिना शामिल करने के लिए आप नेता राघव के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी।

जनसमस्याओं के समाधान में कोताही बर्दाश्त नहीं : सीएम योगी

गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में आए लोगों से मुलाकात की। सीएम ने इत्मीनान से उनकी समस्याएं सुनीं और उनके गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाएं और उनकी समस्याओं का समाधान कर उसे संतुष्ट करें। इसमें किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक सीएम योगी खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 300 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ अन्याय नहीं होने पाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने अधिकारियों को दो टूक हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले

किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता वह निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए।

मथुरा में रुह कंपाने वाली वारदातः हत्या-लूट को अंजाम देकर हत्यारे ने धोए खून सने हाथ-पैर, शव देख सिहर उठे लोग

मथुरा। श्रीनाथ अपार्टमेंट के फ्लैट में हुई मणि जैन की हत्या ने अपार्टमेंट के लोगों को भय में ला दिया। लोग हैरान हैं कि आखिर गेट बंद कॉलोनी, जिसमें गार्ड भी तैनात है, उसमें हत्यारे घुसते हैं और इतनी बड़ी वारदात को अंजाम देने के बाद आराम से फरार हो जाते हैं। हत्यारे सोने की लौंग की खातिर महिला की नाक का आगे का हिस्सा और कुंडलों की खातिर कान काटकर ले गए। पुलिस को क्राइम सीन से सबूत मिले हैं, जो इस ओर इशारा कर रहे हैं कि बदमाश हत्या-लूट को अंजाम देने के बाद खून से सने अपने हाथ-पैर धोकर बाहर निकले हैं। जाते वक्त फ्लैट का दरवाजा भी बाहर से बंद कर भागे। पुलिस को शुरूआती जांच में किसी करीबी पर ही इस वारदात को अंजाम देने का अंदेशा है।

चुनावी नतीजे विचित्र और रहस्यमयी, दस दिसंबर को चुनावी नतीजों पर मंथन : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने चार राज्यों के चुनावी नतीजों को विचित्र और रहस्यमयी करार दिया है। सोमवार को एक्स पर जारी अपने बयान में उन्होंने कहा कि चार राज्यों के हालिया विधानसभा चुनाव के परिणाम एक पार्टी के पक्ष में एकतरफा होने से सभी लोगों का शंकित, अचंभित व चिंतित होना स्वाभाविक है। चुनाव के पूरे माहौल को देखते हुए ऐसा विचित्र परिणाम लोगों के गले के नीचे उतर पाना बहुत मुश्किल है। उन्होंने आगे कहा कि पूरे चुनाव के दौरान माहौल एकदम अलग व कांटे के संघर्ष जैसा दिलचस्प रहा। हालांकि चुनाव परिणाम उससे बिल्कुल अलग होकर पूरी तरह से एकतरफा हो गये। यह ऐसा रहस्यात्मक मामला है, जिस पर गंभीर चिंतन व उसका समाधान जरूरी है। लोगों की नब्ज पहचानने में भयंकर भूल-

चूक चुनावी चर्चा का नया विषय है। बसपा के सभी लोगों ने पूरे तन, मन, धन व दमदारी के साथ यह चुनाव लड़ा। जिससे माहौल में नई जान आई, लेकिन उन्हें ऐसे अजूबे परिणाम से निराश कतई भी नहीं होना है और डॉ. भीमराव आंबेडकर के जीवन संघर्षों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने का प्रयास करते रहना है। इस चुनावी परिणाम के संदर्भ में जमीनी रिपोर्ट लेकर आगे लोकसभा चुनाव की नए सिरे से तैयारी पर विचार-विमर्श के लिए पार्टी की ऑल इंडिया बैठक आगामी 10 दिसंबर को लखनऊ में बुलाई गयी है। चुनाव परिणाम से विचलित हुए बिना आंबेडकरवादी मूवमेंट आगे बढ़ने का हिम्मत कभी भी नहीं हारेगा।

तमिलनाडु की ओर बढ़ रहा चक्रवाती तूफान मिचौंग, कई जिलों में रेड अलर्ट; तटीय क्षेत्रों में धारा 144 लागू

नई दिल्ली। दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में 'मिचौंग चक्रवात' का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग ने चक्रवात मिचौंग के मद्देनजर तमिलनाडु और पुडुचेरी के कई स्थानों पर आज भारी बारिश और तूफान की चेतावनी जारी की है। आज ये तूफान तमिलनाडु के तट से टकरा सकता है। राज्य सरकारों ने अपने- अपने इलाकों में सभी सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए अपनी टीमों का अलर्ट कर दिया है। मौसम विभाग के अलर्ट, के बाद आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी और तमिलनाडु के स्कूलों को भी बंद कर दिया गया है और साथ ही किसी को भी समुद्री इलाकों के आस-पास जाने से मना कर दिया गया है। साथ ही, प्राइवेट कंपनियों को वर्क फ्रॉम होम करने का आदेश दिया गया है। चक्रवात की स्थिति को देखते हुए साउथ सेंट्रल रेलवे ने भी 144 ट्रेनें कैंसिल कर दी हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और लगातार राज्य सरकारों के संपर्क में है। जानकारी के मुताबिक, पीएम मोदी ने तमिलनाडु, पुडुचेरी, ओडिशा और

आंध्र प्रदेश में बीजेपी कार्यकताओं से राहत और बचाव प्रयासों में शामिल होने और स्थानीय प्रशासन की मदद करने की अपील की है। सरकार ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई. एस. जगन मोहन रेड्डी से बात की और उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया है।

कोहरे के चलते लखनऊ आने-जाने वाली फ्लाइटें प्रभावित, घंटों बैठना पड़ रहा एयरपोर्ट पर, ट्रेनें भी लेट

लखनऊ। दिल्ली से लखनऊ का हवाई सफर एक घंटे का है। हालांकि, कोहरे के कारण एयर एशिया के यात्रियों ने रविवार को इसे पांच घंटे में पूरा किया। इसमें से चार घंटे उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर इंतजार करना पड़ा। डेढ़ दर्जन फ्लाइटों के साथ ट्रेनें भी घंटों लेट हुईं। दिल्ली से एयर एशिया की शाम 5.42 बजे की फ्लाइट चार घंटे देरी से रवाना हो सकी। इंडिगो की शाम 6.50 बजे की उड़ान एक घंटे 20 मिनट, इंडिगो की 5.49 बजे की फ्लाइट 50 मिनट, इंडिगो की दोपहर 1.54 बजे की उड़ान एक घंटे, इंडिगो की सुबह 8.54 बजे का विमान 59 मिनट लेट रहा। लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की रात सवा आठ बजे की फ्लाइट एक घंटे, इंडिगो की दोपहर 3.37 बजे की उड़ान एक घंटा 20 मिनट, इंडिगो की सुबह 11.31 बजे की फ्लाइट आधे घंटे व सुबह 6.54 बजे की फ्लाइट 49 मिनट देरी से रवाना हुई। मुंबई की इंडिगो की बीती रात 11.52 बजे की फ्लाइट एक घंटे 40 मिनट व बंगलुरु

की इंडिगो की सुबह 9.45 बजे की फ्लाइट आधे घंटे लेट रही। हैदराबाद की इंडिगो की बीती रात 10.34 बजे की उड़ान 40 मिनट, जयपुर की इंडिगो की रात सवा आठ बजे की उड़ान एक घंटे पांच मिनट लेट रही। जयपुर से वाया आगरा लखनऊ आने वाली दोपहर एक बजे की उड़ान 45 मिनट देरी से पहुंची। लखनऊ से वाया दिल्ली जम्मू जाने वाली इंडिगो की दोपहर 3.36 बजे की फ्लाइट एक घंटे दो मिनट लेट रही। जम्मू से लखनऊ वाया दिल्ली आने वाली इंडिगो की शाम 6.50 बजे की फ्लाइट डेढ़ घंटे देरी से पहुंची।

18 घंटे लेट आई उपासना एक्सप्रेस– कोहरे के चलते 12327 उपासना एक्सप्रेस 18 घंटे देरी से लखनऊ पहुंची। 13258 दानापुर जनसाधारण एक्स. सवा 13 घंटे, 19601 न्यूजलपाईगुड़ी-उदयपुर वीकली एक्स. सवा चार घंटे, 13257 आनंदविहार जनसाधारण एक्स. साढ़े तीन घंटे, 12369 कुंभ एक्स. 13 घंटे, 12328 उपासना एक्स. साढे.13 घंटे, 04005 जयनगर-दिल्ली स्पेशल 17 घंटे व 01432 गोरखपु- पुणे फेस्टिवल स्पेशल 12 घंटे लेट आई।

तेलंगाना में वायुसेना का ट्रेनर एयरक्राफ्ट दुर्घटनाग्रस्त, दो पायलटों की मौत

हैदराबाद। तेलंगाना में भारतीय वायुसेना के एक ट्रेनर एयरक्राफ्ट के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर है। घटना तेलंगाना के मेदक जिले की है। हादसे के वक्त विमान में एक ट्रेनर पायलट और एक ट्रेनी पायलट मौजूद थे। हादसे में दोनों पायलटों की मौत हो गई है। वायुसेना के अधिकारियों ने बताया कि तेलंगाना के डिंडीगुल स्थित एयर फोर्स एकेडमी से सुबह के समय ट्रेनर विमान ने उड़ान भरी थी। जिसके बाद सुबह 8.55 बजे यह विमान हादसे का शिकार हो गया। हादसे का शिकार हुआ विमान Pilatus PC 7 Mk II एयरक्राफ्ट था। वायुसेना ने बताया कि ट्रेनर विमान रुटीन उड़ान पर था। हादसे में दोनों पायलट गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिसके चलते उनकी मौत हो गई। हादसे में किसी आम नागरिक या संपत्ति को नुकसान नहीं हुआ है। वायुसेना ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। इससे पहले जनवरी में भी भारतीय वायुसेना के दो विमान दुर्घटना का शिकार हुए थे। मध्य प्रदेश के मुरैना में हुए इस हादसे में भारतीय वायुसेना के दो लड़ाकू विमान क्रैश हो गए थे, जिसमें एक पायलट की मौत हो गई थी। ये विमान भी रुटीन ऑपरेशनल फ्लाइंग ट्रेनिंग मिशन पर थे।

4 राज्यों में कांग्रेस को मिले बीजेपी से 10 लाख ज्यादा वोट, 40 फीसदी लोगों ने जताया भरोसा

नई दिल्ली। पांच राज्यों के चुनावी परिणाम आने के बाद कांग्रेस पार्टी ने बताया है कि उसे भाजपा के मुकाबले, 10 लाख ज्यादा वोट मिले हैं। भले ही मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा ने प्रचंड बहुमत से जीत दर्ज कराई है। कांग्रेस पार्टी की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने सोमवार को यह आंकड़ा जारी करते हुए कहा, इसलिए लड़ाई लड़नी जरूरी है। इस देश ने 4 राज्यों में कांग्रेस को भाजपा से 10 लाख ज्यादा वोट दिए हैं। जिन राज्यों में भाजपा जीती, वहां भी कांग्रेस को औसतन 40 प्रतिशत से ऊपर लोगों ने अपना वोट दिया है। चार राज्यों में मिले वोटों का आंकड़ा जारी करते हुए सुप्रिया श्रीनेत ने अपने ट्वीट पर लिखा, चार राज्यों में कांग्रेस के वोट 4 करोड़ 90 लाख से ऊपर रहे हैं। वहीं भाजपा को 4 करोड़ 81 लाख से ऊपर मत मिले हैं। तेलंगाना कांग्रेस का वोट प्रतिशत 39.40 रहा है, जबकि भाजपा का प्रतिशत 13.90 रहा है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का वोट प्रतिशत 42.23 रहा है। वहीं भाजपा का वोट प्रतिशत 46.27 है। राजस्थान में कांग्रेस का वोट प्रतिशत 39.53 है। भाजपा का वोट प्रतिशत 41.69 है। मध्यप्रदेश में कांग्रेस का वोट प्रतिशत, 40.40 है, जबकि भाजपा का वोट प्रतिशत 48.55 रहा है। सुप्रिया श्रीनेत ने लिखा, हार जीत चुनावी राजनीति का हिस्सा है, लेकिन इतने सारे लोगों के इस विश्वास के भी कुछ मायने हैं, आंकड़े तो यही बताते हैं। मध्यप्रदेश,

राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा को प्रचंड बहुमत हासिल हुआ है। कांग्रेस पार्टी को इन तीनों राज्यों में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। करारी हार के बाद भी कांग्रेस पार्टी को 20 साल पहले वाले 'चमत्कार' पर भरोसा है। कांग्रेस को लगता है कि तीन राज्यों की हार उसके लिए 'शुभ' है। पार्टी नेता जयराम रमेश ने रविवार को अपने ट्वीट में साफ कर दिया है। उन्होंने लिखा, बीस साल पहले कांग्रेस पार्टी, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में चुनाव हार गई थी। इसके कुछ माह बाद ही लोकसभा चुनाव में, कांग्रेस पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। कांग्रेस ने तब केंद्र में सरकार बनाई थी। इस आशा, विश्वास, दृढ़ संकल्प और लचीलेपन की भावना के साथ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनावों के लिए तैयारी कर रही है। जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और स्टार प्रचारक राहुल गांधी ने तीन राज्यों में हुई पार्टी की हार के बाद कहा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान का जनादेश हम विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं। विचारधारा की लड़ाई जारी रहेगी। तेलंगाना के लोगों को मेरा बहुत धन्यवाद। प्रजालु तेलंगाना बनाने का वादा हम जरूर पूरा करेंगे। सभी कार्यकताओं को उनकी मेहनत और समर्थन के लिए दिल से शुक्रिया। राहुल गांधी ने इस हार के बावजूद यह स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस, अपनी विचारधारा से दूर नहीं जाएगी।

पिछले सत्र में हुए अपमान को नहीं भूले बसपा सांसद, काले कपड़े पहनकर और बैनर लेकर संसद परिसर पहुंचे

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो गया है। इस बीच, बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के सांसद दानिश अली ने भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर संसद परिसर में प्रदर्शन किया। गौरतलब है, भाजपा सांसद ने पिछले संसद सत्र में चर्चा के दौरान अमरोहा से बसपा सांसद कुंवर दानिश अली पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसका बाद में वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस मामले को लेकर दानिश अली ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर बड़ा आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि भाजपा सदस्य रमेश बिधूड़ी के खिलाफ उनकी शिकायत को लेकर उनके खिलाफ मनगढ़ंत आरोपों का इस्तेमाल किया जा रहा है और उन्हें पीड़ित से आरोपी बनाया जा रहा है। पत्र में दानिश अली ने कहा था कि वह बिधूड़ी के खिलाफ उनकी शिकायत को भाजपा सांसद को कथित तौर पर उकसाने के लिए उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों के साथ जोड़े जाने से हैरान हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि वह बिधूड़ी के खिलाफ त्वरित, सख्त और अनुकरणीय कार्रवाई की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन उन्हें दुख है कि पीड़ित को आरोपी बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अली ने पत्र की एक प्रति सोशल मीडिया पर साझा की थी। पैनल ने अली और बिधूड़ी को 21 नवंबर को नोटिस जारी किया था। एक दिसंबर को अली ने पत्र लिखा था। बाद में सात दिसंबर को लोकसभा की विशेषाधिकार समिति ने बिधूड़ी और अली को अलग-अलग समय पर तलब किया। इससे पहले बिधूड़ी समिति के समक्ष पेश नहीं हुए थे और उन्होंने ऐसा करने में असमर्थता जताई थी।

संपादकीय

लोकतंत्र की गारंटी

चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के अप्रत्याशित परिणामों ने जहां हिंदी हृदय प्रदेश में भाजपा के वर्चस्व को स्थापित किया है, वहीं अगले वर्ष होने वाले आम चुनावों के महासमर के लिये विपक्षी इंडिया गठबंधन की चिंताओं को बढ़ा दिया है। इन चुनावों ने जहां राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ की जीत से भाजपा को ताकत दी है, वहीं तेलंगाना की हार ने बता दिया कि भाजपा के लिये दक्षिण भारत में आगामी आम चुनाव मुश्किल चुनौती बनने वाले हैं। इस चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि चुनाव जातिवाद, धर्म और अन्य संकीर्ण मुद्दों के बजाय विकास के मुद्दों पर लड़ा गया। विपक्ष की जातीय आधार पर सत्ता में हिस्सेदारी की बात को मतदाताओं ने तरजीह नहीं दी। वहीं भाजपा के सुनियोजित चुनाव अभियान, स्टार प्रचारक के रूप में नरेंद्र मोदी की स्वीकार्यता व कांग्रेस की संगठन की खामियों ने समीकरण बदले। निस्संदेह, केंद्र की सत्ता में काबिज भाजपा के डबल इंजन के नारे को तरजीह मिली है। वहीं एक निष्कर्ष यह भी है कि देश का मतदाता चुनावों में राष्ट्रीय दलों पर विश्वास जता रहा है। चारों राज्यों के चुनाव में क्षेत्रीय क्षत्रपों की उम्मीदों पर पानी फिरा है। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति यानी बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव की शिकस्त को इस दृष्टि से देखा जा सकता है। लेकिन वहीं भाजपा के लिये यह मंथन का समय भी है कि कांग्रेस फिर से दक्षिण भारत की पहली पसंद बनी हुई है। दक्षिण में पैर जमाने के लिये कर्नाटक व तेलंगाना गंवाने के बाद भाजपा को बहुत कुछ करना बाकी है। इस चुनाव का एक सार्थक संदेश यह है कि मतदाताओं ने भ्रष्टाचार व परिवारवाद को सिरे से खारिज किया है। बीआरएस के सफाये को इस उदाहरण के रूप में देखा जा सकता है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि तेलंगाना की जनता ने 2013 में तेलंगाना राज्य गठन में महत्वपूर्ण योगदान के लिये कांग्रेस के प्रति आभार जताया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी के रूप में पार्टी को नया उम्मीदों का चेहरा मिला है। बहरहाल, इन चुनाव परिणामों ने आम चुनाव की राह तय कर दी है। यही वजह है कि दिल्ली में भाजपा कार्यालय में आयोजित विजय समारोह में इस जीत को केंद्र सरकार की नीतियों व विकास कार्यक्रमों की जीत बताया गया। नरेंद्र मोदी ने चुनाव अभियान के उस वक्तव्य को दोहराया कि ह्य मोदी की गारंटी का मतलब होता है, गारंटी की गारंटी मिलना।ह्न जाहिर बात है कि कई गारंटियां कांग्रेस ने भी दी थी लेकिन जनता का सकारात्मक प्रतिसाद मोदी की गारंटी को मिला। इसी उत्साह में पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित विजय समारोह में नरेंद्र मोदी ने कहा- ह्यये जीत की हैट्रिक, चौबीस की हैट्रिक की गारंटी है।ह्न लेकिन एक बात जरूर है कि बिना मुख्यमंत्री के चेहरों को सामने रखे मध्यप्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ में चुनाव जीतना इस बात का पर्याय है कि मोदी की छवि राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य बनी हुई है। बहरहाल, इस जीत में कैडर बेस्ड पार्टी होने का लाभ भाजपा को मिला है।

स्वदेशी हथियार

ऐसे वक्त में जब भारत की सीमाओं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लगातार सामरिक चुनौतियां मिल रही हैं, रक्षा तैयारियों में किसी तरह की सुस्ती घातक साबित हो सकती है। इसी चुनौती के मद्देनजर सेना की युद्धक क्षमताओं को बढ़ाने हेतु बृहस्पतिवार को रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 2.23 लाख करोड़ रुपये की रक्षा अधिग्रहण परियोजनाओं को प्रारंभिक मंजूरी दी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दी गई है। कुल खरीद के 98 फीसदी उत्पाद घरेलू रक्षा उद्योगों से प्राप्त किए जाएंगे। निस्संदेह, इससे देश के रक्षा उद्योग को बड़ा संबल मिलेगा। वहीं, इससे हम हथियारों पर खर्च होने वाली दुर्लभ विदेशी मुद्रा भी बचा सकते हैं। साथ ही देश में हथियारों के उत्पादन को गति मिलेगी और इस क्षेत्र में रोजगार के नये अवसर भी सृजित होंगे। दरअसल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद यानी डीएसी की बैठक में 97 हल्के लड़ाकू विमान तेजस और 156 प्रचंड लड़ाकू हेलीकॉप्टरों की खरीद को मंजूरी दी गई। निस्संदेह, पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ लगातार चुनौतीपूर्ण स्थिति बने रहने के चलते देश अपनी तैयारियों में किसी तरह की ढील नहीं दे सकता। डीएसी का यह निर्णय भी सुखद है कि भारत की एयरोस्पेस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स द्वारा सुखोई लड़ाकू विमान के बेड़े को उन्नत करने के वायुसेना के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। निस्संदेह, सेना की जरूरतों को देश के रक्षा उद्योग के जरिये पूरा करना एक दूरगामी पहल है। इतिहास गवाह है कि कारगिल युद्ध में जरूरी युद्धक सामग्री व भारी हथियारों के लिये जरूरी कल-पुर्जों को हासिल करने में देश को परेशानी का सामना करना पड़ा था। कई देशों ने संकट काल में मुंह फेर लिया था। लेकिन यहां ध्यान रखना जरूरी है कि रक्षा उत्पाद अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हों। ऐसा न हो कि चुनौतीपूर्ण स्थितियों में संकट के अनुरूप गुणवत्ता के हथियार न मिलने पर सेना को असहज व मुश्किल स्थिति का सामना करना पड़े। आज दुनिया में बदलती युद्ध शैली और हथियारों के आधुनिकीकरण के चलते युद्ध बेहद जटिल स्थिति में जा पहुंचे हैं। थल सेना के मुकाबले वायुसेना व नौसेना की भूमिका को विस्तार मिल रहा है। इतना ही नहीं लड़ाकू हवाई जहाजों के मुकाबले युद्ध मिसाइल और ड्रोन केंद्रित हो चले हैं। कुल मिलाकर आज मानवीय शक्ति के बजाय उन्नत तकनीक पर आधारित हथियारों को तरजीह दी जा रही है। इसलिए भारतीय रक्षा उद्योग को बदलते वक्त की जरूरतों के साथ कदमताल करते हुए आगे बढ़ना होगा। हमें रक्षा अनुसंधान व कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाली रक्षा तकनीकों पर विशेष ध्यान देना होगा। खासकर ऐसे समय पर जब चीन के साम्राज्यवादी मंसूबे हमें लद्दाख में लगातार परेशान करते रहे हैं। हालांकि, भारत ने चीन से लगती सीमा पर संरचनात्मक विकास को तरजीह दी है, लेकिन सेना का आधुनिकीकरण हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। दरअसल, 21वीं सदी की युद्धक रणनीतियों में आमूल-चूल परिवर्तन हुआ है। उन्नत तकनीक व एआई आधारित आधुनिक हथियारों को प्राथमिकता दी जा रही है। यदि हम बदलते परिदृश्य के अनुरूप सेना को न ढाल पाये तो युद्ध के समय हमें बड़े संकट का सामना करना पड़ सकता है। निश्चित रूप से किसी भी तरह की चूक से हमारी संप्रुभता पर आंच आ सकती है। अकसर कहा जाता है कि 1962 के भारत - चीन युद्ध में यदि हमने वायुसेना का पहले उपयोग किया होता तो युद्ध की तसवीर बदल सकती थी। बहरहाल, 1962 के समय से भारत काफी आगे निकल चुका है। मिसाइल तकनीक में हमने महारत हासिल कर ली है। आने वाले समय में अंतरिक्ष युद्ध की आशंका को नहीं टाला जा सकता। चीन समेत दुनिया के तमाम मुल्क अंतरिक्ष युद्ध से जुड़े अनुसंधानों पर भारी-भरकम रकम खर्च कर रहे हैं। इस नई चुनौती के अनुरूप भारतीय सेनाओं को ढालने की सख्त जरूरत है। साथ ही भारत में सरकारी व निजी हथियार उत्पादक कंपनियों में स्वस्थ प्रतियोगिता विकसित करने की भी जरूरत है। जिससे देश हथियार उत्पादन के मामलों में आत्मनिर्भर हो सके। साथ ही हथियारों के निर्यात की दिशा में आगे बढ़कर विदेशी मुद्रा भी हासिल कर सके।

हिंदी पट्टी में राहुल और प्रियंका की हार कांग्रेस के लिए बहुत बड़ा झटका है

डॉ. आशीष वशिष्ट

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों को अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा था। खासकर हिंदी पट्टी के तीन राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनाव नतीजों पर देशभर की आंखें टिकी हुई थीं। इन तीन राज्यों में जिस तरह भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस को पछाड़ा है, वो काबिलेतारीफ है। वास्तव, में कांग्रेस को इस बात का भरोसा था कि वो छत्तीसगढ़ में अपनी सरकार बरकरार रखेगी और मध्य प्रदेश को भाजपा से छीन लेगी। राजस्थान को लेकर उसकी राय यह थी कि यहां काटें की टक्कर होगी और हो सकता है कि अशोक गहलोत अपनी सरकार बचा पाने में सफल रहेंगे। लेकिन कांग्रेस के रणनीतिकारों के सारे अनुमान धरे के धरे रह गए। भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश में ऐतिहासिक जीत दर्ज की ही, वहीं उसने कांग्रेस से राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे दो अहम राज्य छीन लिए। भाजपा राजस्थान और मध्य प्रदेश को लेकर आश्वस्त थी, छत्तीसगढ़ तो बोनस की तरह उसकी झोली में आ गया है।

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधानसभा की 519 और लोकसभ की 65 सीटें आती हैं। अगर हिंदी पट्टी के राज्यों- जम्मू कश्मीर, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, दिल्ली, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और केंद्र शासित चंडीगढ़ एवं लेह लद्दाख में कुल 245 लोकसभा की सीटें आती हैं। वर्तमान में कांग्रेस के पास हिंदी पट्टी में मात्र 14 लोकसभा सांसद हैं। वर्तमान लोकसभा में कांग्रेस के कुल 51 सांसद हैं और हिंदी पट्टी के एकमात्र राज्य हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है। केंद्र में किसकी सरकार बनेगी यह तय करने में हिंदी पट्टी के राज्य बड़ी भूमिका निभाते हैं। ताजा चुनाव नतीजों से कांग्रेस की लोकसभा चुनाव तैयारियों को बड़ा झटका लगना तय है। अगर हिन्दी पट्टी के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की बात की जाए तो यहां कांग्रेस की हालत किसी से छिपी नहीं है। पिछले तीन दशकों से पार्टी यूपी में अपनी जमीन तलाश रही है। यूपी में सारी रणनीति और पैंतरेबाजी के बावजूद वो ठीक से खड़ी नहीं हो पा रही है। साल 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का अब तक सबसे खराब प्रदर्शन दिखा। कांग्रेस को दो सीटों पर जीत हासिल हुई। इस चुनाव में देश की सबसे पुरानी पार्टी कई प्रधानमंत्री देने वाले राज्य में अब निराशाजनक प्रदर्शन के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। वर्ष 2017 का विधानसभा चुनाव कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके लड़ा था। और उसे 7 सीटों पर जीत मिली थी। असल में कांग्रेस की यूपी में खराब हालत 1985 से ही जारी है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस तब से 50 सीटें भी नहीं जीत पाई है। कांग्रेस 1985 के बाद से अब तक 50 का आंकड़ा नहीं पार कर पाई। इस चुनाव में इतिहास का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन दिख रहा है। कांग्रेस को वर्ष 2012 में विधानसभा चुनाव में 28, वर्ष 2007 में 22 और वर्ष 2002 में 25 सीटें मिली थीं। यूपी में पिछले चार लोकसभा चुनाव के नतीजों पर गौर किया जाएगा तो कांग्रेस का सबसे

बेहतर प्रदर्शन 2009 में ही रहा था। आज सिर्फ एक सीट वाली कांग्रेस ने 2009 में 21 सीटों पर जीत दर्ज की थी। 2009 के बाद 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को जबरदस्त झटका लगा और कांग्रेस सिर्फ अपनी दो परंपरागत सीटों रायबरेली व अमेठी में ही जीत हासिल कर सकी। 2019 के चुनाव में कांग्रेस की सिर्फ एक सीट ही रह गई। इन चुनावों में सपा-बसपा के गठबंधन की वजह से कांग्रेस ने कई सीटों पर अपने प्रत्याशी नहीं उतारे, जबकि कई सीटों पर कांग्रेस तीसरे नबंर पर रही। 2019 में कांग्रेस के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी को यूपी की अमेठी सीट के साथ केरल की वायनाड सीट से चुनाव लड़ने को मजबूर होना पड़ा। अमेठी में राहुल गांधी को बीजेपी की तेजतर्रार नेता स्मृति ईरानी से शिकस्त दी। विधानसभा चुनाव को लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा था, ऐसे में कांग्रेस ने चुनाव जीतने के लिए हर पैंतरे का प्रयोग किया। प्रधानमंत्री मोदी पर सीधे हमले के साथ ही, जाति जनगणना और जनता को लुभाने के लिए वायदे भी जमकर किये गये। बावजूद इसके पार्टी हिंदी पट्टी में बुरी तरह हार गई। खासकर मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी। लेकिन वहां बीजेपी 18 साल के अपने शासन को बरकरार रखने में सफल रही। बीजेपी ने 2018 के विधानसभा चुनाव से बड़ी जीत दर्ज की है। जो अपने आप में ऐतिहासिक है।

मध्य प्रदेश में जहां बीजेपी 18 साल के शासन के बाद सरकार बचाने में सफल रही, वहीं कांग्रेस राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अपने पांच साल के कार्यकाल के बाद ही भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण, वायदाखिलाफी और अकुशल प्रशासन के चलते सत्ता से बाहर हो गई। छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने वर्ष 2003 से 2018 तक 15 साल शासन किया था। उसके बाद 2018 में कांग्रेस की सत्ता स्थापित हुई। लेकिन प्रदेश की जनता ने पांच साल में ही उसे सत्ता से बेदखल कर दिया। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने 2018 के चुनाव में शराबबंदी का वायदा किया था। लेकिन पांच साल में उसने यह वायदा पूरा नहीं किया। उलटा बघेल सरकार पर शराब घोटाले के आरोप लगे। सीमेंट घोटाला और महादेव बैटिंग एप्प के आरोपों में भी बघेल सरकार घिरती दिखाई दी। तमाम आरोपों के बावजूद कांग्रेस को इस बात की पूरी उम्मीद थी कि प्रदेश में बीजेपी कमजोर स्थिति में है, ऐसे में वो सरकार बनाने में कामयाब रहेगी। वहीं छत्तीसगढ़ को लेकर बीजेपी को भी कोई ज्यादा उम्मीद नहीं थी। लेकिन प्रदेश की जनता ने सारे समीकरणों और अनुमानों को धता बताते हुए समझदारी दिखाई और सारे विश्लेषणों को फेल करते हुए बीजेपी के हक में अपना फैसला सुनाकर सबको चौंका दिया। ताजा चुनाव नतीजों में देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस का एक साथ हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में हार से उसके नेताओं और कार्यकताओं का मनोबल गिरेगा। राहत की बात यह है कि दक्षिण भारत के राज्य तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बन रही है। तीन अहम राज्यों में हार से राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व पर भी सवालिया निशान लग गया है। विधानसभा चुनाव में हार से देशभर में ये संदेश जाएगा कि राहुल और प्रियंका दोनों मिलकर भी पार्टी को खड़ा करने की क्षमता नहीं रखते हैं।

भारतीय राजनीति में पहचान आधारित पैंतरे के जोखिम

राजेश रामचंद्रन

अब जबकि चुनाव परिणाम के नतीजे लगभग सामने हैं। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों से अहम सबक यह है कि हिंदी भाषी क्षेत्र में गैर-भाजपा पार्टियों में कांग्रेस अभी भी सबसे मजबूत दल है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ ऐसे सूबे हैं जहां पर कांग्रेस और भाजपा के बीच दो ध्रुवीय मुकाबला होने की रिवायत रही है। हालांकि, तेलंगाना में कांग्रेस की जीत यह सिद्ध करती है कि क्षेत्रीय दलों के ग्रहण लगने के बावजूद उसकी जड़ें कायम हैं।

कांग्रेस एक पुरानी पार्टी है, अलबत्ता चुनावी मौसम के दौरान इसमें कुछ हरी कोंपलें उग आती हैं जिनका मकसद सत्ता से खिन्न मतदाता के जरिये ताकत प्राप्त करना होता है। एक ऐसी पार्टी है जिसका एकमात्र तर्क रहा है, सत्ता। चूंकि एजेंडा तभी क्रियान्वित होता है जब सरकार हो, अतएव सामाजिक बदलाव के लिए सक्रिय अभियान चलाने वाले कार्यकर्ता की क्या जरूरत। ऐसा दल चुनाव के समय का इंतजार यह देखने के लिए करते हैं कि क्या फिजा में बदलाव आया है और लोगों का मिजाज सत्ताधारी दल के प्रति मोह से मोहभंग में परिवर्तित हुआ है या नहीं। तब केवल इतना करने की जरूरत होती है कि नाराज जनता के सामने खुद को सबसे काबिल विकल्प के रूप में पेश किया जाए।

लेकिन इसकी बजाय, यह मत समझें कि जनता के मिजाज में बदलाव विचारधारा में भी हुआ है। उक्त दल का सिद्धांत केवल सत्ता है न कि जाति। कांग्रेस विगत में विभिन्न जातीय समीकरण बनाने की कोशिश कर चुकी है, मसलन, उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण-दलित-मुस्लिम, आंध्र प्रदेश में रेड्डी-दलित-मुस्लिम, कर्नाटक में अल्पसंख्यक-पिछड़ा वर्ग-दलित आधारित अहिन्दा नामक युगम, गुजरात में क्षत्रिय-हरिजन-आदिवासी-मुस्लिम का खाम नामक प्रयोग, केरल में कांग्रेस ने मुस्लिम और ईसाई दलों से गठबंधन किया है तो और अन्य जगहों पर भी इसी किस्म के समुच्चय बैठाए। इस तमाम प्रयासों के बावजूद, पार्टी सिकुड़ती गई क्योंकि पहचान-आधारित यह राजनीति विपक्ष के लिए प्रतिक्रियात्मक-गोलबंदी के लिए उत्प्रेरक और वैधता प्रदान करने वाली बनी। वास्तव में यह राजनीतिक जरूरत भले हो लेकिन अनाड़ीपन यह मानना रहा कि मुस्लिम पहचान की राजनीति करने से हिंदुत्व संगठनों के एकजुट होने को बल नहीं मिलेगा, लेकिन यही हुआ और वह भी किस कदर!

कांग्रेस इस बार न केवल सत्ताधारियों के प्रति मतदाताओं के मोहभंग की आसान फसल काटने को तत्पर रही है बल्कि जाति-पहचान का कार्ड भी खेलती रही है। शायद यह चाल किसी राज्य में जीत दिला भी दे, जहां उसने जाति-आधारित जनगणना करवाने का वादा किया हो। शायद आगे राष्ट्रीय

स्तर पर भी पिछड़ी जातियों की पहचान आधारित राजनीति करने की कोशिश इस उम्मीद में करे कि इससे हिंदुत्व के घेरे में सेंध लग सके। खैर, जिस तरह मुस्लिम कार्ड ने हिंदू-कार्ड को वैधता दी थी और हिंदू वोट बैंक बना डाला, जोकि 1990 के आखिरी सालों तक भी किसी की कल्पना में नहीं था, ठीक वैसे ही जातीय-पत्ता भी धार्मिक एजेंडे को वैधता देने में प्रभावी हो सकता हैझ यह दोनों ही पूर्व-आधुनिक समूह बनाने के संकेतक हैं।

मसलन, आंध्र प्रदेश की राजनीति में रेड्डी समुदाय की बहुसंख्या से केवल काम्मा उद्भव को वैधता मिली है, यह ठीक वही है जब उत्तर प्रदेश में कल्याण सिंह के नेतृत्व में हुए गैर-यादव पिछड़ी जाति सशक्तीकरण ने यादवों के विजय रथ को पलट डाला था या फिर कर्नाटक में लिंगायतों का मजबूत बनना अन्य सामाजिक गठबंधनों पर भारी पड़ गया। पिछड़ी जातियों का आरक्षण कोटा 27 फीसदी से बढ़ाकर 42 प्रतिशत या 50 प्रतिशत करना या फिर सरकारी नौकरियों में पिछड़ों और दलितों का कोटा 90 फीसदी करने वाला जुमला केवल एक चुनाव में चल पाएगा, बस इतना ही। तथापि इस नारे को भी किसी भरोसे योग्य पिछड़ी जाति के नेता द्वारा उठाए जाने की जरूरत होगी। हालांकि, इस नारे का कुल प्रभाव सत्तासीनों के प्रति मतदाता के मोह या मोह-भंग की मात्रा पर निर्भर करेगा। लेकिन इस नारे की स्वीकृति में पेंच है कि यह तभी प्रभावशाली होगा जब पिछड़ी जाति के अब तक न आजमाए किंतु भरोसे काबिल नेता द्वारा उठाया जाए।

तथाकथित मंडल मसीहा वीपी सिंह भी राजीव गांधी को केवल जाति-कार्ड खेलकर नहीं हरा पाए थेझ लोकसभा में 400 से ज्यादा सीटों वाली शक्तिशाली राजीव सरकार का पराभव बोफोर्स तोपों में रिश्वतखोरी के इल्जाम से ही हुआ था। राजा नहीं फकीर है, देश की तकदीर है का नारा शुचिता, एक राजकुल से संबंधित इंसान द्वारा व्यवस्था को साफ-सुथरा बनाने की छवि की खातिर था। यह विशुद्ध रूप से तत्कालीन सरकार से मतदाता की नाराजगी को भुनाने की राजनीति थी। सत्ता में बने रहने के खातिर जाति-आधारित राजनीति वाले मंडल-पैंतरे ने सिर्फ संघ परिवार के धार्मिक एजेंडा को वैधता प्रदान की थी। जाति-भावना का तोड़ केवल धार्मिक-भावना है। लिहाजा भाजपा के सांसदों की संख्या 1989 में 85 से बढ़कर 1991 में 120 हो गई। इसी बीच, पिछड़ी जातियों में बहुसंख्यक वर्ग के अब तक गैर-आजमाए और बेदाग नेता जैसे कि लालू यादव और मुलायम सिंह का उद्भव अपने कहे पर अमल करने वाले और नव-राजनीतिक चलन के प्रतीक के तौर पर हुआ।

लेकिन क्या जाति-आधारित जनगणना की बात करने से वक्त को पीछे ले जाया जा सकता है, वह भी उस वंशवादी राजनेता द्वारा जिसका परिवार विगत में उच्च-जाति के नेतृत्व को बढ़ावा देने का प्रतीक रहा है? क्या कांग्रेस के युवराज का प्रधानमंत्री बनने का प्रयास पिछड़ी जातियों के उद्भव को फलीभूत कर पाएगा? यह होना मुश्किल है क्योंकि पहचान आधारित एजेंडे में टकराव की राजनीति अंतर्निहित है, जिसके लिए एक दुश्मन होना जरूरी हैझ एक अपसंद विजातीय। उच्च जाति 1990 के दशक के वह विजातीये थे जिन्होंने गंगा के मैदान में स्वतंत्रता के बाद से राज किया। उच्च जाति को विजातीय मानने की भावना उस वक्त जाकर घटी जब पिछड़ी जाति, खासकर मुलायम सिंह और लालू के कुनबे, 1989-90 से गांगीय-प्रदेश में सुशासन देने में नाकाम रहे।

टारगेट किलिंग का सर्वाधिकार केवल अमेरिका को ही क्यों

पुष्परंजन

अमेरिका में टारगेट किलिंग पर रोक 1976 में लगा दी गई थी। उससे पहले अमेरिका के निशाने पर जो व्यक्ति होता, उसे दुनिया के किसी कोने में मार गिराने को कानूनन सही ठहराया जाता। 9/11 के बाद जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने अमेरिकी कांग्रेस में प्रस्ताव रखवाया, जिसकी बिनाह पर सुरक्षाबलों को उन्हें मारने का अधिकार मिल गया, जो अमेरिका के विरुद्ध आतंकी गतिविधियों में शामिल पाये जाते थे। 18 सितंबर, 2001 को बने इस कानून को ऑथराइजेशन फॉर द यूज ऑफ मिलिटरी फोर्स (एयूएमएफ) नाम दिया गया। दुनिया के किसी भी हिस्से से अमेरिका के विरुद्ध साजिश का जरा भी शक होता, ऐसे लोगों को उठाने और मरवाने का लाइसेंस बुश प्रशासन को मिल चुका था। बाद में बराक, ट्रंप और अब बाइडेन के समय एयूएमएफ का इस्तेमाल रुका नहीं। यह लक्षित हत्याएं थीं। ऐसी टारगेट किलिंग का सबसे बड़ा उदाहरण नेवी सील के उस छापे से समझा जा सकता है, जिसमें ओसामा बिन लादेन मारा गया था। व्हाइट हाउस का तर्क था कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 में आत्मरक्षा के लिए बल प्रयोग के उपयोग का अधिकार केवल अमेरिका के पास है। हम अलकायदा, तालिबान या आइसिस सरगनाओं की टारगेट किलिंग इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि अमेरिका के विरुद्ध ये लोग साजिश करते दिखते हैं।

फरवरी, 2013 में अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा लीक किए गए एक श्वेतपत्र में टारगेट किलिंग के लिए कानूनी ढांचे का विस्तृत विवरण दिया गया था। यों कहिए कि लंबे समय तक अमेरिकी प्रशासन ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया था कि व्हाइट हाउस कितने लोगों को आत्मरक्षा का अधिकार के नाम पर मरवा चुका है। यूएन में संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत रह चुके फिलिप अल्स्टन, आत्मरक्षा के अमेरिकी दावों की निंदा करते हुए कहते हैं कि यदि अन्य देश ऐसा करते हैं, तो अमेरिका के न्याय विभाग को आपत्ति होती है। लेकिन अमेरिका ने कहीं भी, कभी भी लोगों को मार डालो का अधिकार प्राप्त कर लिया है। यह अराजक स्थिति है। कोलंबिया लॉ स्कूल के स्कॉलर मैथ्यू सी. वैक्समैन ने भी बयान दिया कि बिन लादेन को मारने के लिए अमेरिकी सील कमांडो को भेजना किसी देश की संप्रभुता का उल्लंघन ही था। अमेरिकी सरकार अपने अधिकारों की रक्षा अपने भूभाग पर करे, तो बात समझ में आती है। मगर, सहमति के बिना विदेशी धरती पर अपने बल का उपयोग करना कहां का इंसाफ है? न्यू अमेरिका फाउंडेशन द्वारा किए गए एक अध्ययन में बताया गया है कि अपने कार्यकाल के पहले दो वर्षों में, तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने राष्ट्रपति बुश की तुलना में चार गुना अधिक टारगेट किलिंग को अधिकृत किया था। रिपोर्ट में दावा किया गया कि 2009 के बाद से लगभग 291 हमले किए गए हैं, जिनमें जनवरी, 2013 तक 2,264 कथित आतंकवादी ड्रोन के जरिये अथवा अन्य टारगेट किलिंग में मारे गए।

सीआईए और डीओडी (डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस) टारगेट किलिंग जैसे ऑपरेशन पाकिस्तान-अफगान सीमा के अलावा यमन, इराक, सीरिया और लीबिया में भी चलाते रहे। पेंटागन किल एंड कैप्चर कार्यक्रम में कितना आगे रहा है, उसके दस्तावेजों को सही से खंगालने पर स्पष्ट हो जाता है। 2009 में किल एंड कैप्चर कार्यक्रम की भेंट 675 लोग चढ़ गये, यह संख्या 2011 में बढ़कर 2200 पर पहुंच चुकी थी। इंटरनेशन सिक्योरिटी असिस्टेंट फोर्स (आईएसएएफ) के कमांडर जनरल जार्ज अलेन कहते हैं कि जैसे-जैसे परंपरागत फोर्स की संख्या कम होगी, टेक्नोलॉजी की मदद से टारगेट किलिंग में इजाफे की संभावना बढ़ेगी। लेकिन इसका साइड इफेक्ट खतरनाक था। सीआईए ने नवंबर, 2011 से जनवरी, 2012 तक पाकिस्तान में ड्रोन हमले पर रोक लगा दी, क्योंकि इन हमलों से द्विपक्षीय संबंध सहज नहीं रह गये थे। अप्रैल, 2012 में पाकिस्तानी संसद ने सीमा पर अमेरिकी ड्रोन हमलों को समाप्त करने की मांग के लिए सर्वसम्मति से मतदान किया। अमेरिका 10 साल बाद भी सुधरा नहीं। टारगेट किलिंग के नाम पर मार्च, 2023 में यमन के मरीब जिले में अब्देल अल अजीज अदनानी और सीनियर अल कायदा सरगना हमद बिन अल तमीमी को यूएस फोर्स ने मार गिराया था। 1977 में पारित जेनेवा कन्वेंशन के तहत टारगेट किलिंग को युद्ध अपराध की श्रेणी में लाया गया था। मगर, इसे मानता कौन है? रूस, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, तुर्की, सउदी अरब, चीन जैसे दुनिया के चुनींदा देशों से कोई पूछे कि आतंकवाद उन्मूलन के नाम पर कितने लोगों की हत्याएं कराने के ऑर्डर उनकी सरकारों ने दिये हैं। आपको अनगिनत उदाहरण मिलेंगे।

प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजना अंतर्गत नपा अध्यक्ष ने दिव्यांगो को दिया विभिन्न सहयोग

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला दिव्यांग जन सशक्तिकरण अधिकारी ने बताया है कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उ0प्र0 द्वारा संचालित योजना कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण योजनान्तर्गत रविवार को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर विकास भवन परिसर में दिव्यांगजनों के मध्य कृत्रिम अंग तथा सहायक उपकरण का वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला कार्यालय में कार्यरत कनिष्ठ सहायक अरविंद राजभर द्वारा किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं मुख्य अतिथि सरिता अग्रवाल नगर पालिका परिषद अध्यक्ष गाजीपुर द्वारा कुल 30 दिव्यांगजनों के मध्य 11 ट्राईसाइकिल, 7 व्हील चेयर, 5 लेप्रोसी किट, 5 मेंटल किट तथा 2 अंध छड़ी उपकरण का वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम में आनंद शिक्षण समिति के प्रबंधक शेखर श्रीवास्तव, निशांत उपाध्याय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी के अतिरिक्त अन्य विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

सपा नेताओं की जमावड़े को लेकर पुलिस अलर्ट, होगी वीडियोग्राफी

प्रखर खेतासराय(जौनपुर) । नगर में बीते 28 नवंबर को शराबी बारातियों द्वारा फास्टफूड की दुकान चला रहे अजय व अंकित की दुस्साहस तरीके से की गई हत्या से जिले से लेकर राजधानी तक हड़कम्प मचा हुआ है । सपा सुप्रीमो ने इस घटना को बहुत गम्भीरता से लिया है । उन्होंने आठ वरिष्ठ नेताओं का डेलीगेट बनाकर पूर्व एमएलसी दयाराम प्रजापति के नेतृत्व में मंगलवार को यहाँ भेज रहे है । उनके कार्यक्रम को देखते हुए पुलिस प्रशासन सतर्क हो गई है । कस्बे में सपाइयों का जमघट लग सकता है । सीओ शुभम तोदी सर्किल पुलिस के अतिरिक्त एक प्लाटून पीएसी के साथ कैंप करेंगे । खुफिया ईकाई भी हर मोमेंट की जानकारी इकट्ठा कर रही है । पार्टी कार्यकताओं के आमद को देखते हुए पुलिस 100 मीटर पहले ही बैरिकेडिंग लगा सकती है । थानाध्यक्ष चन्दन रॉय ने बताया कि सपा के प्रतिनिधिमंडल को देखते हुए पुलिस सतर्क है, किसी को भी शोक संवेदनाओ के आड़ में कानून को उलंघन करने की अनुमति नही रहेगी ।

विचार अभिव्यक्ति प्रतियोगिता में दिव्या सौम्या, मनस्वी, लक्ष्मी ने मारी बाजी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। साहित्य चेतना समाज के तत्वावधान में गाजीपुर नगर के तुलसीसागर स्थित न्यू होराइजन एकेडमी के सभागार में विचार-अभिव्यक्ति प्रतियोगिता अंग्रेजी माध्यम का आयोजन किया गया।चार वर्गों में आयोजित इस प्रतियोगिता में चौथी कक्षा से लेकर बारहवीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ पी.जी.कॉलेज,गाजीपुर के प्राचार्य डॉ.राघवेन्द्र पाण्डेय एवं गाँधी शती स्मारक महाविद्यालय गरूआ मकसूदपुर के पूर्व प्राचार्य प्रो.अमरनाथ राय ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन कर किया। कनिष्ठ वर्ग में द प्रेसीडियम इण्टरनेशनल स्कूल की कु.शिव्या शाह ने प्रथम,सेन्ट जॉन्स स्कूल की कु.अनन्या यादव ने द्वितीय एवं न्यू होराइजन एकेडमी की कु.मिस्बाह फातिमा व कु.यशी राय ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।द प्रेसीडियम इण्टरनेशनल स्कूल की कु.श्रेया पाण्डेय,जे.पी.जे.ज्ञानदीप

अकादमी की कु.दिव्या कुशवाहा व कु.जेहरा फसीही,सेन्ट जॉन्स स्कूल के अभ्युदय एवं न्यू होराइजन एकेडमी की कु.सृष्टि राय,सिद्धार्थ गुप्ता एवं कु.आकृति प्रशंसित स्थान पर रहे।जबकि मध्यम वर्ग में सेन्ट जॉन्स स्कूल की कु.सौम्या यादव व अंशुमान यादव ने क्रमशः प्रथम व द्वितीय एवं शाह फैज पब्लिक स्कूल की कु.पलक राय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।द प्रेसीडियम इण्टरनेशनल स्कूल की कु.श्रेया पाण्डेय,जे.पी.जे.ज्ञानदीप बशारत हुसैन,कु.राशि सिंह व कु.आराध्या यादव एवं समता पब्लिक स्कूल कालुपुर की कु.शिवानी यादव प्रशंसित स्थान पर रहे। इसी प्रकार ज्येष्ठ वर्ग में सेन्ट जॉन्स स्कूल की कु.मनस्वी राय व कु.यतीशा ने क्रमशः प्रथम व द्वितीय एवं केन्द्रीय विद्यालय की कु.अरीफा कौसर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।सनबीम स्कूल महाराजगंज की कु.स्वेच्छा रात,समता पब्लिक स्कूल की कु.अंशी यादव,कु.अर्चिता सिंह व कु.अर्पिता सिंह एवं सेन्ट जॉन्स स्कूल की कु.संतृप्ति शर्मा व कु.रितिका मौर्या ने प्रशंसित स्थान प्राप्त किया। तथा वरिष्ठ वर्ग में समता पब्लिक स्कूल कालुपुर की कु.लक्ष्मी सिंह,कु.निशा व अभिषेक सिंह यादव,सेन्ट जॉन्स स्कूल की कु.अनुष्का भारद्वाज एवं माउण्ट लिट्रा जी स्कूल के सार्थ प्रियदर्शी व दिव्यांश यादव ने प्रशंसित स्थान प्राप्त किया।

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह की बिटिया की शादी में शामिल हुए अल्पसंख्यक मोर्चा के काशी प्रांत के क्षेत्रीय अध्यक्ष अब्दुल कलाम अंसारी

प्रखर मिजार्पुर। जनपद के जमालपुर क्षेत्र के मूल निवासी जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के बिटिया के शादी समारोह में आशीर्वाद देने पहुंचे लखनऊ काशी क्षेत्रीय अध्यक्ष अब्दुल कलाम अंसारी अपने काफिले के साथ जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के बिटिया के शादी समारोह में सम्मिलित हुवे आपको बताते चले की जिला मिजार्पुर थाना क्षेत्र जमालपुर ग्राम ओडी.के मूल निवासी जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के बिटिया के शादी समारोह में भारतीय जनता पार्टी के कई दिग्गज चेहरे दिखाई दिए। लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क में शादी समारोह बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। चुनार विधायक अनुराग सिंह काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा अब्दुल कलाम अंसारी जमालपुर ब्लाक प्रमुख आनंद सिंह बंटू व जिला प्रभारी अल्पसंख्यक मोर्चा मोदी मित्र जिला चंदौली से मुसीर खान व अन्य लोग सम्मिलित हुए।

चुनार दरगाह शरीफ में उर्स सम्पन्न

प्रखर मिजार्पुर। सज्जादा नसीन खानकाहे आलिया कादरिया दरगाह शरीफ में पीरे तरीकत रहबरे राहे शरियत आबरूहे अहले सुन्नत शहजादे हुजूर नेहाले मिल्लत हजरत अल्लामा मौलाना सैय्यद आदिल रजा कादरी साहब किबला के कयादत में नायबे कुतबे रब्बानी हजरते अशाह सैय्यदना बाबा कासिम सुलैमानी रजीअल्ला तआला अलैह व सैय्यदे मिल्लत हाफिज अब्दुल गनी रजीअल्ला अन्हो का उर्सपाक 4 दिसंबर 2023 दिन सोमवार को हर साल की तरह इस साल भी मनाया गया ।यह उर्स लगभग 450 सालो से मनाया जाता है हजरत के सभी भाई सैय्यद वाशिल मिया, सैय्यद कामिल मिया, सैय्यद आकिल मिया व कई प्रदेशों के ओलमाये केराम मौजूद रहे प्रोग्राम सुबह से लेकर शाम तक चला और लंगर भी जारी रहा।

जिले की बेटी ने रचा एक और इतिहास, नेशनल पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में जीता गोल्ड

प्रखर संतकबीरनगर। पिछले दिनों पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में गुजरात चैंपियन का खिताब अपने नाम करने वाली जिले कि बेटी जया पाण्डेय ने रविवार को आल इंडिया पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप 2023 में तीन गोल्ड और एक चैंपियन आफ चैंपियंस की ट्राफी अपने नाम करते हुए राष्ट्रीय फलक पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। बताते चलें कि धनघटा तहसील क्षेत्र के ग्राम माधोपुर निवासी अजय कुमार पाण्डेय गुजरात के सुरत शहर में रहकर जीविकोपार्जन करते हैं। उनकी बेटी जया पाण्डेय शुरू से काफी मेधावी थी। खेल के प्रति विशेष आकर्षण के चलते अजय कुमार पाण्डेय ने उसे भरपूर प्रोत्साहित किया। सीमित आय के बावजूद उन्होंने कभी बेटी का हौसला टूटने नहीं दिया। इसका परिणाम रहा कि उनकी बेटी जया पाण्डेय ने पिछले दिनों गुजरात के अहमदाबाद में सम्पन्न हुई राज्य स्तरीय जूनियर वर्ग वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता में गुजरात चैंपियन का खिताब अपने नाम कर लिया था। इसी कड़ी में स्पोर्ट्स एसोसिएशन आफ गुजरात एफडीएन एण्ड सुरत सिटी पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में कतारगाम स्थित भव्य कम्युनिटी हॉल में बीते 30 नवंबर से 3 दिसम्बर के बीच आयोजित आल इंडिया पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप 2023 में 47 किलोग्राम भारवर्ग में 92.5 किलोग्राम, 40 किलोग्राम और 115 किलोग्राम यानी कुल 247.5 किलोग्राम भार उठाकर तीन गोल्ड और चैंपियन आफ चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम कर राष्ट्रीय फलक पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इस प्रतियोगिता में देश के 15 राज्यों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया था।गांव की बेटी जया पाण्डेय की इस सफलता पर पूरे गांव में जश्न का माहौल है। राष्ट्रीय चैंपियनशिप अपने नाम करने पर गुजरात भाजपा के अध्यक्ष सी.आर. पाटिल समेत तमाम शुभचिंतकों, प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया है।

कथा सुनने से होता है मानव जीवन में संस्कारों का उदय : आचार्य धरणीधर

प्रखर सन्तकबीरनगर। विकास खंड नाथनगर के अंतर्गत महुली में आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण की कथा में अयोध्या धाम से आए कथा प्रवक्ता आचार्य धरणीधर जी महाराज ने कहा कथा सुनने से मानव जीवन में संस्कार का उदय होता है। जीवन में कितनी भी विकट परिस्थिति क्यों न आ जाए मुनष्य को अपना धर्म व संस्कार नहीं छोड़ना चाहिए। ऐसे ही मनुष्य जीवन के रहस्य को समझ सकते हैं। आचार्य धरणीधर जी महाराज ने कहा कि जिसकी भगवान के चरणों में प्रगाढ़ प्रीति है, वही जीवन धन्य है। ईश्वर ने विभिन्न लीलाओं के माध्यम से जो आदर्श प्रस्तुत किया, उसे हर व्यक्ति को

ग्रहण करना चाहिए। ऐसा करने से जीवन मूल्यों के बारे में जानकारी मिलने के साथ-साथ अपने कर्तव्य को भी समझा जा सकता है।उन्होंने कथा के दौरान बताया कि श्रंगी ऋषि के श्राप को पूरा करने के लिए तक्षक नामक सांप भेष बदलकर राजा परिक्षित के पास पहुंचकर उन्हें डस लेते हैं और जहर के प्रभाव से राजा का शरीर जल जाता है और मृत्यु हो जाती है। लेकिन श्रीमद् भागवत कथा सुनने के प्रभाव से राजा परीक्षित को मोक्ष प्राप्त होता है। पिता की मृत्यु को देखकर राजा परीक्षित के पुत्र जन्मेजय क्रोधित होकर सर्प नष्ट हेतु आहुतियां यज्ञ में डलवाना शुरू कर देते हैं जिनके प्रभाव से संसार के सभी सर्प यज्ञ कुंडों में भस्म होना शुरू हो जाता है, तब देवता सहित सभी ऋषि मुनि राजा जन्मेजय को समझाते हैं और उन्हें ऐसा करने से रोकते हैं। आचार्य ने कहा कि कथा के श्रवण प्रवचन करने से जन्म जन्मांतरों के पापों का नाश होता है और विष्णुलोक की प्राप्ति होती है।

बिगड़ती कानून व्यवस्था, किसानों की समस्या को लेकर समाजवादी पार्टी ने भरी हुंकार, डीएम के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

प्रखर संतकबीरनगर : जिले में धन क्रय केंद्र में व्याप्त भ्रष्टाचार ,खाद बीज की अनुपलब्धता तथा जनपद में बिगड़ते कानून व्यवस्था तथा अधिकारी एवं कर्मचारियों के जनता के प्रति उदासीन रवैए से दुखी होकर आज समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष अब्दुल कलाम के नेतृत्व में सभी कार्यकर्ता व समर्थकों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचकर महामहिम राज्यपाल के नाम लिखित 9 सूत्री मांग पत्र का ज्ञापन डीएम को सौंपा । संत कबीर नगर जिले के समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष अब्दुल कलाम का कहना है कि जिले में सरकारी धान क्रय केंद्र पर किसानों का ध्यान नहीं दिया जा रहा है, और बिचौलिए धान क्रय केंद्रों पर हावी हैं। जिससे किसानों के धान का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है साथ ही साथ दी और यूरिया की भारी कीमत है किसानों के गेहूं की बुवाई प्रभावित हो रही है , और किसान परेशान है।

समाजवादी पार्टी ज्ञापन के माध्यम से लिखित 9 बिंदुओं पर महामहिम राज्यपाल का ध्यान आकर्षित करते हुए मांग करती है कि यथाशीघ्र उल्लेखित समस्याओं को दूर किया जाए अन्यथा हम समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता किसानों की समस्याओं तथा बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर जन आंदोलन के लिए बाध्य होंगे और इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संत कबीर नगर के जिला प्रशासक की होगी। इस कार्यक्रम के दौरान समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष अब्दुल कलाम,पूर्व सदर विधायक दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे,सुनील सिंह, जयराम पांडे, राम दरस यादव, राम सुरेश चौरसिया ,मोहम्मद अहमद जिला पंचायत सदस्य, रमेश चंद्र यादव ,प्रमोद यादव ,अजय यादव, जुबेदा खातून ,श्याम दुलारी ,सुनील सिंह ,विपिन राय, शैलेंद्र यादव, फूलचंद यादव, एकलाक अहमद आदि भारी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता तथा समर्थक जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय पर मौजूद रहे।

बारात से वापस जा रही बोलेरो ने टेंपो में मारा पीछे से धक्का आठ घायल

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। थाना क्षेत्र के चकिया मार्ग पर बारातियों से भरी पिकअप ने आगे चल रहे टेंपो को मारा धक्का जिससे उसमें सवार महिला पुरुष समेत आठ लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार सोनभद्र के जुगेल क्षेत्र से नौगढ़ चंदौली मजदूरी पर धान की फसल काटने जा रहे हैं टेंपो सवार विष पाल पुत्र हरिदास उम्र 15 वर्ष, रिंकी पुत्री रामनाथ उम्र 18 वर्ष, देवनंदन पुत्र रघुनाथ 38 वर्ष, शिव कुमारी पुत्री राम अवतार 18 वर्ष, लाल बहादुर पुत्र राजाराम 27 वर्ष, मीना पुत्री हरिदास उम्र 15 वर्ष, मुनिया पुत्री हरिनारायण उम्र 17 वर्ष,सभी थाना जुगैल जनपद सोनभद्र,एवम राजेंद्र पुत्र शिवनारायण उम्र 18 वर्ष ग्राम देवखेरा जनपद सोनभद्र को पीछे से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने धक्का मार दिया।जिससे सभी घायल हो गए सभी घायलों को पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया यहां सभी का प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दिया गया है वही समाचार लिखे जाने तक बोलोरो सवार एवं घायल स्थानी थाने के बाहर बात चीज से मामले को सुलझाने का प्रयास कर रहे थे।

विद्युत मजदूर पंचायत के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष का हुआ जोरदार स्वागत, संगठन विस्तार पर हुई चर्चा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। विद्युत वितरण मंडल लाल दरवाजा गाजीपुर में विद्युत मजदूर पंचायत के प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष राजनारायण सिंह का प्रांतीय अतिरिक्त महामंत्री एवं पूर्वांचल अध्यक्ष निर्भय नारायण सिंह के नेतृत्व में समस्त विद्युत कर्मियों द्वारा जोरदार तरीके से स्वागत किया गया वही पूर्वांचल अध्यक्ष निर्भय नारायण सिंह ने बताया कि मेरे संगठन के प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष राजनारायण सिंह का जिला पर आगमन हुवा जिसमे संगठन विस्तार को लेकर विशेष चर्चा हुई वही मंडल स्तर के पदाधिकारियों का विस्तार किया गया जिसमे मंडल स्तर के समस्त पदाधिकारियों को उनके पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई और भविष्य में संगठन को और मजबूत बनाने पर चर्चा हुई। वही विद्युत विभाग में कार्य कर रहे समस्त कंप्यूटर ऑपरेटर पर हो रहे शोषण के खिलाफ अधीक्षण अभियंता को एजेंडा दिया गया जिसमें अधीक्षण अभियंता को अवगत कराया गया कि हमारे कंप्यूटर ऑपरेटर साथियों पर हो रहे शोषण एवं अत्याचार के खिलाफ उचित कार्रवाई करते हुए समय रहते समस्या का समाधान

करने का कष्ट करें अगर समय से समाधान नहीं होता है तो फिर विद्युत कर्मी आपके समकक्ष धरना देने को मजबूर हो जाएंगे जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी विद्युत प्रबंधन की होगी। स्वागत समारोह में मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव एवं जिला अध्यक्ष अरविंद कुशवाहा जिला मंत्री विजय शंकर राय सहित समस्त विद्युत कर्मी सैकड़ों की संख्या में मौजूद रहे।

आईएफएफसी अंतर्राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ फिल्म का भारतीय फिल्म अमृत मंथन को मिला पुरस्कार

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। विश्व की संस्कृतियों व सैर सपाटों की अमिट छाप मेला लगता है मेला खत्म होता है पर यादें छोड़ जाता है ऐसा ही था छठवां सांस्कृति पर्यटन का अन्तर्राष्ट्रीय फिल्मोत्सव वाराणसी जिसमें फिल्मों के प्रदर्शन रहे और साथ ही फिल्मकारों और फिल्मी हस्तियों का तांता लगा था` जहां फिल्मोत्सव के पहले दिन प्रकाश झा जैसे दिग्गज फिल्म निर्देशक पूरे दिन दर्शकों के साथ दर्शकों के बीच रहे तो वहीं अश्विनी तिवारी अय्यर (फिल्म निर्देशक), वरुण शेट्टी (फिल्म निमार्ता), रूमी जाफरी (लेखक निर्देशक) जो बोर्ड ऑफ जूरी के सदस्य भी थे पूर्व मंत्री सूचना प्रसारण व अल्पसंख्यक मंत्रालय भारत सरकार, मुख्तार अब्बास नकवी के साथ मंचासीन रहे थे` जूरी चीफ और प्रसिद्ध अभिनेत्री देबाश्री रॉय, अभिनेता सुधीर पांडे, मनीष तिवारी (निमार्ता-निर्देशक), मधुरिमा तुली (अभिनेत्री और मॉडल), विनोद गनात्रा (निमार्ता-निर्देशक) अशोक कुमार बर्मन आई.ए.एस. (रि.) ये सभी जूरी सदस्य पहले दिन भी रहे और समापन समारोह पुरुस्कार वितरण की शोभा बढ़ाने के लिए उपस्थित रहे` समापन समारोह की गेस्ट ऑफ ऑनर थी भाभी जी घर पर हैं की प्रसिद्ध अभिनेत्री सोम्या टण्डन अब चूंकी पुरुस्कार वितरण समारोह था तो विजेताओं की बात कर ली जाये कुल दसेक पुरुस्कार थे ` आईएफएफसी अंतर्राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरुस्कार भारतीय फिल्म अमृत मंथन को` अमृत मंथन" डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रयागराज कुंभ पर्व पर आधारित है इस फिल्म में कुंभ पर्व की खासियत के तौर पर प्रयागराज कुंभ की धार्मिक मान्यताओं, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व का वर्णन किया गया है` आईएफएफसी सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए फिल्म इंडियास ग्रैंड फेस्टिवल दुर्गा पूजा को चुना है दुर्गा पूजा माँ दुर्गा और नवरात्रि के महत्व और महत्ता को पुनः स्थापित करने का प्रतीक है` आईएफएफसी पर्यटन पर सर्वश्रेष्ठ

फिल्म, इरान की फिल्म दुबई द मिडल ईस्ट बीटिंग हार्ट रही यह 2023 में दुबई के कला व्यवसाय और यात्रा क्षमता के बारे में एक वृत्तचित्र है क्योंकि दुबई मध्य पूर्व का धड़कता दिल जो है` आईएफएफसी संस्कृति पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरुस्कार पाया भारत की फिल्म मुखो शिल्पो, द मास्क मेकिंग ट्रेडिशन ऑव माजुली ने ये डॉक्यूमेंट्री का उद्देश्य 16वीं सदी के सुधारक और दार्शनिक महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव द्वारा आविष्कृत प्राचीन शिल्प कौशल को सामने लाती` आईएफएफसी उत्तर प्रदेश की सर्वश्रेष्ठ फिल्म केवल उत्तर प्रदेश के फिल्म निमार्ताओं या उत्तर प्रदेश विशेष पर बनी कोई फिल्म के लिए दिया जाता है और ये पुरस्कार हासिल किया फिल्म स्पैन की फिल्म वाराणसी रोड ने फिल्म का लुब्बो लुबाब कुछ इस तरह है मैड्रिड में अपने जीवन से तंग आकर सैमुअल कई महीनों की भारत यात्रा पर जाता है` जब वह लौटता है तो उसकी आत्म-खोज की यात्रा जारी रहती है वह एक ऐसे शहर में अपना स्थान ढूंढने की कोशिश करता है जो अब उसे अजीब लगता है ` आईएफएफसी एनीमेशन की सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरुस्कार दो फिल्मों में बंटा जिसमें पहली है भारत की कुमारतुली` फिल्म का सारांश कुछ इस प्रकार अपने कुशल कुम्हार दादा, तापस चंद्र पाल, के दुर्गा पूजा के वार्षिक ऑर्डर पूरा करने से पहले ही निधन हो जाने के बाद, रूपक ने अनुभव की कमी के बावजूद बकाया ऑर्डर को पूरा करने के लिए इस व्यापार को अपना लिया। समय खत्म होने के साथ रूपक को अपने दादा की विरासत का सम्मान करने और अपने परिवार के मिट्टी के बर्तनों के व्यवसाय को जीवित रखने की एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ता है और दूसरी बेस्ट फिल्म इन एनीमेशन केटेगरी में अंगोला की फिल्म द एडवेंचर्स ऑव प्रिंसेस मिराबिलिस रही` इस फिल्म का उद्देश्य अंगोला में मौजूद इतिहास, संस्कृति, पर्यटक स्थलों, आदतों और रीति-रिवाजों और नस्लीय और जातीय बहुलता को दिखाना है` आईएफएफसी जूरी पुरस्कार के लिए जूरी ने भारत की डिसनिंग इंडिया यक्षगान को चुना है यक्षगान एक जीवंत और अद्वितीय पारंपरिक कला है जो भारत के कर्नाटक के तटीय जिलों और केरल के कासरगोड जिले में किया जाता है` यह नृत्य, संवाद और संगीत का मिश्रण है यह कला आमतौर पर भारत के महान महाकाव्यों महाभारत और रामायण की कहानियों को दशार्ती है यह क्षेत्र में शिक्षा, मनोरंजन और सामुदायिक सहभागिता के स्थल के रूप में कार्य करता है` नई दो कैटैगरी जिसमें पहली थी यूपी फिल्म चैलेंज जो केवल उत्तर प्रदेश के उभरते फिल्मकारों के लिए दस दिन की अवधि में उत्तर प्रदेश के पर्यटन पर फिल्म बनाना था जिसे जीता है फिल्म कानपुर के फिल्मकार ने और फिल्म का टायटल है नीबिया खेड़ा` स्टूडेंट जो जूरी में थे उनमें सर्वश्रेष्ठ जूरी होने का गौरव तीन स्टडेंट्स और उनके कॉलेज मिला है जिसमें हैं मिस कोमल रॉय, हिम्स कॉलेज ऑफ नरसिगं एंड पैरामैडिकल, मिस्टर भानू प्रताप, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एवं ईश्वर प्रताप सिंह, उदय प्रताप ऑटोनोमस कॉलेज इन सभी कॉलेजस जहां के ये स्टूडेंट्स हैं उन कॉलेजस को भा ट्रॉफीज से नवाजा गया है।

संक्षिप्त खबरें

पीयू के बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम ने मन मोहा

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में सोमवार की देर शाम सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह एवं विश्वविद्यालय में आयी नैक पीयर टीम ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया। कार्यक्रम में कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शिव पार्वती नृत्य, माईम, गायन के साथ-साथ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रदेश की संस्कृति को भी अपने प्रस्तुति में दिखाया। माईम प्रस्तुति में छात्रों ने देशभक्ति एक्ट प्ले करके लोगों को भावुक भी किया और एक जवान के शहीद होने पर उसके घर की स्थितियां क्या होती है, इसकी जबरदस्त प्रस्तुति की। कार्यक्रम का संचालन दिव्या एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ जान्हवी श्रीवास्तव ने किया। इस मौके पर वित्त अधिकारी उमाशंकर, परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, उप कुलसचिव अमृतलाल, सहायक कुलसचिव बबिता, अजीत सिंह, दीपक सिंह, प्रो. मानस पांडेय, प्रो. वंदना राय, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. मुराद अली, डॉ. प्रमोद कुमार यादव, डॉ मनोज मिश्र, डॉ. राजकुमार, डॉ आशुतोष सिंह, डॉ मनीष गुप्ता, डॉ सुनील कुमार, डॉ रसिकेश, डॉ मनोज कुमार पांडेय, डॉ. करुणा निराला, डॉ लक्ष्मी प्रसाद मौर्या, सहित विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं मौजूद रहें।

कैसे होगा स्वच्छ भारत मिशन का आगाज, जमानियां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खुद बीमार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। केन्द्र सरकार व राज्य सरकारों के हजार दावे जिले के जमानिया पीएचसी के लिए खोखले साबित हो रहे है जहां अस्पतालों का काम लोगों को स्वस्थ रखना होता है लेकिन इस अस्पताल में इलाज हो या ना हो लेकिन लोग गंदगी के कारण बीमा जरूर पड़ सकते हैं। यह सारा मामला है जमानिया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का है। आपको बता दे की जमानियां पीएससी में स्वास्थ अभियान की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। यहां पर शौचालय से लेकर मूत्रालय में गंदगी पसरी हुई है। जिसके बदबू से केवल स्वास्थकर्मी और मरीज भी नहीं बल्कि आसपास के लोग परेशान है। आसपास के लोगों का कहना है की महीने में कभी कभार एक बार झाड़ू लग जाती है, सफाई की बात दूर ही है। वही मरीजों और उनके तीमारदार की शिकायत है कि दवाएं बाहर से लिखी जाती है पीएससी में स्वच्छता को दरकिनार इस कदर किया गया है कि अंदर झाड़ उगे हुए हैं।

भारतीय किसान यूनियन का धरना अनवरत जारी

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। भारतीय किसान यूनियन के द्वारा वनस्थली महाविद्यालय के पास वाराणसी शक्ति नगर मार्ग SH5A पर लगे अस्थाई अवैध टोल प्लाजा हटाने समेत 7 सूत्रीय मांगो को लेकर अनवरत किसानों द्वारा दिन रात धरना शांति पूर्वक चल रहा है। जिसमें एक मांग आज पूरा हुआ कि जमालपुर ब्लाक के घरवाह विद्युत उप केंद्र पर 10 MBA के ट्रांसफार्मर को लगाने की मांग क्षेत्र के किसानों और भारतीय किसान यूनियन के आंदोलन के वजह से आज ट्रांसफार्मर आ गया है और लगाने का काम चल रहा है जिसके लिए जनपद के जिलाधिकारी महोदया व विद्युत विभाग के एक्सियन और जन प्रतिनिधियो को भाकियू की तरफ से बहुत-बहुत बधाई , व धन्यवाद, जिनके सहयोग की बदौलत यह कार्य पूरा हो पाया ,परंतु भारतीय किसान यूनियन की अन्य मांगों बांधों से नल जल योजना के लिए गए पानी को सिंचाई के लिए अन्य स्रोतों से बांधों को भरने समेत अन्य मांगों को लेकर किसान अभी भी धरना पर बैठे हुए है।दिनांक 04/12/2023 का धरना अमरनाथ यादव की अध्यक्षता में चल रहा है इसमें निम्न लोग उपस्थित रहे, जिला अध्यक्ष कंचन सिंह फौजी, रामसूरत सिंह रामचंद्र यादव रामराज, चुल्लहन बिंद , गौतम सिंह यादव, रामविलास सिंह, उमाशंकर, किस्मत, सेचई, सच्चे लाल बिंद, अतिउल्लाह, अमरनाथ यादव, शक्ति सिंह, व अन्य।

महिला अस्पताल में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अंतर्गत कन्या जन्म उत्सव का हुआ आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सोमवार को शासन के निदेर्शानुसार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत प्रत्येक माह के प्रथम एवम तृतीय सोमवार को कन्या जन्म उत्सव मनाए जाने के निर्देश प्राप्त हुए है जिसके क्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय कुमार सोनी के निर्देशन के क्रम में सोमवार को कन्या जन्म उत्सव का आयोजन महिला चिकित्सालय गाजीपुर मे किया गया जिसमें 12 बच्चियों के जन्म पर केक काटकर हर्षोल्लास के साथ कन्या जन्म उत्सव मनाया गया, कार्यक्रम में बालिकाओं की माताओं को, हिमालया बेबी किट, तोलिया एवं मिष्ठान देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित समस्त विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया, कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, महिला शक्ति केंद्र से जिला समन्वयक, शिखा सिंह गौतम जिला समन्वयक, लक्ष्मी मौर्य व आशा बहने मौजूद रहे।

तीन राज्यों में मिली हार ने कांग्रेस का गेम बिगाड़ा

जेडीयू की मांग, इंडिया गठबंधन व कांग्रेसी नीतीश के अनुसार चले

नई दिल्ली। राजस्थान, मप्र और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन को लेकर अब जनता दल यूनाइटेड ने उस पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। जेडीयू के प्रदेश महासचिव निखिल मंडल ने एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कांग्रेस पर हमला बोला है और कहा कि अब 'इंडिया गठबंधन' को नीतीश कुमार के अनुसार चलना चाहिए। कांग्रेस पर तंज कसते हुए निखिल मंडल ने कहा कि पिछले कुछ समय से कांग्रेस पांच राज्यों के चुनावों में व्यस्त रही जिसके वजह से इंडिया गठबंधन पर ध्यान नहीं दे पा रही थी और अब तो कांग्रेस चुनाव लड़ भी चुकी है और नतीजे भी सबके सामने हैं। निखिल मंडल ने कहा कि नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन के सूत्रधार हैं और वही इस नैया को पार करा सकते हैं।

बता दें कि रविवार को राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के विधानसभा चुनावों नतीजे घोषित हुए हैं। इनमें से तीन राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बन रही है। जबकि तेलंगाना में कांग्रेस ने बीआरएस को पटखनी दी है। छत्तीसगढ़ के नतीजे सबसे ज्यादा चौंकाने वाले हैं, क्योंकि ज्यादातर प्री-पोल और एग्जिट पोल सर्वे में यहां कांग्रेस की वापसी की संभावना जताई गई थी। लेकिन वास्तविक नतीजे अब सबके सामने हैं।

खड़गे ने 6 दिसंबर को दिल्ली में बुलाई 'इंडिया गठबंधन' की बैठक

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चुनाव परिणाम वाले दिन ही विपक्षी दलों के नेताओं से फोन के जरिए संपर्क किया और 6 दिसंबर को नई दिल्ली में 'इंडिया गठबंधन' की अगली बैठक के लिए उन्हें आमंत्रित किया। यह बैठक राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में हुए चुनाव के नतीजे आने के कुछ दिन बाद होगी। इसलिए, विपक्षी गठबंधन की अगली बैठक महत्वपूर्ण है, क्योंकि 3 दिसंबर के नतीजे अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों के परिणाम के बारे में संकेत भी दे रहे हैं।

उद्धव की मेजबानी में मुंबई में हुई थी इंडिया ब्लॉक की पिछली बैठक

'इंडिया' यानी इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस कांग्रेस के नेतृत्व वाले बड़े-बड़े क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का गठबंधन है। इसका गठन 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से मुकाबला करने के लिए किया गया था। इसका गठन जुलाई 2023 में बेंगलुरु में विपक्षी पार्टियों की बैठक के दौरान किया गया था। पिछली विपक्षी बैठक की मेजबानी शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने की थी और इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी और पांच राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित थे।

लोकसभा या विधानसभा? चुनाव जीतने वाले बीजेपी सांसदों को अब 14 दिन में लेना होगा फैसला

नई दिल्ली। चार राज्यों के विधानसभा चुनाव की तस्वीर लगभग साफ हो गई है। इनमें से मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में बीजेपी सरकार बनाने जा रही है। 2018 के चुनाव में बीजेपी ने इन तीनों ही राज्यो में भाजपा हार गई थी। हालांकि, बाद में ज्योतिरादित्य सिंधिया की मदद से मध्य प्रदेश में सत्ता वापसी करने में कामयाब हो गई थी। इन राज्यों में बीजेपी ने इस बार नया प्रयोग किया था। चार राज्यों में बीजेपी ने लोकसभा सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों को भी टिकट बांटे थे। चार राज्यों में बीजेपी ने 21 सांसदों को मैदान में उतारा था। 7-7 सांसद राजस्थान और मप्र, 4 छग और 3 तेलंगाना में उतारे थे। इन सांसदों में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद सिंह पटेल और फग्गन सिंग कुलस्ते भी हैं। इन विधानसभा चुनाव जीतने वाले सांसदों को अगले 14 दिनों के भीतर अपनी एक सीट छोड़नी पड़ेगी।संविधान विशेषज्ञ और लोकसभा के पूर्व महासचिव पीडीटी अचारी ने न्यूज एजेंसी को बताया कि अगर 14 दिन के भीतर अपनी एक सीट नहीं छोड़ी तो उन्हें अपनी संसद की सदस्यता गंवानी पड़ सकती है।

पर ऐसा क्यों?

- संविधान के अनुच्छेद 101(2) के मुताबिक, अगर कोई लोकसभा का सदस्य विधानसभा का चुनाव लड़ता है और जीत जाता है तो उसे नोटिफिकेशन जारी होने के 14 दिन के भीतर किसी एक सदन से इस्तीफा देना होता है। इसी तरह अगर किसी विधानसभा का सदस्य लोकसभा का सदस्य बन जाता है तो उसे भी 14 दिन के भीतर इस्तीफा देना होता है। ऐसा नहीं करने पर उसकी लोकसभा की सदस्यता अपने आप खत्म हो जाती है।
- इसी तरह अगर कोई लोकसभा का सदस्य राज्यसभा का सदस्य भी बन जाता है तो उसे नोटिफिकेशन जारी होने के 10 दिन के भीतर एक सदन से इस्तीफा देना होता है। संविधान के अनुच्छेद 101(1) और रिप्रेजेंटेटिव्स ऑफ पीपुल्स एक्ट की धारा 68(1) में इसका प्रावधान है।
- वहीं, अगर कोई व्यक्ति दो लोकसभा सीट से चुनाव लड़ता है और दोनों ही जगह से जीत जाता है तो उसे नोटिफिकेशन जारी होने के 14 दिन के भीतर किसी एक सीट से इस्तीफा देना होता है। यही बात विधानसभा चुनाव में भी लागू होती है। दो सीट से जीतने पर कोई सीट 14 दिन के भीतर छोड़नी पड़ती है।

लोकसभा सदस्य तो विधानसभा की शपथ नहीं ले सकते

चुनाव खत्म होने के बाद चुनाव आयोग विजयी उम्मीदवार को नोटिफेशन जारी करता है। परंपरा के अनुसार लोकसभा सदस्य रहते हुए विधायक पद की शपथ ग्रहण नहीं कर सकते। अगर ऐसा करते हैं तो उन्हें लोकसभा स्पीकर को इसकी सूचना देनी होगी। अगर उन्होंने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया है तो नोटिफिकेशन जारी होने के 14 दिन बार उनकी सदस्यता अपने आप ही खत्म हो सकती है।

हमें ऐसे नतीजों की उम्मीद नहीं थी, शरद पवार ने 'इंडिया' गठबंधन को लेकर की बड़ी टिप्पणी

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि चार राज्यों में विधानसभा चुनावों के नतीजों का इंडिया ब्लॉक पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, जिसमें कांग्रेस के नेतृत्व में 25 से अधिक विपक्षी दल शामिल हैं। अब तक हुई मतगणना के बाद यह स्पष्ट हो रहा है कि भारतीय जनता पार्टी राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस से सत्ता छीनने और मध्य प्रदेश में इसे बरकरार रखने के लिए तैयार दिख रही है। तेलंगाना की 199 सीटों में से 65 सीटों पर कांग्रेस आगे चल रही है, जबकि पिछले 10 साल से राज्य पर शासन कर रही भारत राष्ट्र समिति 39 सीटों पर आगे है। पवार ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इसका भारत गठबंधन पर कोई प्रभाव पड़ेगा। हम दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर बैठक करेंगे। हम उन लोगों से बात करेंगे जो जमीनी हकीकत जानते हैं। केवल बैठक के बाद हम इस पर टिप्पणी करने में सक्षम होंगे।

स्वीकार करना होगा कि मौजूदा रुझान भाजपा के पक्ष में हैं

राकांपा प्रमुख और विपक्षी नेता ने कहा कि हमको यह स्वीकार करना होगा कि मौजूदा रुझान भाजपा के पक्ष में हैं। हमें इस तरह के नतीजों की उम्मीद नहीं थी। दक्षिणी राज्य में के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस कांग्रेस से पिछड़ रही है, इस पर पवार ने कहा कि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। शरद पवार ने दावा किया कि पहले यह माना गया था कि तेलंगाना बीआरएस को बरकरार रखेगा। हालांकि, राहुल गांधी की रैली के बाद, जिसे भारी प्रतिक्रिया मिली, हमें एहसास हुआ कि राज्य में बदलाव होगा। शरद पवार की राकांपा इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) का हिस्सा है, जिसका गठन 2024 के लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ भाजपा से मुकाबला करने के लिए किया गया था। नवंबर महीने में छत्तीसगढ़ (7 और 17), मिजोरम (7), मप्र (17), राजस्थान (25) और तेलंगाना (30) में विधानसभा चुनाव हुए थे। इनमें से चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे रविवार को घोषित हुए और तीन में भाजपा की जीत हुईहै।

मिजोरम विस चुनाव के 40 सीटों के नतीजे आज

आईजोल। मिजोरम विधानसभा चुनाव के नतीजे सोमवार, 4 दिसंबर को जारी किए जाएंगे। पहले नतीजे मध्य प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के साथ 3 दिसंबर को घोषित किए जाने थे, लेकिन चुनाव आयोग ने मिजोरम के लिए मतगणना की तारीख में संशोधन किया है। पूर्वोत्तर राज्य में विधानसभा की 40 सीटें हैं. इस बार राज्य में कुल 174 उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतरे हैं. यहां 7 नवंबर को सभी 40 सीटों पर मतदान कराया गया था। सात नवंबर को एक चरण में हुए थे मतदानः आपको बता दें कि मिजोरम की 40 विधानसभा सीटों के लिए एक चरण में सात नवंबर 2023 को मतदान हुए थे। मिजोरम सरकार का कार्यकाल 17 दिसंबर 2023 को खत्म होना है।

चुनाव आयोग ने तेलंगाना के डीजीपी को किया सस्पेंड

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत को बधाई देना पड़ा महंगा

हैदराबाद। चुनाव आयोग ने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के लिए तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अंजनी कुमार के निलंबन का आदेश दिया है। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी रविवार को दी।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, तेलंगाना के डीजीपी ने राज्य पुलिस नोडल अधिकारी संजय जैन और नोडल (व्यय) अधिकारी महेश भागवत के साथ हैदराबाद में विधानसभा चुनाव के उम्मीदवार और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर मुलाकात की थी। डीजीपी ने उन्हें गुलदस्ता भी भेंट किया था। विधानसभा चुनाव के लिए जारी मतगणना के बीच डीजीपी की इस मुलाकात पर चुनाव आयोग ने एक्शन ले लिया और उन्हें निलंबित करने का आदेश दिया।

राजस्थान में सीएम पद की दौड़: बालकनाथ और दीया कुमारी में कौन कितना भारी

नई दिल्ली। राजस्थान में बीजेपी ने लैंडस्लाइड विक्ट्री दर्ज की है। कांग्रेस की इतनी बड़ी हार का अंदाजा ग्राउंड पर काम करे लोगों को भी नहीं था। यह क्यों और कैसे हुआ इस पर अलग-अलग मत हो सकते हैं, पर इतना तय है कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्?मे की ही जीत मानी जाएगी। स्थानीय स्तर पर किसी भी नेता को फेस नहीं बनाया गया था। इसलिए मुख्यमंत्री पद के दावेदार भी बहुत हैं। पर भारतीय जनता पार्टी किसी को मुख्यमंत्री घोषित करने से पहले 2024 के लोकसभा चुनावों को भी ध्यान में रखेगी। बीजेपी की पूरी रणनीति इस समय कुछ महीनों बाद होने वाले लोकसभा चुनावों पर ही केंद्रित है। इस बीच बहुत से नाम सीएम पद के दावेदारों के लिए जा रहे हैं पर जिन दो नामों की चर्चा सबसे ज्यादा है उनमें हैं जयपुर राजघराने की राजकुमारी दीया कुमारी और योगी बालकनाथ।ये दोनों लोकसभा सदस्य हैं ।

एआईएमआईएम का जादू फिर कायम सातों विधानसभा सीटें रखीं बरकरार

हैदराबाद। तेलंगाना में सत्तारूढ़ बीआरएस की मित्र पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने रविवार को हुई मतगणना के दौरान नौ विधानसभा क्षेत्रों में से सभी सात सीटें बरकरार रखीं। एआईएमआईएम अध्यक्ष और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन औवेसी के छोटे भाई मौजूदा विधायक अकबरुद्दीन ओवेसी ने अपने चंद्रयानगुट्टा क्षेत्र से 81,467 वोटों के बहुमत से जीत हासिल की और अन्य सभी राजनीतिक दलों ने अपनी जमानत जब्त करवा दी। एआईएमआईएम के उम्मीदवार चारमीनार से मीर जुल्फेजर अली, बहादुरपुरा से मोहम्मद मुबीन, मलकपेट से अहमद बिन अब्दुल्ला बलाला, नामपल्ली से मोहम्मद माजिद हुसैन, याकूतपुरा से जाफर हुसैन (जहां राज्य में चुनाव में सबसे कम मतदान दर्ज किया गया है), और कौसर मोहिउद्दीन ने कारवां से अपनी सीटें बरकरार रखीं। हालाँकि पार्टी राजेंद्रनगर (एम स्वामी यादव) और जुबली हिल्स (मोहम्मद रशीद फ़राजुद्दीन) विधानसभा क्षेत्रों में हार गई।

राजस्थान में सबसे बड़ी जीत: सांसद दीया कुमारी 71 हजार 368 वोटों से जीतीं

जयपुर। राजसमंद से भाजपा सांसद दीया कुमारी ने रविवार को राजस्थान विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने विद्याधर नगर में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 71 हजार 368 वोटों से हराया, जो इस बार राज्य में जीत का सबसे बड़ा अंतर है। जयपुर की राजकुमारी की जीत को राजस्थान में भाजपा की बढ़ती लोकप्रियता के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। दीया कुमारी को जहां 1,58,516 वोट मिले, वहीं कांग्रेस के सीताराम अग्रवाल 89,780 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। दीया कुमारी ने अपनी भारी जीत का श्रेय विद्याधर नगर की जनता को दिया। उन्होंने कहा कि यह जीत सिर्फ मेरी नहीं है, बल्कि विद्याधर नगर के सभी निवासियों... हर भाई, बहन और बेटी तथा सभी पार्टी कार्यकर्ताओं की है, जिन्होंने मुझे इस निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की सेवा करने का यह सुनहरा अवसर प्रदान करने के लिए अथक प्रयास किया। मैं विद्याधर नगर के लोगों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं और क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव प्रयास करूंगी।

आज का इतिहास

- 1748: नमकों पर शोध करने वाले फ्रांस के रसायन शास्त्री बर्टले का जन्म।
- 1791: दुनिया का पहला रविवार का अखबार द ऑब्जर्वर लंदन में प्रकाशित।
- 1796: बाजीराव द्वितीय पेशवा नियुक्त।
- 1829: वायसराय लार्ड विलियम बेंटिक ने सती प्रथा समाप्त की।
- 1833: आर्थर तप्पान द्वारा फिलाडेल्फिया में अमेरिकी एंटी-स्लेवरी सोसाइटी गठित की गई।
- 1859: मेकटेब-ए मुल्कियाय स्कूल ओटोमन साम्राज्य में स्थापित किया।
- 1860: गोवा में मारगाव के अगस्टिनो लॉरेंसो ने पेरिस विवि से रसायन विज्ञान में डॉक्टरेट की उपाधि ली।
- 1881: लॉस एंजिल्स टाइम्स का पहला संस्करण प्रकाशित।
- 1952: इंग्लैंड में कोहरे की घनी परत छाने के कारण हजारों लोगों की मौत।

देश की सबसे बड़ी बुद्ध मूर्ति का बोधगया में अनावरण

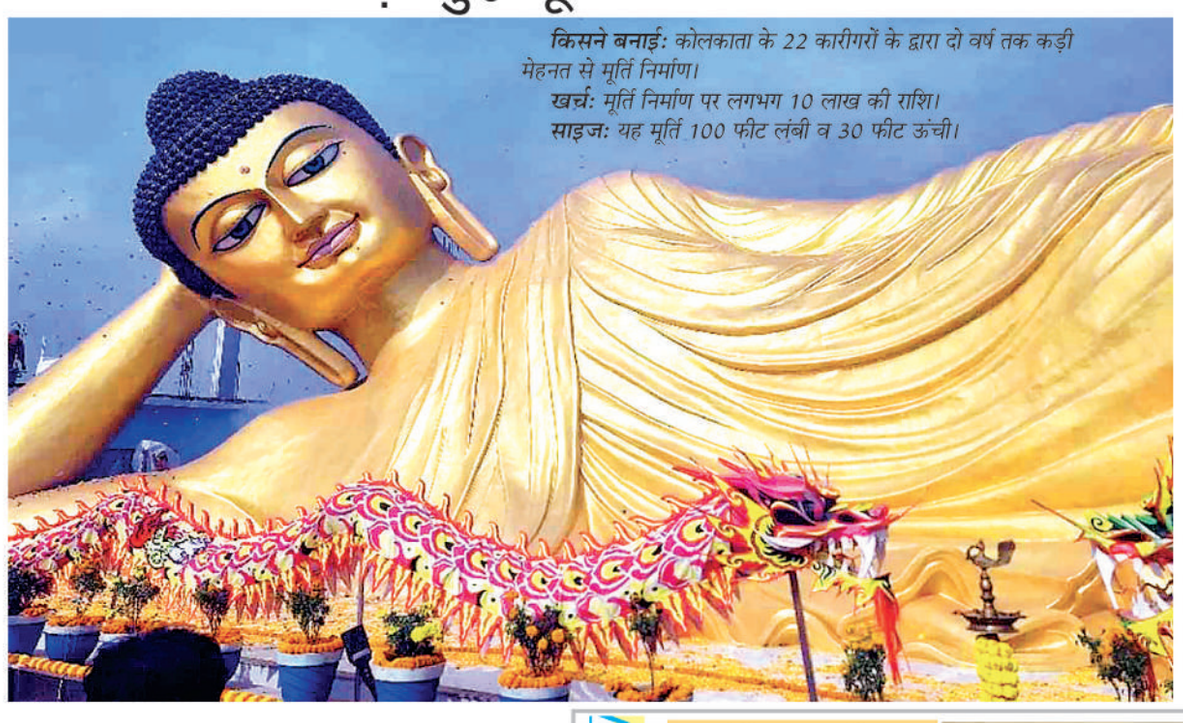

किसने बनाई: कोलकाता के 22 कारीगरों के द्वारा दो वर्ष तक कड़ी मेहनत से मूर्ति निर्माण।
खर्च: मूर्ति निर्माण पर लगभग 10 लाख की राशि।
साइज: यह मूर्ति 100 फीट लंबी व 30 फीट ऊंची।

इजराइल-हमास जंग के बीच लाल सागर में अमेरिकी युद्धपोत पर अटैक

नई दिल्ली। इजराइल और हमास युद्ध के बीच लाल सागर में अमेरिका के एक युद्धपोत और कई कमर्शियल जहाजों पर हमला हुआ है। कहा जा रहा है कि इन जहाजों पर ड्रोन हमला हुआ है। पेंटागन ने इसकी जानकारी दी है।

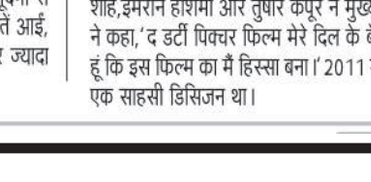

यमन के हौती विद्रोहियों ने बाद में दो जहाजों पर हमले का दावा करते हुए इसे इजरायल से जोड़ा। हालांकि अमेरिकी नौसैनिक पोत पर हमले को स्वीकार नहीं किया। इस हमले को संभावित रूप से मिडईस्ट में समुद्री हमलों के मद्देनजर एक बड़ी घटना के तौर पर देखा जा रहा है। पेंटागन ने बताया कि हम लाल सागर में अमेरिकी युद्धपोत और कमर्शियल पोतों पर हमले की खबरों से वाकिफ है। इस मामले में

अधिक जानकारी आने पर अवगत कराया जाएगा। मैरीटाइम सिक्योरिटी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि लाल सागर में कमर्शियल जहाज पर ड्रोन हमला किया गया। अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, यह हमला सुबह लगभग 10 बजे शुरू हुआ और लगभग पांच घंटों तक हमले होते रहे।

फास्ट ट्रैक कोर्ट के सिविल जज दिनेश कुमार दिवाकर को सुरक्षा

शाहजहांपुर,(ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में तैनात सिविल जज को भी शाहजहांपुर प्रशासन ने सुरक्षा उपलब्ध कराई है सिविल जज के बड़े भाई रवि कुमार दिवाकर ने ज्ञानवापी मस्जिद मामले की सुनवाई की थी। शाहजहांपुर में तैनात सिविल जज सीनियर डिवीजन (त्वरित न्यायालय) दिनेश कुमार दिवाकर ने जिला प्रशासन को एक पत्र के माध्यम से अवगत कराया है कि लखनऊ में उनके आवास के पीछे विगत दिनों एक (पीएफआई) एजेंट को पकड़ा गया था। उनके वड़े भाई रवि कुमार दिवाकर वाराणसी में सिविल जज थे। उन्होंने श्रीमती राखी सिंह बनाम उत्तर प्रदेश सरकार ज्ञानवापी मस्जिद मामले की सुनवाई की थीऔर ज्ञानवापी के सर्वे सहित कई महत्वपूर्ण फैसले दिए है।

कृष्ण जन्मभूमि के वास्तविक गर्भगृह पर मन्दिर निर्माण के लिए फूंका बिगुल

मथुरा। अभा हिन्दू महासभा की राष्ट्रीय, अध्यक्षा राजश्री ने मथुरा में भव्य कृष्ण मन्दिर बनाने के लिए बिगुल फूंकते हुए 6 दिसंबर से शिलापूजन कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा कर दी है।उन्होंने कहा है कि इस मन्दिर का निर्माण मन्दिर के वास्तविक गर्भगृह से शुरू किया जाएगा तथा इसके लिए पहली शिला का पूजन 6 दिसंबर को मथुरा के विश्रामघाट पर किया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्षा ने रविवार को पत्रकारों को बताया कि 6 दिसंबर को ही उन शहीदों के लिए विश्राम घाट पर पिंडदान किया जाएगा जो राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान शहीद हुए थे क्योंकि ऐसा माना जाता है कि मृत व्यक्ति का किसी तीर्थस्थान में पिंडदान करने से उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। उन्होंने बताया कि 6 दिसंबर से ही देश भर में उक्त मन्दिर के लिए शिला पूजन कार्यक्रम की शुरूआत की जाएगी तथा इन शिलाओं को 6 जनवरी से इकट्ठा करने का कार्यक्रम पूरे देश में चलेगा और सभी शिलाएं 6 फरवरी को मथुरा में एकत्र की जाएंगी। इसके बाद किसी शुभ महूर्त में मन्दिर का निर्माण कार्य वास्तविक गर्भगृह से शुरू किया जाएगा यह मुहूर्त देश के जाने माने पंडित निकालेंगे। अभा हिन्दू महासभा का यह कार्यक्रम कुछ वैसा ही है जैसा राम जन्मभूमि मुक्ति के लिए आंदोलन शुरू किया गया था।

फिल्मी तड़का

एनिमल' की सफलता से खुश हैं बॉबी देओल

नई दिल्ली। बॉबी देओल ने बतौर हीरो फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था, लेकिन दर्शक अब उन्हें भारतीय फिल्मों में विलेन का किरदार निभाने वाला नंबर 1 एक्टर मानते हैं। फिल्म 'एनिमल' में बॉबी कम वक्त के लिए नजर आए, फिर भी अपनी दमदार मौजूदगी से दर्शकों का दिल जीत लिया। बॉबी देओल से जब पूछा गया कि विलेन का रोल निभाने में उन्हें किस तरह की दिक्कतें आईं, तो वे बोले, 'मैं एक ऐसा किरदार निभाना चाहता था जो मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर हो। मैं चाहता हूं कि यह और ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो। इससे एक व्यक्ति का बेहतरीन बाहर आता है और मुझे लगता है कि मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ है।

'द डर्टी पिक्चर' को दिल के करीब मानते हैं इमरान हाशमी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी सुपरहिट फिल्म 'द डर्टी पिक्चर को दिल के करीब मानते हैं। मिलन लुथरिया निर्देशित फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' के प्रदर्शन के 12 साल पूरे हो गए हैं। इस फिल्म में विद्या बालन, नसीरुद्दीन शाह,इमरान हाशमी और तुषार कपूर ने मुख्य भूमिका निभायी थी।इमरान हाशमी ने कहा,'द डर्टी पिक्चर फिल्म मेरे दिल के बेहद करीब है। मैं गर्व महसूस करता हूं कि इस फिल्म का मैं हिस्सा बना।' 2011 में 'द डर्टी पिक्चर' जैसी फिल्म बनाना एक साहसी डिसिजन था।

सत्यार्थ प्रकाश

आर्य समाज का महान ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश जिसके रचयिता स्वामी दयानंद सरस्वती जी हैं, में जीवन को सही दिशा में ले जाने के सूत्र हैं और अगर इंसान इसे पढ़े और इसकी शिक्षाओं पर चले तो मानव का कल्याण तो होगा ही बल्कि समाज में भी कुरीतियां दूर होंगी और नैतिक संस्कारों का उजाला होगा। पाठकों की भारी मांग पर इसे प्रस्तुत किया जा रहा है।

जो नियंता है वही ईश्वर है

ये तैंतीस पूर्वोक्त गुणों के योग से देव कहलाते हैं। इनका स्वामी और सबसे बड़ा होने से परमात्मा चौंतीसवां उपास्यदेव शतपथ के चौदहवें कांड में स्पष्ट लिखा है। इसी प्रकार अन्यत्र भी लिखा है। जो ये इन शास्त्रों को देखते तो वेदों में अनेक ईश्वर मानने रूप भ्रम जाल में गिरकर क्यों बहकते ?॥ 1 ॥ हे मनुष्य, जो कुछ इस संसार में जगत है उस सबमें व्याप्त होकर जो नियंता है वह ईश्वर कहलाता है। उससे डरकर तू अन्याय से किसी के धन की आकांक्षा मत कर। उस अन्याय को त्याग और न्यायाचरण रूप धर्म से अपनी आत्मा से आनंद को भोग॥ 2 ॥ ईश्वर सबको उपदेश करता है कि हे मनुष्यो, मैं ईश्वर सबके पूर्व विद्यमान सब जगत का पति हूं। मैं सनातन जगत्कारण और सब धनों का विजय करने वाला और दाता हूं। मुझ ही को सब जीव जैसे पिता को संतान पुकारते हैं वैसे पुकारें। मैं सबको सुख देनेहारे जगत के लिए नाना प्रकार के भोजनों का विभाग पालन के लिए करता हूं॥ 3 ॥ मैं परमेश्वर्यवान सूर्य के सदृश सब जगत का प्रकाशक हूं। कभी पराजय को प्राप्त नहीं होता और न कभी मृत्यु को प्राप्त होता हूं। मैं ही जगत रूप धन का निर्माता हूं। सब जगत की उत्पत्ति करने वाले मुझ ही को जानो। हे जीवो, ऐश्वर्य प्राप्ति के यत्न करते हुए तुम लोग विज्ञानादि धन को मुझसे मांगो और तुम लोग मेरी मित्रता से अलग मत होओ ॥4॥ हे मनुष्यो, मैं सत्य भाषण स्वरूप स्तुति करने वाले मनुष्य को सनातन ज्ञानादि धन को देता हूं।

मैं ब्रह्म अर्थात वेद का प्रकाश करनेहारा और मुझको वह वेद यथावत कहता, उससे सबके ज्ञान को मैं बढ़ाता, मैं सत्पुरुष का प्रेरक, यज्ञ करनेहारे को फल प्रदाता और इस विश्व में जो कुछ है उस सब कार्य को बनाने और धारण करने वाला हूं, इसलिए तुम लोग मुझको छोड़ किसी दूसरे को मेरे स्थान में मत पूजो, मत मानो और मत जानो॥ 5 ॥ यह चजुर्वेद (13/4) का मंत्र है। हे मनुष्यो, जो सृष्टि के पूर्वसब सूर्यादि तेज वाले लोकों का उत्पत्ति स्थान आधार और जो कुछ उत्पन्न हुआ था, है और होगा उसका स्वामी था, है और होगा। वह पृथ्वी से लेकर सूर्यलोक पर्यंत सृष्टि को बना के धारण कर रहा है। उस सुख स्वरूप परमात्मा ही की भक्ति जैसे हम करें वैसे तुम लोग भी करो।

ईश्वरसिद्धि : (पूर्व.) आप ईश्वर-ईश्वर कहते हो, परंतु उसकी सिद्धि किस प्रकार करते हो ?

(उत्तर.) सब प्रत्यक्षादि प्रमाणों से।

(पूर्व.) ईश्वर में प्रत्यक्षादि प्रमाण कभी नहीं घट सकते।

(उत्तर.) यह गोतममहर्षिकृत न्यायदर्शन (1। 1। 4) का सूत्र है। जो श्रोत्र, त्वचा, चक्षु, जिह्वा, घ्राण और मन का शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गंध, सुख, दुख, सत्यासत्य विषयों के साथ संबंध होने से ज्ञान उत्पन्न होता है उसको प्रत्यक्ष कहते हैं, परंतु वह निर्भ्रम हो। अब विचारना चाहिए कि इंद्रियों और मन से गुणों का प्रत्यक्ष होता है गुणी का नहीं।

सोते हुए भी कैसे होश को साधे

उठने, बैठने, बोलने, खाने और सोने में भी हम विश्रृंखलित बने रहते हैं। लयबद्ध नहीं बन पाते हैं। आप पूछ सकते हैं कि हम सोते हुए भी कैसे होश को साधें। समीचीन है प्रश्न। पर जब आप पूरे जीवन में होश को साधते हैं जो निद्रा में भी आप होश पूर्ण बन सकते हैं। भगवान ने कहा, जयं सए कि होश-पूर्वक निद्र लो। स्मरण रखें, यदि जागते हुए आप अपने होश को संभाल पाए तो निद्रा में भी आप अपने होश को गवां नहीं सकते हैं। जब आप सोने के लिए जाते हैं, बिस्तर में लेटते हैं आंखें मूंदते हैं, आपकी ये समस्त क्रियाएं होश-पूर्ण होंगी तो आपकी निद्राभी होश पूर्ण होगी। परंतु आप निद्रा को भी बेहोशी में स्वीकार करते हो। बिस्तर में धंस जाते हो, या तो टीवी देखते हुए या फिर किन्हीं सोच-विचार में उलझे हुए आप निद्राधीन बन जाते हो। ऐसे में आपकी निद्रा बेहोशी की निद्रा बन जाती है। होशपूर्ण निद्रा के लिए आपको होशपूर्वक निद्रा में प्रवेश लेना होगा। निद्रा में प्रवेश लेते आपका चित्त शून्य हो, देह निस्तरंग हो। आप सब ओर से शून्य और शांत हों। ऐसे में आप निद्रा में प्रवेश कीजिए। इस विधि से निद्रित अवस्था में भी आप सजग रहेंगे। होश बड़ी कीमती बात है। होश पूर्वक जीना सीखिए। मात्र चौबीस घंटे के लिए आप होश को साधिए! चौबीस घंटे का होश ही आप पर उस पारलौकिक आनंद की वर्षा कर जाएगा कि आप आनंद-मग्न हो जाएंगे। ऐसे रस और रंग आप पर बरसेंगे कि आप धन्य हो जाएंगे।

मुनि मणिभद्र

स्वीकार भाव : सुखी होने का एक सूत्र है कि हम अविरोधी चित्त से जीना सीख जाएं। हमारे दुख का मूल कारण यह है कि हम जीवन को समग्रता में स्वीकार नहीं कर पाते हैं। कुछ ऐसा है जिसे हम पाना चाहते हैं और कुछ ऐसा ही जिसे हम छोड़ना चाहते हैं। कुछ चीजें हैं जो हमें पसंद हैं और कुछ चीजें हैं जो हमें पसंद नहीं हैं। जो चीजें हमें पसंद नहीं हैं उन्हें हम छोड़ देना चाहते हैं और जो चीजें हमें पसंद हैं उन्हें हम पाने की कामना करते हैं। इसे ऐसे भी कहा जा सकता है कि जो मनोज्ञ है उसे हम पाना चाहते हैं और जो अमनोज्ञ है उसे हम अपने से दूर कर देना चाहते हैं। ऐसा न केवल हम चाहते हैं बल्कि उसके लिए श्रम भी करते हैं, पसीना बहाते हैं। असफल होने पर दुखी भी होते हैं। सफल होने पर सुखाभास भी पाते हैं। परंतु यह एक ऐसा बीहड़ है जिस पर न पथ है और न ही मंजिल है। हमारे कदम उस बीहड़ पर लहुलुहान हो जाते हैं। परंतु हम पाते हैं कि मनोज्ञ की प्राप्ति और अमनोज्ञ की विरक्ति जहां की तहां खड़ी है। प्रथम कदम पर जिस पीड़ा और असंतोष से हम भरे हुए थे एक सुदीर्घ यात्रा के बाद भी, एक सघन श्रम के बाद भी हमारी पीड़ा और हमारा असंतोष बढ़ा ही है, न्यून नहीं बना है। न्यून बन नहीं सकता।

व्रत एवं त्योहार दिसंबर 2023

पर्व	तिथि	वार
मघा सप्तमी	4 दिसंबर	सोमवार
महाकाल भैरव अष्टमी	5 दिसंबर	मंगलवार
बुध नवमी	6 दिसंबर	बुधवार
भद्रा दशमी	7 दिसंबर	गुरुवार
उत्पन्ना एकादशी (ससियो)	8 दिसंबर	शुक्रवार
उत्पन्ना एकादशी (वैश्णव)	9 दिसंबर	शनिवार
प्रदोष (द्वादशी वृद्धि)	10 दिसंबर	रविवार

महाकाल भैरव अष्टमी

5 दिसंबर को महाकाल भैरव अष्टमी पड़ रही है। भगवान शिव ने जब रूद्र अवतार लिया था तो इसे कालभैरव के नाम से जाना गया। यह बटुक भैरव जो शिव का बालरूप है तथा सौम्य रूप जो दंडनायक है के दो रूपों में स्थापित है। मार्घशीष माह की अष्टमी तिथि 4 दिसंबर की रात शुरू हो जायेगी लेकिन भैरव अष्टमी 5 दिसंबर की ही मानी जायेगी। अत: भगवान शिव की पूजा श्रद्धा अनुसार की जानी चाहिए। घर में पूजा के बाद मंदिर में भी प्रसाद चढ़ाना चाहिए इससे भगवान शिव का रूद्र अवतार फलवती होता है।

जो कामनाओं का करे त्याग...

भोगों की कामना करनेवाला शान्ति नहीं पाता ।।

दोहा - किन्तु भोग प्रारब्ध वश, प्राप्त समय अनुसार।
कर सकते उत्पन्न नहिं, अंत:करण विकार ।।
स्थित प्रज्ञ निरंतर, परमानंद स्वरूप भोग समाहित हों सकल, होकर के

सम्बन्ध-स्थित प्रज्ञ कैसे चलता है-इस प्रश्न के उत्तर का उपसंहार । जो मनुष्य सभी कामनाओं को त्यागकरके ममता रहित, अहंकार रहित और स्पृहारहित हुआ विचरण करता है उसी को शान्ति प्राप्त होती है ।।

प्यारे लाल त्रिवेदी

सम्बन्ध-कामना, अहंता आदि से रहित होने पर क्या स्थिति होती है?

हे पार्थ ! यह ब्रह्म को प्राप्त हुए पुरुष की स्थिति है। इसे ब्राह्मी स्थिति कहते हैं। इसको प्राप्त करके साधक कभी मोहित नहीं होता। यदि अन्तकाल में भी इस ब्राह्मी यदि साधक स्थिति में स्थित है, तो उसे निर्वाण ब्रह्म अर्थात परम शांति प्राप्त होती है।

दोहा-यह स्थिति उस पुरुष की, पार्थ ब्रह्म को प्राप्त
इस स्थिति में पुरातन, होता मोह समाप्त मृत्यु से
तनिक पूर्व यदि, यह स्थिति हो जाय तदपि ब्रह्म
निर्वाण की, उसे प्राप्ति हो जाय॥

श्रीमद्भगवद् गीता - सुगम हिंदी व्याख्या

कर्मयोग में दो बातें मुख्य हैं- 1.कर्तव्य-कर्मों का आचरण और 2. कर्तव्य-कमों के विषय में विशेष जानकारी। इस अध्याय में कर्तव्य कर्मों के विषय में जानकारी तो है परन्तु कर्तव्य-कर्मों के आचरण की बात मुख्य है।

सम्बन्ध - अर्जुन प्रश्न करते हैं।

अर्जुन बोले-हे जनार्दन! यदि आप ज्ञान को कर्म की अपेक्षा श्रेष्ठ मानते हैं तो फिर हे केशव! मुझे घोर कर्म में क्यों लगाते हैं?।

आप अपने मिले हुए वचनों से मेरी बुद्धि को मानो मोहित कर रहे हैं। अतएव ऐसी एक बात को निश्चित करके कहिये जिससे मेरा कल्याण हो जाय ।।2 ।।

दोहा- सुनी कर्म की प्रशंसा, किन्तु सकाम निकृष्ट।
पुन: कर्म से ज्ञान की, महिमा अधिक विशिष्ट ।
आशय जो भगवान का, समझ न सका यथार्थ।
मोह मिटाने के लिये, किया प्रश्न तब पार्थ ।।

सम्बन्ध - भगवान का उत्तर ।

श्रीभगवान् बोले - हे निष्पाप अर्जुन ! इस लोक में 2 प्रकार की निष्ठा मेरे द्वारा पहले कही गयी है, ज्ञानियों की ज्ञान योग से और योगियों की निष्काम कर्म योग से 1

तब बोले भगवान ये वचन- पाप रहित हे कुन्तीनन्दन पराकाष्ठा-कहते उसे योग की निष्ठा समझाया- दो प्रकार की है बतलाया साधन की जो पहले निष्ठा को ज्ञानी जन की ज्ञान योग से -अरुयोगी की कर्मयोग से।

कर्मों का आरम्भ किये बिना मनुष्य न तो निष्कर्मता को प्राप्त कर सकता है और न कर्मों के केवल त्यागमात्र से सिद्धि को ही प्राप्त कर सकता है ।।

दोहा - **कर्मयोग में कर्म का, करना है अनिवार्य।**
बिना कर्म फल लालसा, शास्त्र विहित कर्तव्य।
करे कर्म इस भांति जो, वह निष्काम मनुष्य।

किसी भी अवस्था में कोई भी मनुष्य नि:सन्देह बिना कर्म किये क्षण भर भी नहीं रह सकता क्योंकि सभी मनुष्य प्रकृति के वशीभूत प्रकृतिजन्य गुणों द्वारा कर्म कर के लिये विवश हैं ।।

जाग्रत स्वप्न सुषुप्ति मूर्च्छा-स्वेच्छा से अथवा बिनु इच्छा कर्म ज्ञान अरु भक्ति उपासक-कोई हो योगी मुनि साधक प्रकृति जन्य यह गुण जो सारे- इनके वश सब जीव बेचारे प्रकृति में जब तक स्थित रहते-परवश कर्मों को सब करते प्राणी जब तक जीवित रहता-कर्म किये बिनु रह नहिं सकता साँख्य योग में सिद्धि मिले तब-कर्तापन का भाव मिटे जब कर्म त्याग केवल स्वरूप से- आवश्यक नहिं मुख्य रूप से केवल कर्म मात्र त्यागी को-मिलती नहीं सिद्धि योगी को

अतएव जो मूढ़बुद्धि पुरुष समस्त इन्द्रियों को हठपूर्वक रोककर मन से इन्द्रियों के भोगों का चिन्तन करता रहता है, वह मिथ्याचारी अथवा दम्भी कहा जाता है।।6 ।।

सत्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

निरंकारी बाबा हरदेव सिंह

धर्म को बदनाम मत करो

यह अपना, वह पराया, मैं ऊंचा, यह नीचा, मेरा मजहब ऊंचा, उसका नीचा, मेरा पैगम्बर ऊंचा, उसका नीचा, वह ऐसे छोटे दायरों में बंध जाता है। संस्कृतियों के लिहाज से, प्रांतों के लिहाज से, इसकी वही संकीर्ण सोच बन जाती है। फिर वह वैर, ईर्ष्या और नफरत की आग में जलते हुए दूसरों पर जुल्म ढाता है, वातावरण को दूषित करता है और चारों तरफ मातम फैलाता है। इससे धर्म तो बदनाम होता ही है, मानव जाति भी कलंकित होती है। महापुरुषों, संतों, गुरु-पीर-पैगम्बरों की समदृष्टि रही है। इसीलिए 'सबका भला करो भगवान, सबका सब विधि हो कल्याण' जैसी प्रार्थनाओं का सृजन हुआ। जब 'सब' शब्द का इस्तेमाल होता है तो औरत है या मर्द है, काले रंग का है या गोरे रंग का है, पगड़ी वाला है या टोपी वाला है, चाहे किसी संस्कृति का हो, चाहे कोई भी भाषा बोलता हो, हर कोई उस 'सब' के दायरे में आ जाता है। दातार कृपा करे, सबको ऐसी जागृति प्रदान करे ताकि सभी जहां अपनी आत्मा का कल्याण करें, वहीं इस जीवन के सफर को एकत्व के भाव से युक्त होकर तय करते चले जाएं। सभी इंसान मालिक की पहचान कर सही मायने में भक्ति के रंग में रंग जाएं, जाति-पाति के बंधन से ऊपर उठकर परमात्मा के साथ नाता जोड़ें और नफरत, घृणा, वैर जैसी भावनाओं को प्रबल न होने दें। इंसान का जीवन कुछ वर्षों के दायरे में बंधा है। कोई पचास वर्ष जी लेता है, कोई सत्तर वर्ष, कोई सौ-सवा सौ वर्ष जी लेता है लेकिन उसके आगे नहीं जा पाता है। उम्र के साथ-साथ हुकूमतें, दौलतें और शोहरत सभी दायरे में बंधे हैं, और तो और चेहरों की खूबसूरतियां भी दायरे में बंधी हैं।

हमें 'मैं' से दूर रहना होगा

मैं दुखी-सुखी हूं, मैं विद्वान हूं इत्यादि ये सारे धर्म सूक्ष्म शरीर के हैं, किंतु भ्रांति करके 'मैं' में अर्थात मुझे चेतन आत्मा में प्रतीत होते हैं।

निवेदन : कारण शरीर 'मैं' का वाच्यार्थ कैसे?

मार्गदर्शन : मैं अमुक व्यक्ति या वस्तु को नहीं जानता, यह न जानना धर्म अज्ञान का द्योतक है और अज्ञान तो कुछ कहता नहीं, किंतु भ्रांति करके इस न जाननेपन, अज्ञान के धर्म को चेतन आत्मा अपने में स्वीकार करता है, इसलिए अज्ञान को भी 'मैं' का वाच्यार्थ कहा है।

निवेदन : नाम, जाति, आश्रम, पद व संबंध में 'मैं' की प्रतीति कैसे?

मार्गदर्शन : मैं देवदत्त हूं, मैं ब्राह्मण हूं, मैं गृहस्थी हूं, मैं तहसीलदार हूं, मैं पत्नी, पति, चाचा, मामा आदि हूं।

निवेदन- पारमार्थिक सत्ता क्या है? और उसमें अहं की प्रतीति कैसे?

मार्गदर्शन : चेतन आत्मा ही पारमार्थिक सत्ता है, जिससे व्यावहारिक सत्ता व प्रातिभासिक सत्ता की भी सिद्धि होती है। जिस चेतन आत्मा के बिना न शरीर अपने को सिद्ध कर सकता है और न नाम, जाति, आश्रम, पद, संबंध आदि ही अपने को सिद्ध कर सकते हैं, जो सबको सिद्ध करता है वह स्वयं सिद्ध है। वही चेतन तत्व शुद्धात्मा है, वही आत्मा तुम हो। वही आत्मा मैं हूं। वही आत्मा पारमार्थिक सत्ता है। (सोऽहमस्मि तत्वमसि)

निवेदन : आत्मा में निष्ठा कैसे हो?

मार्गदर्शन : दृढ़ अपरोक्ष आत्मज्ञान से।

निवेदन : दृढ़ अपरोक्ष आत्मज्ञान कैसे हो?

मार्गदर्शन : साधन चतुष्टय, (विवेक, वैराग्य, षड्संपत्ति, मुमुक्षता) सहित सत्पुरुषों व सत्-शास्त्रों द्वारा आध्यात्मिक विचार करने से।

निवेदन : विचार कैसे करें?

लोभ हमें निरंकुश कर देता है

आसक्ति है, जो हमसे कुकर्म कराती है, लोभ है जो हमें निरंकुश कर देता है। जो पदों पर बैठता है उनकी परीक्षा होती है। यह परीक्षा हालात और समाज लेते हैं। जीवन में प्रगति के शिखर पर पहुंचना चाहिए, लेकिन नैतिक मूल्यों को ताक पर रखकर नहीं। सबकुछ हासिल करने के लिए कुछ भी करना ठीक नहीं। यही वो प्रवृत्ति है, जो मन को बेचौन करती है। अपनी आत्मा को कुकर्मों के बोझ से मत दबाओ। हम सब कर्मकांड करते हुए अपनी-अपनी पूजा-पद्धतियों के माध्यम से ईश्वरोपासना करते हैं, लेकिन क्या केवल इस पूजा-पाठ से ही ईश्वर प्रसन्न होते हैं? बाहर की पूजा के साथ-साथ मानसिक पूजा भी होनी चाहिए यानी जिसमें आप स्वयं सम्मिलित हो गए। कई बार लोग कहते हैं- दीदी मां, दो मिनट को भी हमारा मन पूजा में नहीं

दीदी मां ऋतंभरा

लगता। मेरा कहना है कि चौबीसों घंटे जगत में भटक सकते हो, लेकिन दो मिनट के लिए दत्त चित्त होकर मंदिर में नहीं बैठ सकते? क्यों? क्योंकि मन के अंदर प्रभु के लिए प्रीति की प्रबलता नहीं है। तीन घंटे सिनेमा हाल के अंदर पर्दे पर आंखें गड़ाए रह सकते हो, घर फोडू सीरियलों को घंटों बैठकर देख सकती हो लेकिन मां भगवती के चरणों में बैठने पर बेचैनी होती है। इसका अर्थ है कि आपके जीवन के जो पाप हैं, दुष्प्रवृत्तियां हैं वो आपको शुभ जगह पर टिकने नहीं देते, इसलिए योग्यता अर्जित करना, अधीर होकर प्रभु को पुकारना। ऐसी पुकार जो हमें उनको पाने के लिए व्याकुल कर सके। बरसात में जैसे कोई टूटी हुई छत टपकती है न ऐसे ही हमारी आंखें टपकती हैं जब कोई अपमान कर देता है हमारा लेकिन हे नाथ, ऐसी कृपा कर दो कि अब किसी मान-अपमान में नहीं बल्कि आपके ध्यान में इन आंखों से आंसू बह निकलें। अपनी तमाम पूजा-पद्धतियों के बीच क्या कभी कोई ऐसा क्षण भी आता है जब हमें अपने ईश्वर के प्रति अहोभाव आता हो? हमारे पास बेशक सुख-साधन नहीं हैं लेकिन हे प्रभु, तुमने मुझे स्वस्थ शरीर का मालिक बनाया, क्या यह सोचकर परमात्मा की कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कभी हमारी आंखें भीगती हैं? कृतज्ञता का यह भाव ही वह सच्ची आराधना है जो हमें ईश्वर से जोड़ती है।

सनातन धर्म में अगहन माह का है विशेष महत्व

हिंदी महीना कार्तिक माह खत्म हो चुका है। वहीं 28 नवंबर से अगहन माह की शुरूआत हो चुकी है। इस बार 26 दिसंबर तक अगहन मास चलेगा। बता दें कि हिंदू धर्म में अगहन माह का विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक पुराणों के मुताबिक अगहन माह में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का ज्ञान दिया था। श्रीराम का सीताजी से और भगवान शिव का माता पार्वती से मार्गशीष माह में विवाह भी संपन्न हुआ था। आपको बता दें कि भगवान श्रीराम और माता सीता का विवाह अगहन माह की शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन त्रेतायुग में हुआ था। वहीं इस बार 17 दिसंबर को अगहन माह की पंचमी तिथि पड़ रही है। अगहन माह की पंचमी को भगवान श्रीराम और माता सीता के विवाह होने के चलते विवाह पंचमी भी कहा जाता है। इसके अलावा मार्गशीर्ष महीने में भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती का भी विवाह हुआ था। शिव पुराण के रुद्र संहिता में इस बात का विस्तार से उल्लेख मिलता है। शिव पुराण में उल्लेखित महीना और तिथि के हिसाब से इस साल 29 नवंबर यानी बुधवार को भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह का दिन पड़ रहा है। हिंदू पंचांग का नौवा महीना अगहन का होता है, यह महीना भगवान श्री कृष्ण को समर्पित होता है।

स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज

देश भर में अपनी अमृत धारा से सत्य की अनुभूति देशवासियों को कराने वाले राष्ट्र संत गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के सौजन्य से लाखों लोग लाभ उठा रहे हैं उनके प्रवचनों पर आधारित यह ज्ञान गंगा पाठकों का कल्याण करेगी ऐसा विश्वास है।

जिनमें अहंकार था वो तो गए

उस वस्तु में सुख है ही कहां जो आप ऐसा अनुभव कर रहे हैं। तनिक ध्यान दें-कहां गए वे सब राजा-महाराजा? कहां रह गया उनका अहंकार? क्या बना उनका जो अभिमानवश यह कहा करते थे, 'हमारा अस्तित्व संपूर्ण सृष्टि पर राज्य करने के लिए ही है।' कहां गया वह सिकंदर जिसे महान कहा जाता था और जिसने सारी पृथ्वी पर विजय पाने के लिए अवर्णनीय अत्याचार किए, कितनों का खून बहाया? चर्चिल, हिटलर, नैपोलियन या मुसोलिनी किसी को तो नहीं छोड़ा काल ने। संपूर्ण विश्व को अपने वश में करने की इच्छा रखने वाले ये सबके सब काल के सामने एकदम विवश एवं असहाय हो गए। राजाओं-महाराजाओं के सूने पड़े महल आज भी यह संदेश दे रहे हैं, 'ऐ मूढ़ नर, यह दुनिया रहने का स्थान तो है लेकिन दिल लगाने का नहीं, क्योंकि हर जन्म के साथ यहां मृत्यु का पहरा लगा हुआ है। प्रत्येक संयोग-वियोग का दुखद रूप धारण कर लेता है। जो आया है उसे अनिवार्य रूप से सब कुछ यहीं छोड़कर जाना पड़ेगा और वह भी कब, किस घड़ी यह भी अनिश्चित है।' काल हर क्षण सिर पर मंडरा रहा है। कब झपटकर जीवन सफर को खत्म कर दे, कौन जानता है :

यह जीवन सफर क्या अनोखा सफर है,
हर मोड़ पर इसके रहता यह डर है।
खत्म न कहीं हो यह मंजिल से पहले,
लगा काल का पहरा आठों पहर है।

संसार में मन नहीं उलझाओ

संसार में मन लगाकर यह कहना-हाय, ऐसा क्यों हो गया और ऐसा क्यों नहीं हुआ, भयंकर भूल है। संसार द्वंद्वात्मक है। परिवर्तन इसका अपरिवर्तनीय नियम है। इसमें ऐसा-वैसा होता ही रहेगा। सदा परिस्थितियां अनुकूल रहें, यह नितांत असंभव है। इनमें परिवर्तन आएगा, आकर ही रहेगा। प्रतिकूल होने पर दुनिया को शिकवा देते हैं, लेकिन दुनिया हंस देती है हमारी मूर्खता पर, यह कहते हुए कि मेरा तो स्वभाव ही ऐसा है।

फजाइले अमाल

हजरत कुछ तनावुल ही नहीं फरमाते

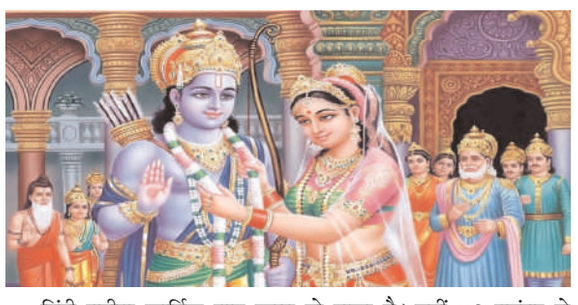

कोई खादिम अर्ज भी करता तो फरमाते कि भूख नहीं होती। दोस्तों के ख्याल से साथ बैठ जाता हूं और इससे बढ़कर हजरत मौलाना शाह अब्दुर्रहीम साहिब रायपुरी रहमतुल्लाहि अलैहि के मुताल्लिक सुना है कि कई-कई दिन मुसलसल ऐसे ही गुजर जाते थे कि तमाम शब की मिक्दार सहर व इफ्तार बेदूध की चाय के चंद फिंजान के सिवा कुछ न होती थी। एक मर्तबा हजरत के मुख्लिस खादिम हजरत मौलाना शाह अब्दुल कादिर साहिब नव्वरल्लाहु मर्कदहू ने लजाजत से अर्ज किया कि जौफ बहुत हो जाएगा, हजरत कुछ तनावुल ही नहीं फरमाते। बिल खुसूस रमजानुल मुबारक की रातों में बेहतर यह है कि रमजान के खाने में गैर रमजान से कुछ तकलील करे, इसलिए कि इफ्तार व सहर में जो शख्स पेट भरकर खाए उसका रोजा ही क्या है। मशाइख ने कहा कि जो शख्स रमजान में भूखा रहे, आइंदा रमजान तक तमाम साल शैतान के जोर से महफूज रहता है। और भी बहुत से मशाइख से इस बाब में शिद्दत मंकूल है। शरह एह्या में अवारिफ से नकल किया है कि सह्ल बिन अब्दुल्लाहु तस्तरी (रह.) पंद्रह रोज में एक मर्तबा खाना तनावुल फरमाते थे और रमजानुल मुबारक में एक लुक्मा, अलबत्ता रोजाना इत्तिबा-ए-सुन्नत की वजह से महज पानी से रोजा इफ्तार फरमाते थे। हजरत जुनैद (रह.) हमेशा रोजा रखते, लेकिन (अल्लाह वाले) दोस्तों में से कोई आता तो उसकी वजह से रोजा इफ्तार फरमाते और फरमाया करते थे कि (ऐसे) दोस्तों के साथ खाने की फजीलत कुछ रोजे की फजीलत से कम नहीं। और भी सलफ के हजारों वाकिआन इसकी शहादत देते हैं कि वे खाने की कमी के साथ नफ्स की तादीब करतेथे।

भारत ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज में कंगारूओं को 4-1 से रौंदा

आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया को 6 रन से हराया, मैन ऑफ द मैच अक्षर पटेल का दोहरा प्रदर्शन

बेंगलुरु,(एजेंसी)। मैन ऑफ द मैच अक्षर पटेल (31 रन और एक विकेट) के दोहरे प्रदर्शन और श्रेयस अय्यर की धैर्यपूर्ण 53 रनों की अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत ने आखिर मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 6 रन से हराकर पांच मैचों की टी-20 सीरीज 4-1 से अपने नाम की।

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 160 रन बनाए। जबाव में ऑस्ट्रेलिया की टीम आठ विकेट पर 154 रन ही बना सकी। कंगारू टीम की ओर से बेन मैक्डरमोट (36 गेंदों में 54 रन) सबसे ज्यादा रन बनाए। उनके अलावा ट्रेविस हेड ने 28, टिम डेविड ने 17 और मैथ्यू शॉर्ट ने 16 रन का योगदान दिया। भारत के लिए मुकेश कुमार ने तीन, अर्शदीप और रवि बिश्नोई ने दो-दो शिकार किए। अक्षर पटेल को एक विकेट मिला। इससे पहले भारत की ओर से श्रेयस अय्यर ने सर्वाधिक 53 रन बनाए। टॉस गंवाने के बाद पहले बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम के लिए यशस्वी जायसवाल (21) और ऋतुराज गायकवाड़ (10) ने पहले विकेट लिए 33 रन जोड़े। इसके बाद, भारतीय पारी लड़खड़ा गई। एक समय भारत का स्कोर 54 रन पर 4 विकेट था। सूर्यकुमार यादव (5) और रिंकू सिंह (6) का बल्ला नहीं चला। ऐसे में अय्यर और जितेश शर्मा ने मोर्चा संभालते हुए पांचवें विकेट के लिए 42 रन की साझेदारी कर टीम को 150 के पार पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया के लिए बेन ड्वारश्विस और जेसन बेहरेनडॉर्फ ने दो-दो विकेट लिए।

श्रेयस ने लगाया टी-20 करियर का 8वां अर्धशतक

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम टी-20 मैच में भारत के श्रेयस अय्यर ने 37 गेंदों पर 5 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 53 रन बनाए। यह अय्यर के टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 8वां अर्धशतक है। उन्होंने अब तक खेले 51 टी-20 अंतरराष्ट्रीय की 47 पारियों 1,104 रन बनाए हैं। इस प्रारूप में उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 74 रन है।

अर्शदीप के आखिरी ओवर में 10 रन नहीं बना सका ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया को आखिरी ओवर में जीत के लिए 10 रन चाहिए थे। कप्तान मैथ्यू वेड क्रीज पर थे और गेंद अर्शदीप सिंह के हाथ में थी। अर्शदीप सिंह ने पहली गेंद बाउंसर डाली, जिसे अंपायर ने वाइड नहीं दिया। इसके बाद अगली गेंद पर वेड कोई रन नहीं बना सके। तीसरी गेंद पर वेड ने प्रहार किया, लेकिन नाकाम रहे और बाउंड्री पर कैच आउट हो गए। चौथी गेंद पर नए बल्लेबाज जेसन बेहरेनडॉर्फ ने एक रन लेकर स्ट्राइक बदल ली। पांचवीं गेंद के लिए नाथन एलिस एलिस ने सामने की ओर गेंद को मारा, जिसे अर्शदीप ने हाथ से रोक लिया जिससे एलिस को सिर्फ एक रन मिला। आखिरी गेंद पर भी अर्शदीप ने एक रन दिया और भारत को 6 रन से जीत मिली।

रवि बिश्नोई को मिला प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज में 9 विकेट लेने वाले भारत के युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब मिला। इसी के साथ रवि ने रविचंद्रन अश्विन के खास रिकॉर्ड की बराबरी कर ली हैं। एक द्विपक्षीय टी20 सीरीज में भारतीय टीम के लिए सर्वाधिक विकेट हासिल करने का रिकॉर्ड अश्विन के नाम है, जिन्होंने 2016 में श्रीलंका के खिलाफ 9 विकेट अपने नाम किए थे। वहीं अब रवि ने इस सीरीज में 9 विकेट लेकर इस रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

गायकवाड़ ने लगाई रिकॉर्ड की झड़ी

- ऋतुराज गायकवाड़ टी-20 अंतरराष्ट्रीय द्विपक्षीय सीरीज में तीसरे सर्वाधिक रन (223) बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ 231 और केएल राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 224 रन बनाए थे।
- ऋतुराज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में सर्वाधिक (223) रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले मार्टिन गुप्टिल ने 218, कोहली ने 199 और डेवोन कॉनवे ने 192 रन बनाए थे।
- गायकवाड़ टी-20 अंतरराष्ट्रीय में संयुक्त रूप से तीसरे सबसे कम पारियों में 500 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। उन्होंने 19 टी-20 अंतरराष्ट्रीय की 17 पारियों में 500 रन बनाए हैं। इससे पहले राहुल ने 13 पारियों में, कोहली और ईशान किशन ने संयुक्त रूप से 16 पारियों में 500 रन बनाए थे।

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4/6
यशस्वी कै. एलिस बो. बेहरनडॉर्फ	21	15	1/2
ऋतुराज कै. बेहरनडॉर्फ बो. ड्वारश्विस	10	12	2/0
श्रेयस अय्यर बो. एलिस	53	37	5/2
सूर्या कै. मैक्डरमॉट बो. ड्वारश्विस	05	07	0/0
रिंकू सिंह कै. डेविड बो. संघा	06	08	1/0
जितेश शर्मा कै. शॉर्ट बो. हार्डी	24	16	3/1
अक्षर पटेल कै. हार्डी बो. बेहरनडॉर्फ	31	21	2/1
रवि बिश्नोई रनआउट (फिलिपे/वेड)	02	02	0/0
अर्शदीप सिंह नाबाद	02	02	0/0

अतिरिक्त: 6, **कुल:** 20 ओवर में आठ विकेट पर 160 रन, **विकेट पतन:** 1-33, 2-33, 3-46, 4-55, 5-97, 6-143, 7-156, 8-160, **गेंदबाजी:** ऐरन हार्डी 4-0-21-1, जेसन बेहरनडॉर्फ 4-0-38-2, बेन ड्वारश्विस 4-0-30-2, नेथन एलिस 4-0-42-1, तनवीर संघा 4-0-26-1.

ऑस्ट्रेलिया	रन	गेंद	4/6
ट्रैविस हेड बो. बिश्नोई	28	18	5/1
जॉश फिलिपे बो. मुकेश कुमार	04	04	1/0
बेन मैक्डरमॉट कै. रिंकू बो. अर्शदीप	54	36	0/5
ऐरन हार्डी कै. श्रेयस बो. बिश्नोई	06	10	1/0
टिम डेविड कै. आवेश बो. अक्षर	17	17	0/1
मैथ्यू शॉर्ट कै. गायकवाड़ बो. मुकेश	16	11	2/0
मैथ्यू वेड कै. श्रेयस बो. अर्शदीप	22	15	4/0
बेन ड्वारश्विस बो. मुकेश कुमार	00	01	0/0
नेथन एलिस नाबाद	04	06	0/0
जेसन बेहरनडॉर्फ नाबाद	02	02	0/0

अतिरिक्त: 1, **कुल:** 20 ओवर में आठ विकेट पर 154 रन, **विकेट पतन:** 1-22, 2-47, 3-55, 4-102, 5-116, 6-129, 7-129, 8-151, **गेंदबाजी:** अर्शदीप सिंह 4-0-40-2, आवेश खान 4-0-39-0, मुकेश कुमार 4-0-32-3, रवि बिश्नोई 4-0-29-2, अक्षर पटेल 4-0-14-1 .

पहली बार देश के बाहर सजेगी क्रिकेटरों की मंडी

आईपीएल: दुबई में 19 दिसंबर को होगा मिनी ऑक्शन

नई दिल्ली,(एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के अगले संस्करण की नीलामी 19 दिसंबर को दुबई में होगी। बीसीसीआई ने अधिकारिक रूप से ऐलान रविवार को कर दिया हैं।

यह एक मिनी ऑक्शन है, जिस वजह से नीलामी एक दिन में ही समाप्त हो जाएगी। वहीं आईपीएल के इतिहास में ऐसा पहली बार होगा जब नीलामी के लिए खिलाड़ियों की मंडी देश के बाहर सजेगी। आईपीएल के मैच तो इससे पहले देश के बाहर हुए हैं, मगर नीलामी पहली बार विदेशी सरजमीं पर होगी। इस नीलामी के लिए कुल 1166 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया है। वहीं सभी टीमें मिलकर कुल 262.95 करोड़ रुपए 77 खिलाड़ियों पर लुटाएगी। इस मिनी ऑक्शन में कुल 61 खिलाड़ियों ऐसे हैं जिन्होंने अपना बेस प्राइज करोड़ों में रखा है। इनमें से 25 खिलाड़ियों का बेस प्राइज 2 करोड़ रुपए का है। इस ब्रैकेट में मिचेल स्टार्क समेत 7 खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया विनिंग टीम का हिस्सा थे।

वहीं मुंबई इंडियंस द्वारा रिलीज किए गए जोफ्रा आर्चर ने नीलामी में अपना नाम नहीं दिया है। विश्वकप के दौरान अपनी बल्लेबाजी से सभी को चौंकाने वाले न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र की आधार कीमत 50 लाख रुपए है, लेकिन उनके लिए बड़ी बोली लगने की संभावना है। दक्षिण अफ्रीका की नई तेज गेंदबाजी सनसनी गेराल्ड कोएत्जी और खतरनाक बल्लेबाज रासी वान डेर डुसेन भी दो करोड़ रुपए के ब्रैकेट में है।

61 खिलाड़ियों का बेस प्राइस करोड़ों में

2 करोड़ बेस प्राइस: हर्षल पटेल, शार्दुल ठाकुर, उमेश यादव, केदार जाधव, मुजीब उर रहमान, सीन एबॉट, पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मिशेल स्टार्क, स्टीव स्मिथ, मुस्तफिजुर रहमान , टॉम बैंटन, हैरी ब्रुक, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, डेविड विली, क्रिस वोक्स, लॉकी फर्ग्यूसन, गेराल्ड कोएत्जी, रिले रोसौव, रासी वैन डेर डुसेन, एंजेलो मैथ्यूज।

1.5 करोड़ बेस प्राइस: मोहम्मद नबी, मोइजेस हेनरिक्स, क्रिस लिन, केन रिचर्डसन, डैनियल सैम्स, डैनियल वॉरॉल, टॉम करन, मर्चेंट डी लैंग, क्रिस जॉर्डन, डेविड मालन, टाइमल मिल्स, फिल साल्ट, कोरी एंडरसन, कॉलिन मुनरो, जिमी नीशम, टिम साउथी, कॉलिन इनग्राम, वानिंदु हसरंगा, जेसन होल्डर, शेरफेन रदरफोर्ड।

1 करोड़ बेस प्राइज: एश्टन एगर, रिले मेरेडिथ, डी आर्सी शॉर्ट, एश्टन टर्नर, गस एटकिंसन, सैम बिलिंग्स, माइकल ब्रेसवेल, मार्टिन गुप्टिल, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, डेरिल मिशेल, वेन पार्नेल, ड्वेन प्रिटोरियस, अल्जारी जोसेफ, रोवमैन पॉवेल, डेविड विसे।

किस फ्रेंचाइजी के पास कितना पर्स (सभी आंकड़े रुपए में)

गुजरात	हैदराबाद	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली
38.15 करोड़	34.00 करोड़	32.70 करोड़	31.40 करोड़	28.95 करोड़
पंजाब	बेंगलुरु	मुंबई	राजस्थान	लखनऊ
29.10 करोड़	23.25 करोड़	17.75 करोड़	14.50 करोड़	13.15 करोड़

अभिनव चौधरी पुरुष रेपिड फायर राष्ट्रीय चैंपियन बने

भोपाल,(एजेंसी)। राजस्थान के अभिनव चौधरी ने रविवार को राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में पुरुष 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल का खिताब जीता। अभिनव ने एमपी राज्य निशानेबाजी अकादमी रेंज में फाइनल में 30 अंक के साथ उत्तर प्रदेश के अंकुर गोयल को पछाड़ा जिन्होंने 26 अंक जुटाए। दिल्ली के अर्पित गोयल 21 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। अभिनव ने इससे पहले क्वालीफिकेशन में 584 अंक के साथ शीर्ष पर रहते हुए छह निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाई थी। जूनियर पुरुष रेपिड फायर पिस्टल में विजयवीर सिद्धू ने फाइनल में 28 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले हरियाणा के अनीष भानवाला ने 25 अंक के साथ रजत पदक जीता। अनीष (578) ने हालांकि समीर (578) और आदर्श सिंह (571) के साथ मिलकर कुल 1727 अंक के साथ पुरुष टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता।

विजय हजारे ट्रॉफी में मप्र की दूसरी हार

तमिलनाडु ने 17 रनों से दी शिकस्त

थाणे,(एजेंसी)। बाबा इन्द्रजीत की अर्धशतकीय पारी के बाद साई किशोर और वरुण चक्रवर्ती की घातक गेंदबाजी की बदौलत तमिलनाडु ने विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप-ई के मुकाबले में मध्य प्रदेश को 17 रनों से हराया। यह मप्र की छह मैचों में दूसरी हार है। मप्र चार जीत के साथ ग्रप-ई की अंकतालिका में दूसरे पायदान पर हैं।

पहले बल्लेबाज करते हुए तमिलनाडु की टीम 49.5 ओवर में 195 रन पर ऑलआउट हो गई। जबाव में मप्र की टीम 47.4 ओवर में सभी विकेट खोकर 178 रन ही बना सकी। तमिनाडु के लिए बाबा इन्द्रजीत ने सर्वाधिक 92 रन बनाए। इसके अलावा रंजन पॉल 31 रन, साई सुदर्शन 21 और नारायण जगदीशन 16 रन का योगदान ही दे सके। मप्र के लिए राहुल बाथम, सारांश जैन और शुभम शर्मा ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मध्यप्रदेश के लिए रजत पाटीदार में 73 रन की पारी खेली। इसके अलावा कोई भी खिलाड़ी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहा। तमिलनाडु की ओर से साई किशोर और वरुण चक्रवर्ती तीन-तीन विकेट झटके।

प्रेरक मांकड़ के दोहरे प्रदर्शन से जीता सौराष्ट्र

ग्रुप-ए के एक अन्य मैच में सौराष्ट्र ने रेलवे के खिलाफ 8 विकेट से जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए रेलवे की टीम महज 165 रन पर ही सिमट गई। रेलवे की ओर से विवेक सिंह ने 95 रन की पारी खेली। जबाव में सौराष्ट्र ने दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। सौराष्ट्र की जीत में प्रेरक मांकड़ नायक रहे, जिन्होंने गेंदबाजी में 4 विकेट झटके। इसके बाद नाबाद (101 रन) की शतकीय पारी खेली। एक अन्य मैच में आदित्य तारे की शतक की मदद से ग्रुप-सी के मुकाबले में उत्तराखंड ने जम्मू कश्मीर को 5 विकेट से हराया। जम्मू कश्मीर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 283 रन बनाए। जबाव में उत्तराखंड ने पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। आदित्य तारे ने नाबाद 125 रन की शतकीय पारी खेली।

आर्सेनल शीर्ष पर कायम

प्रीमियर लीग: वॉल्वरहैम्पटन को 2-1 से दी मात

लंदन (एजेंसी)। बुकायो साका और मार्टिन ओडेगार्ड के एक-एक गोल की बदौल आर्सेनल ने पहले 13 मिनटों में दो गोल की बदौल्त घरेलू मैदान पर वॉल्वरहैम्पटन वांडरर्स को 2-1 से हराकर प्रीमियर लीग में शीर्ष पर कायम हैं।

बुकायो साका ने छठे मिनट में स्कोरिंग की शुरुआत की और प्रभावशाली मार्टिन ओडेगार्ड ने सात मिनट बाद बढ़त दोगुनी कर दी, जबकि आर्सेनल आगे बढ़ता दिख रहा था। हालांकि, वॉल्व्स ने दिखाया कि वे कोच गैरी ओनील के नेतृत्व में अच्छी तरह से संगठित हैं और पेनल्टी क्षेत्र के मध्य से मैथियस कुन्हा के 86वें मिनट के प्र यास ने एमिरेट्स स्टेडियम में कुछ घबराहट वाले समापन मिनट सुनिश्चित किए। अन्य कीरन ट्रिप्पियर के क्रॉस पर एंथोनी गॉर्डन के 55वें मिनट के गोल ने न्यूकैसल यूनाइटेड को मैनचेस्टर यूनाइटेड पर 1-0 की घरेलू जीत दिला दी। ड्वाइट मैकनील के 67वें मिनट के गोल ने एवर्टन को नॉटिंघम फॉरेस्ट पर 1-0 से जीत दिला दी। बर्नले ने शेफील्ड यूनाइटेड को 5-0 से हराकर सीजन की अपनी पहली घरेलू जीत हासिल की। जे रोड्रिग्ज और जैकब ब्रून लार्सन ने 29 मिनट के बाद स्कोर 2-0 कर दिया और शेफील्ड के लिए हालात तब और खराब हो गए जब ओलिवर मैकबर्नी को बाहर भेजा गया और टीम के 10 खिलाड़ी रह गए।

रामकुमार रामनाथन ने जीता कालाबुरागी ओपन का खिताब

कालाबुरागी,(एजेंसी)। रामकुमार रामनाथन ने रविवार को चंद्रशेखर पाटिल स्टेडियम में आईटीएफ कालाबुरागी ओपन जीतकर 57 दिनों के अंतराल में अपना तीसरा आईटीएफ खिताब जीता।

रामकुमार ने एकतरफा फाइनल में अपने ऑस्ट्रियाई प्रतिद्वंद्वी डेविड पिचलर की चुनौती को 64 मिनट में सीधे सेटों में 6-2, 6-1 से ध्वस्त कर दिया। भारतीय डेविस कप खिलाड़ी को विजेता का चेक 3200 अमेरिकी डॉलर और 25 कीमती एटीपी अंक मिले, जबकि उपविजेता को 2120 अमेरिकी डॉलर और 16 एटीपी अंक मिले। रामकुमार ने पिछले सप्ताह आईटीएफ मुंबई ओपन जीता था। जीत के बाद रामकुमार ने कहा, लगातार खिताब जीतना बहुत अच्छा लग रहा है। मेरा खेल अच्छा चल रहा है। मैंने पिछले दो हफ्तों में अपना कुछ सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेला है। यहां के कोर्ट शुरू में मेरे खेल के अनुकूल नहीं थे, लेकिन मैंने उनसे बहुत जल्दी सामंजस्य बिठा लिया। खचाखच भरे स्टेडियम में घरेलू दर्शकों के सामने खेलते हुए, रामकुमार का पहली सर्विस से पहले ही मनोबल बढ़ गया था।

पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान

अनकैप्ड प्लेयर लांस मॉरिस को मिली जगह

नई दिल्ली,(एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के लिए 14 सदस्यीय स्क्वॉड का ऐलान कर दिया हैं। जिसमें लांस मॉरिस एकमात्र अनकैप्ड प्लेयर हैं।

मॉरिस को एक बार फिर ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट स्क्वॉड में जगह मिली है, ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि उन्हें पर्थ में खेले जाने वाले इस मैच की अंतिम एकादश में मौका मिल सकता है। कैमरून ग्रीन जिन्होंने एशेज के दौरान मिचेल मार्श के कारण अंतिम एकादश में अपनी जगह खोई थी, उन्हें स्क्वॉड में शामिल किया गया है। वहीं चयनकर्ताओं ने टेस्ट क्रिकेट में बतौर विकेट कीपर ऐलेक्स कैरी के साथ जाने का फैसला किया है। स्पेशलिस्ट स्पिनर नाथन लायन चोट से उबरकर वापस टीम में शामिल हो गए हैं। एशेज 2023 के दौरान उनके पैर में चोट लगी थी जिस वजह से वह पूरी सीरीज से बाहर हो गए थे। उनकी कमी पूरी करने वाले टॉड मर्फी को पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में मौका नहीं मिला है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम: पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिच मार्श, लांस मॉरिस, स्टीव स्मिथ, मिच स्टार्क, डेविड वॉर्नर।

एलियास व रोबा बाती ने जीती 37वीं पुणे मैराथन

पुणे,(एजेंसी)। केन्या के केमेई एलियास किप्रोनो और इथियोपिया की रोबा बाती हैलु ने रविवार को 37वीं पुणे अंतरराष्ट्रीय मैराथन जीती। पुणे में 42.195 किमी की आयोजित फुल मैराथन के पुरुष वर्ग में केन्या के केमेई एलियास किप्रोनो ने 2:16.5 के समय और इथियोपिया की रोबा बाती हैलू ने महिला वर्ग में 3:11:04 मिनट के साथ जीत दर्ज की।

पुरुषों की फुल मैराथन में केन्या के साइमन मैना म्वांगी 2:17.4 समय और इथियोपिया की एडेरे नेगाश हैलू 2:19.1 समय के साथ क्रमशः पहले और दूसरे उपविजेता रहे। वहीं महिला वर्ग फुल मैराथन में भारत की मनीषा जोशी 3:32:20 के समय और डिस्केट डोल्मा 3:36:12 के समय प्रथम और द्वितीय उपविजेता रहीं। इस मैराथन में 12 हजार से अधिक एथलीटों ने भाग लिया। जिनमें 70 विदेशी प्रतियोगी भी शामिल थे। इसके अलावा, महिला वर्ग में बॉम्बे सैपर्स, एएसआई, सेना, रेलवे, पुलिस और राष्ट्रीय विजेता ज्योति गावटे, साक्षी भंडारी, भाग्यश्री भंडारी और शीतल भंडारी जैसे प्रसिद्ध धावकों ने भी मैराथन में भाग लिया।

इंग्लैंड-ए टीम ने जीती टी-20 सीरीज

महिला क्रिकेट: भारत-ए को अंतिम मैच में दो विकेट से हराया

मुंबई,(एजेंसी)। इस्सी वोंग के दोहरे प्रदर्शन की मदद से इंग्लैंड-ए ने भारत-ए को अंतिम मैच में दो विकेट से हराकर तीन मैचों की महिला टी-20 सीरीज 2-1 से अपने नाम की। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत-ए 19.2 ओवर में 101 रन पर ऑलआउट हो गई। जबाव में इंग्लैंड ए की टीम ने 19.2 ओवर में आठ विकेट पर 104 रन बनाकर मैच अपने नाम किया।

मीनू मणि की अगुआई वाली टीम ने 16वें ओवर में 81 रन तक इंग्लैंड महिला ए के आठ विकेट चटका लिए थे लेकिन विजयी चौका जड़ने वाली वोंग ने क्रिस्टी गोर्डन (नौ गेंद में नाबाद 10 रन) के साथ नौवें विकेट के लिए 23 रन की अटूट साझेदारी कर टीम की जीत पर मुहर लगा दी। इंग्लैंड के लिए कप्तान हॉली आर्मिताज ने 28 गेंद में 27 रन जबकि सेरेन स्माले ने 18 रन का योगदान दिया। मैन ऑफ द मैच वोंग ने 18 रन देकर दो विकेट लेने के बाद बल्लेबाजी में 30 गेंद में 28 रन की नाबाद पारी खेल टीम की जीत सुनिश्चित की। इससे पहले भारतीय टीम की ओर से विकेटकीपर बल्लेबाज उमा छेत्री (16 गेंद में 21), दिशा कसाट (25 गेंद में 20 रन) और मोनिका पटेल (10 गेंद में 11 रन) ही दहाई के आंकड़े पर पहुंच सकीं।

भारत 2029 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी की बोली लगाने के लिए तैयार

अमृतसर। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को कहा कि 2027 में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बोली लगाने की अपनी पहले की योजना से हटते हुए राष्ट्रीय महासंघ इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के 2029 सत्र की मेजबानी के अधिकार के लिए बोली लगाने को तैयार है। एएफआई पहले 2027 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी के अधिकार के लिए बोली लगाने पर विचार कर रहा था, लेकिन अब पता चला है कि उसने योजना छोड़ दी है और इसके बजाय वह 2029 सत्र की मेजबानी करना चाहता है। एएफआई की वरिष्ठ उपाध्यक्ष अंजू बॉबी जॉर्ज ने एएफआई की वार्षिक आम सभा की बैठक (एजीएम) से इतर पीटीआई-भाषा को बताया, हां, हम 2029 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बोली लगाने में रुचि रखते हैं। लंबी कूद की इस पूर्व महान खिलाड़ी ने कहा, भारत ने 2036 ओलंपिक और 2030 युवा ओलंपिक की मेजबानी में रुचि व्यक्त की है। ऐसे में यह बहुत अच्छा होगा अगर हम 2029 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी कर सकें। विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2029 की मेजबानी के लिए औपचारिक बोली की समय सीमा अभी घोषित नहीं की गई है। विश्व एथलेटिक्स ने 2027 में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बोली लगाने की समय-सीमा को इस साल की शुरूआत में शुरू किया था। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप का पिछले सत्र का आयोजन अगस्त में हंगरी के बुडापेस्ट में हुआ था और इसका अगला सत्र 2025 में तोक्यो में आयोजित किया जाएगा।

गैस त्रासदी की 39वीं बरसी पर धर्म गुरुओं ने किया पाठ

● भोपाल

सीएम शिवराज सिंह चौहान ने दी दिवंगतों को श्रद्धांजलि

भोपाल गैस त्रासदी की 39वीं बरसी के मौके पर रविवार को भोपाल मेमोरियल अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (बीएमएचआरसी) में सर्वधर्म सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद हुए। प्रातः 8.30 बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम में धर्मगुरुओं ने पाठ किया।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भी बीएमएचआरसी पधारकर दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी। उपस्थित लोगों द्वारा दिवंगतों की याद में दो मिनट का मौन रखा गया। मौके पर सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भविष्य में इस प्रकार की घटना घटित न हो। हम सभी को यह ध्यान देने की जरूरत है। सीएम श्री सिंह ने कहा कि हमें पर्यावरण का संरक्षण और संवर्धन करना चाहिए। पर्यावरण

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गैस कांड की बरसी पर मृतकों को श्रद्धांजलि दी।

समस्याओं का हल हो

गैस कांड की बरसी पर रैलियां निकाली गई तथा श्रद्धांजलि सभा हुई। इन कार्यक्रमों में शामिल हुए पीड़ितों ने कहा कि जब गैस कांड का मंजर याद आता है तो शरीर कांप जाता है। पीड़ितों ने मांग उठाई है कि सरकार को उनकी हर समस्याओं का समय पर समाधान करना चाहिए।

को बढ़ाने की दिशा में सभी के प्रयास जरूरी हैं। इस दौरान मध्य प्रदेश सरकार में गैस राहत एवं पुनर्वास विभाग की कार्यकारी निदेशक श्रीमति अदिति गर्ग, गैस राहत एवं पुनर्वास विभाग के डिप्टी सेक्रेटरी केके दुबे व श्रीमति संजना जैन, बीएमएचआरसी निदेशक डॉ मनीषा श्रीवास्तव भी सभा में उपस्थित थे। उपस्थित सभी लोगों ने भी दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

पीड़ितों ने की संकल्प सभा दिवंगतों को दी श्रद्धांजलि

समिति की संयोजक साधना कार्णिक ने किया सभा को संबोधित

भोपाल। गैस पीड़ितों की 39वीं बरसी पर यूनियन कार्बाइड स्थित गैस कांड की मूर्ति के समीप श्रद्धांजलि सभा हुई। इस दौरान निर्णय लिया गया कि गैस पीड़ितों के अधिकारों की लड़ाई प्रमुखता के साथ लड़ी जाएगी। जितनी भी मांगें हैं, उनकी पूर्ति के लिए सभा के दौरान संकल्प लिया गया।

भोपाल गैस पीड़ित संघर्ष सहयोग समिति की संयोजक साधना कर्णिक प्रधान ने बताया कि रविवार को भोपाल गैस काण्ड की 39वीं बरसी के अवसर पर यूनियन कार्बाइड गैस काण्ड की मूर्ति के सामने संकल्प एवं श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। उक्त कार्यक्रम में भोपाल गैस पीड़ितों ने अपने 12 सूत्रीय मांग पत्र के लिए संघर्ष का संकल्प लिया। सभा के दौरान गैस पीड़ित संघर्ष समिति की संयोजक साधना कर्णिक ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में संवैधानिक पीठ के द्वारा भारत सरकार व अन्य एनजीओ की क्यूरिटिव पिटीशन खारिज हो गई। उसके बाद उनके संगठन के द्वारा भोपाल गैस पीड़ितों के न्यायपूर्ण मुआवजे हेतु सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दायर याचिका अभी भी लंबित है। साधना कर्णिक ने बताया कि यूनियन कार्बाइड के सामने संकल्प सभा को सीटू नेता पूषण भट्टाचार्य पीएन वर्मा, एसएफआई के दीपक पासवान, मध्य प्रदेश विज्ञान सभा के सचिव सुभाष शर्मा ने संबोधित किया। गैस पीड़ित वक्ता शरीफ भाई, मीना पंथी, फूलबाई आदि ने भी अपनी पीड़ा व्यक्त की। वक्ताओं ने गैस पीड़ितों, मजदूरों की विभिन्न समस्याओं को उठाया। सभा के दौरान प्रस्तुत मांगपत्र में गंभीर रूप से गैस प्रभावितों को 39 वर्ष लगातार इलाज करवाने के कारण 50 लाख रुपए मुआवजा, सुप्रीम कोर्ट की सरकारी याचिकाओं के फर्जी आंकड़ों में सुधार, गैस पीड़ित विधवाओं की बंद पेंशन पुनः शुरू करने, गैस राहत विभाग व अस्पतालों को बंद करने की साजिश विफल करने, गैस पीड़ितों को विशेष दर्जा सहित भोपाल अस्पताल का एम्स में विलय करने, जहरीले कचरे की अंतरराष्ट्रीय मानदंडों से सफाई ,गैस पीड़ित युवाओं को फ्री शिक्षा वी रोजगार ट्रेनिंग आदि 12 सूत्रीय मांगों पर प्रस्ताव पारित किया।

शिव परिवार को धारण कराए गर्म वस्त्र

भोपाल। पुराने शहर के कायस्थपुरा स्थित श्री बड़वाले महादेव मंदिर में भोपाल में शीतलहर को देखते हुए भगवान भोलेनाथ सहित शिव परिवार को गर्म वस्त्र पहनाएं गए। ठंड में भोग में भी परिवर्तन किया गया है, प्रतिदिन अलग अलग भोग में गुड़ की गजक, गाजर का हलवा जैसे भोग लगाया जा रहा है, समिति के संयोजक संजय अग्रवाल ने बताया कि श्री बड़वाले महादेव मंदिर में बाबा बटेश्वर का हर मौसम हिसाब से व्यवस्था की जाती है जिसमें और ठंड बढ़ने पर शिव परिवार के समक्ष अलाव भी जलाएं जाएंगे।

करुणाधाम में शतचंडी महायज्ञ आज से होगा

भोपाल। नेहरू नगर स्थित करुणाधाम आश्रम में 4 दिसम्बर से शतचंडी महायत्र का आयोजन किया जा रहा है। शतचंडी महायज्ञ सात दिन 10 दिसंबर तक चलेगा। पीठाधीश्वर सुदेश शाण्डिल्य महाराज के सानिध्य में भारत के कल्याण की कामना से शतचंडी महायज्ञ का आयोजन हो रहा है। इसकी तैयारियों के संबंध में एक बैठक हुई। आश्रम की ईशा शाण्डिल्य ने बताया कि शतचंडी महायज्ञ उज्जैन के प्रकाण्ड पंडितों द्वारा किया जाएगा। महायज्ञ में सप्तशती के 100 पाठ और यज्ञ होगा। यज्ञ-शाला में सात दिन 33 कोटि देवता, तीर्थ, जल-देव, अग्नि-देव विराजित रहेंगे। बड़ी संख्या में श्रद्धालु यज्ञशाला की परिक्रमाएं करेंगे। प्रतिदिन सुबह 9 से 12 और शाम को 3 से 6 बजे महायज्ञ होगा।

जनजातीय चित्रकार सरस्वती के चित्रों की प्रदर्शनी का हुआ शुभारंभ

भोपाल। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में रविवार से गोण्ड समुदाय की युवा चित्रकार सरस्वती परस्ते के चित्रों की प्रदर्शनी सह विक्रय का संयोजन किया गया है। चित्रकार सरस्वती परस्ते प्रदेश के जनजातीय बहुल डिंडोरी जिले के ग्राम वाड़ा से है। उनके चित्रों में जनजातिय लोक कला की प्राकृतिक और क्षेत्रीय झलक प्रमुखता से है। यह प्रदर्शनी श्रृंखला प्रदेश के जनजातीय चित्रकारों को सार्थक मंच उपलब्ध कराने की दृष्टि से प्रतिमाह लिखन्दरा प्रदर्शनी दीर्घा में आयोजित की जा रही है, जिसके तहत प्रतिमाह किसी एक जनजातीय चित्रकार की प्रदर्शनी सह विक्रय का संयोजन शलाका नाम से किया जाता है। इसी क्रम में यह 44वीं शलाका चित्र प्रदर्शनी है, जो 30 दिसंबर 2023 तक निरंतर रहेगी। सरस्वती ने बताया कि वह परंपरा बनाये रखने के प्रति प्रतिबद्ध हैं। इसलिए अपने दोनों बच्चों को भी चित्रकला सीखा रही हैं। उनके चित्रों में पशु-पक्षी, पेड़-पौधे और अपने आस पड़ौस के वातावरण की झलक प्रमुखता से दिखाई देती है। उड़ीसा, केरल और अन्य स्थानों में चित्रकला प्रदर्शनियों में भी भागीदारी की है। वह अपनी सफलता का श्रेय अपनी ननद दुर्गाबाई व्याम को देती हैं, जिनके मार्गदर्शन ने आपकी कला दृष्टि को अधिक सुघड़ बनाया ।

काल भैरव जयंती 5 दिसम्बर को, आज निकलेगी शोभायात्रा

भोपाल। काल भैरव जयंती 5 दिसम्बर को मनाई जाएगी। भैरव मठ नेवरी में तीन दिवसीय जयंती महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत मठ में आकर्षक विद्युत साज-सज्जा की गई है। जयंती पर मंदिर में सवा क्विंटल फूलों से आकर्षक साज-सज्जा की जाएगी। सोमवार को शाही सवारी शाम 5 बजे निकलेगी। इसमें काल भैरव को नगर भ्रमण कराया जाएगा। लालघाटी सहित आसपास की कॉलोनियों सहित तकरीबन सात किमी तक इस सवारी का भ्रमण होगा। इसके लिए मठ के पदाधिकारियों ने उज्जैन की तरह शाही सवारी के लिए पुलिस बैंड की भी मांग की है। इसी प्रकार मंगलवार को सुबह काल भैरव का अभिषेक, विजयमदेहि हवन होगा और 56 भोग के बाद महाआरती होगी। बटुकनाथ सेवा समिति की ओर से यह आयोजन किया जाएगा। जन्मोत्सव के मौके पर सोमवार को निकलने वाली शाही सवारी में काल भैरव विराजमान होंगे। उज्जैन का डमरू दल, अघोरी, 21 ढोल तासे के साथ यह सवारी निकलेगी। जगह-जगह आतिशबाजी की जाएगी। यह सवारी लाव लश्कर के साथ भैरव मठ से प्रारंभ होगी और नेवरी, लालघाटी, विट्ठल नगर, जैन नगर, पंचवटी, रामानंद नगर सहित अन्य स्थानों का भ्रमण कर रात्रि में वापस भैरव मठ पहुंचेगी। यह शाही सवारी लगभग सात किमी का सफर तय करेगी। मठ के सदस्यों का कहना है कि नगर रक्षक के रूप में काल भैरव भ्रमण करते हैं।

ओला टैक्सी में छूटा दो लाख का सामान बरामद कर फरियादी को लौटाया

भोपाल। अयोध्या नगर पुलिस ने ओला टैक्सी में छूटा दो लाख रुपए का मशरूका बरामद कर फरियादी के सुपुर्द कर दिया। श्यामला हिल्स से मिनाल रेसीडेंसी आते समय फरियादी ओला टैक्सी में सामान भूल गए थे। पुलिस के मुताबिक फरियादी प्रभाव पाठक ने ओला टैक्सी बुक की थी। वह अशोका लेकव्यू श्यामला हिल्स से मिनाल रेसीडेंसी आए थे। मिलान रेसीडेंसी आने के बाद वह अपना बैग टैक्सी में ही भूल गए। बैग में दो लैपटॉप और अन्य जरूरी दस्तावेज रखे थे। घटना की सूचना फरियादी ने अयोध्या नगर थाने जाकर दी। पुलिस ने कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना प्रसारित करवा दी। आरटीओ की पंजीयन साइट से एड्रेस निकाले गए। इस बीच वाहन दो से तीन लोगों में ट्रांसफर हो चुका था। सभी लोगों से बात करने के बाद रायसेन संपर्क किया गया। मोबाइल नंबर व पते की जानकारी लेकर पता किया गया। ड्रायवर का मोबाइल बंद आ रहा था। नंबरों का आदान-प्रदान नहीं होने से ड्रायवर से संपर्क नहीं हो पाया। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद ड्रायवर को खोजकर करीब दो लाख रुपए का मशरूका बरामद कर फरियादी के सुपुर्द किया गया। इस कार्य में प्रधान आरक्षक आशीष श्रीवास, सहायक उप निरीक्षक मनोज, कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक संजय वरखने की भूमिका सराहनीय रही।

बाबूलाल गौर के 64 हजार 212 के रिकार्ड को तोड़ा

विकास कार्य सहायक बने रामेश्वर शर्मा की जीत में

संत हिरदाराम नगर। हुजूर सीट पर रामेश्वर शर्मा ने जो रिकार्ड कायम किया, उसने पिछले सारे रिकार्ड तोड़कर रख दिए हैं, जिससे राजनीतिक पंडित भी हैरान है। जो विश्लेषक यह अनुमान लगा रहे थे कि हार जीत पांच या दस हजार से होगी, उनकी तो रामेश्वर शर्मा ने पूरी तरह से बोलती बंद कर दी है। वैसे अगर देखा जाए तो बीते दो तीन साल से अपने स्वभाव में लचीलापन लाने एवं विकास के कराए गए काम उनकी जीत में सहायक सिद्ध हुए।

रामेश्वर शर्मा द्वारा रेलवे ओवर ब्रिज के निर्माण शुरू करवाया। इसके अलावा लगभग 20 करोड़ की लागत से गांधीनगर के बीचों बीच संत आसाराम चौराहे तक दोहरे मार्ग, झूलेलाल मार्केट की सड़क को पक्का बनाने, दाता कालोनी से लेकर अय्यपा मंदिर के अलावा वाल्मीकी मंदिर से प्रेम रामचंदानी आदर्श मार्ग, वन ट्री हिल्स कालोनी की भीतरी सड़कें, आरा मशीन रोड, पंचवटी की मुख्य सड़क सहित कई इलाकों की सड़कों का कायाकल्प करवाया। इसके अलावा बहुतप्रतीक्षित पगड़ी रस्म हाल का निर्माण सबसे बड़ी सौगात एवं गुलाब उद्यान के अलावा अन्य कई विकास के कार्यों, रेलवे स्टेशन के नामकरण से लेकर उसे पश्चिम से हटाकर भोपाल रेल मण्डल में शामिल करने के साथ ही लगभग 300 करोड़ का एलीवेटड सिक्स लेन फ्लाई ओवर की योजना दिलाई जो मध्यप्रदेश की पहली विकास योजना है।

इनका योगदान भी सराहनीय

रामेश्वर शर्मा की जीत में विकास के अलावा स्थानीय नेताओं का भरपूर सहयोग भी याद किया जाता रहेगा। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष राम बंसल रैनवाल, राहुल राजपूत, महासचिव जगदीश यादव, फंदा के जिला पंचायत अध्यक्ष प्रमोद राजपूत का महत्वपूर्ण योगदान रहा इसके अलावा चुनाव के छह माह पहले से ही सिंधी सेन्ट्रल पंचायत अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश ईसरानी को हुजूर विधान सभा का प्रभारी घोषित किया गया था, प्रत्याशी की घोषणा के बाद उन्होंने अपने निजी संसाधनों को भी जिस तरह से इस बार चुनाव प्रचार में झोंका उससे पार्टी को काफी मदद मिली। इसी तरह युवा नेता मनीष बागवानी और बोरवन क्लब, अनाज व्यापारी संघ सहित अनेक संस्थाओं से जुड़े युवा नेता जगदीश आसवानी जो कि नगर निगम के ब्राण्ड एम्बेसेडर भी रहे हैं, ने रामेश्वर शर्मा के लिए अपनी समस्त टीम जिसमें मुख्य रूप से शेट्टी चंदनानी आदि शामिल हैं, शारीरिक, आर्थिक एवं मानसिक रूप से पूरी तरह से समर्पित रहे।

ये भी डटे रहे पूरे समय

उक्त स्थानीय प्रभावशाली नेताओं के अलावा जिन अन्य कार्यकर्ताओं ने रात दिन एक कर दिया उनमें मण्डल भाजपा अध्यक्ष कमल वीधानी, जिला सचिव प्रवीण प्रेमचंदानी, पूर्व पार्षद माखन सिंह राजपूत, पूर्व मण्डल महामंत्री सुनील सिंह जाट, संस्कार संस्था के सचिव बसंत चेलानी, नरेन्द्र लालवानी, सुमित आहूजा, आरएसएस स्वयं सेवक कमल प्रेमचंदानी, नीलेश हिंगोरानी, रिटायर कर्नल नारायण पारवानी, एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, रमेश जनयानी, महेश खटवानी, युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष रामू केवट, राजेश बेलानी ने भी खूब पसीना बहाया।

महिलाएं भी पीछे नहीं : वर्ष 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में जहां संत हिरदाराम नगर में कांग्रेस का दबदबा स्पष्ट नजर आया, वहीं इस बार ऐसा कुछ नहीं था। पुरुषों के अलावा महिला भाजपा नेत्रियों ने भी रामेश्वर शर्मा के समर्थन में खुलकर काम किया।

शातिर जालसाज रायसेन में पत्नी के घर से मिला

आठ दिन बाद चढ़ा पुलिस के हत्थे

बैरागढ़ थाने से फरार था आरोपी, पुलिस ने रिमांड पर लिया

● भोपाल

आरोपी।

आठ दिन पहले थाने से हथकड़ी खिसकाकर फरार हुए शातिर जालसाज को बैरागढ़ पुलिस ने शनिवार-रविवार की दरमियानी रात ग्राम देवनगर जिला रायसेन से हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिया है। रिमांड की अवधि में आरोपी से लोन दिलाने के नाम पर की गई लाखों रुपए की जालसाजी में लोगों से लिए दस्तावेज बरामद करना है। इसके अलावा पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास करेगी कि थाने से फरार होने के बाद उसने एक सप्ताह का समय कहां व्यतीत किया और फरारी में उसकी मदद करने वाले कौन लोग हैं।

हथकड़ी खिसकाकर फरार हुआ था आरोपी

थाना प्रभारी कंवलजीत रंधावा के मुताबिक शनिवार रात सूचना मिली थी कि विगत 26 नवंबर रविवार तड़के कलाई से हथकड़ी खिसकाकर फरार हुए आरोपी राजकुमार अहिरवार को रायसेन के पास देखा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम सक्रिय हुई और शनिवार-रविवार की दरमियानी रात आरोपी राजकुमार अहिरवार (26) निवासी ग्राम इंदरवास थाना ग्यारसपुर जिला विदिशा, को ग्राम देवनगर जिला रायसेन से गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब है कि एचसीएम की टेबिल से बंधा आरोपी विगत 26 नवंबर की सुबह हथकड़ी घिसककार नौ दो ग्यारह हो गया था। उसे एक दिन पहले प्रोडक्शन रिमांड पर पूछताछ के लिए सीहोर जेल से भोपाल लाया गया था। आरोपी ने बैरागढ़ क्षेत्र में लोन दिलाने के नाम पर लोगों से लाखों रुपए की जालसाजी की थी। प्रकरण दर्ज होने के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि थाने से फरार होने के बाद वह इधर-उधर भटक रहा था। अंत में उसने पत्नी के मायके देवनगर में पनाह ली थी।

महिला, दो नाबालिग समेत पांच लोगों ने की थी युवक की पत्थर से पीट-पीटकर हत्या

भोपाल। मंगलवारा थाना इलाके में डबलफाटक गेट के पास युवक की पत्थर से पीट-पीटकर हत्या पांच लोगों ने की थी। इसमें महिला, दो नाबालिग भी शामिल हैं। पुलिस ने महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। दो की तलाश जारी है। मंगलवारा थाना प्रभारी अजय कुमार सोनी ने बताया कि मूलतः कानपुर निवासी अनिल नागर (32) पिता महावीर नागर यहां डबलफाटक गेट के पास फुटपाथ पर रहता था। वह भीख मांगकर जीवन यापन करता था। गत 30 नवंबर की रात 11 बजे अनिल यही पास झुग्गी में रहने वाले धर्मेंद्र, कार्तिक, संगीता और दो नाबालिगों के साथ बैठा था। तभी किसी बात को लेकर उनके बीच तू-तू-मैं-मैं शुरू हो गई। विवाद बढ़ा तो अनिल गाली-गलौच करने लगा। विरोध करते हुए आरोपियों ने उसके साथ मारपीट कर दी। आरोपियों ने पत्थर और डंडे से पीटना शुरू कर दिया। पत्थर से सिर में गंभीर चोट आई। खून अधिक बह जाने के कारण अनिल ने वही दम तोड़ दिया। हत्या करने के बाद आरोपी मौके से भाग निकले। स्थानीय लोगों से पूछताछ की। आरोपियों की पहचान होने के बाद पुलिस ने आरोपी धर्मेंद्र, संगीता और एक नाबालिग को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। नाबालिग को बाल सुधार गृह भेजा गया है। पुलिस आरोपी कार्तिक और नाबालिग की तलाश में जुटी है।

मंगलवारा पुलिस ने तीन आरोपी किए गिरफ्तार

40779 मतों से पटवा ने जीत दर्ज की

मंडीदीप। रायसेन जिले के भोजपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार सुरेन्द्र पटवा को निर्वाचित घोषित कर भोजपुर विधानसभा के आरओ द्वारा निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। पटवा को 119289 मत प्राप्त हुए, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के राजकुमार पटेल को 78510 मत प्राप्त हुए। 40779 मतों से पटवा ने जीत दर्ज की। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक.141 भोजपुर के उम्मीदवार सुरेन्द्र पटवा को प्राप्त मत 119289, राजकुमार पटेल प्राप्त मत 78510, मनोज चौहान 439,श्रीमती नयनतारा डॉ धर्मेन्द्र अहिरवार 700, मनोज कुमार चौबे 195, गुंदेश कुमार खामरा 183, चंदन सिंह 206, मोनू मीना 233, सीमा पोर्ते 1668, कमलेश उईके 1994, कैप्टन अनिल कुमार खरे 149 एवं फूलकुमार प्रजापति को 275 मत मिले। साथ ही नोटा पर 1724 मत डाले गए। भोजपुर विधायक सुरेन्द्र पटवा के प्रचंड बहुमतों से जीतने पर अल्पसंख्यक मोर्चा जिला महामंत्री सलमान अली के नेतृत्व में अल्पसंख्यक मोर्चा एवं मुस्लिम समाज ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर मुबारकबाद दी ।

दिसंबर में नहीं रुकेंगे गृहप्रवेश, खरीदी व अन्नप्राशन जैसे कार्य

● भोपाल

सूर्यदेव 15 दिसंबर से धनु राशि में संक्रमण करेंगे। इसके चलते खरमास लग जाएगा। साथ ही गुरु व शुक्र ग्रह भी अस्त होने जा रहे हैं। इनके चलते 16 दिसंबर से विवाह, मुंडन व उपनयन संस्कार पर एक माह के लिए विराम लग जाएगा। इसके पूर्व दिसंबर में अब 9 दिन ही विवाह मुहूर्त शेष हैं। हालांकि देवोत्थानी एकादशी से आरम्भ हुए गृहप्रवेश, सम्पत्ति-वाहन खरीदी व अन्य शुभकार्य यथावत होते रहेंगे।

शुभ कार्यों के मुहूर्त

सर्वार्थ सिद्धि योग

पंडित राम जीवन दुबे के अनुसार ज्योतिष शास्त्र में सर्वार्थ सिद्धि योग को महत्वपूर्ण और शुभ माना गया है। ऐसे में दिसंबर में 06, 09, 11, 15, 16, 19, 21, 22, 25 और 28 दिसंबर के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है। अमृत सिद्धि योग किए गए मांगलिक कार्यों से जीवन में आ रही सभी प्रकार की बाधाएं दूर होती हैं। ऐसे में 25 और 28 दिसंबर को अमृत सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है।

विवाह मुहूर्त

दिसम्बर माह में 5, 6, 7 8, 9, 11, 12, 13 को भी मुहूर्त हैं। वर्ष का अंतिम विवाह मुहूर्त 15 दिसंबर को है। इसके बाद खरमास लग जाएगा।

क्रिसमस के लिए हो रही सजावट बाजारों में उमड़ने लगी है भीड़

सज गए बाजार, लुभा रहीं क्रिसमस ट्री व सांता क्लॉज

● भोपाल

मसीही समाज के महापर्व क्रिसमस का महीना आरम्भ हो गया है। शहर के मसीही समाज में इसकी तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। सभी अपने-अपने अंदाज से खुशियां मनाने की योजना बना रहे हैं। क्रिसमस की तैयारियां सिर्फ घरों तक ही सीमित नहीं है। शहर के गिरजाघरों से लेकर जो मिशनरी स्कूल तक क्रिसमस के लिए विशेष तैयारियां हो रही हैं। मार्केट में तरह-तरह की सजावट का सामान, क्रिसमस ट्री स्टार, सांता क्लॉज की ड्रेस, क्रिसमस के विशेष प्लम केक के साथ ही क्रिसमस ट्री सभी का दिल लुभा रहे हैं। क्रिसमस पर्व को लेकर शहर के चर्चों में भी तैयारियां शुरू हो गई हैं और इन्हें सजाया जा रहा है।

महंगे हुए क्रिसमस ट्री

क्रिसमस मनाने के लिए बाजार में जगह-जगह दुकानें सज गई हैं। व्यापारियों के अनुसार इस साल क्रिसमस से जुड़ी सामग्रियों के दाम बढ़ गए हैं। इसके बावजूद ग्राहक क्रिसमस की खरीदी के लिए बाजार का रुख करने लगे हैं।

चर्चों में सजावट

ईसा मसीह के जन्मदिन पर गिरजाघरों व स्कूलों में भव्य सजावट की जाएगी। वहीं क्रिश्चियन मिशन के स्कूलों में भी क्रिसमस डे पर रंगारंग कार्यक्रमों के आयोजन की तैयारियां चल रही हैं। क्रिसमस पर्व को लेकर शहर में चर्चों की रंगाई, पुताई कर झालरों, बल्बों से सजाया जा रहा है। गुब्बारों, किरन, बेल, स्टार आदि से सजावट की जा रही है। क्रिसमस को ईसा मसीह के जन्मदिन पर शहर में कई स्थानों पर कार्यक्रम होते हैं।

आयोजन जम्बूरी मैदान में आयोजित राम कथा में श्रद्धालु हुए भाव विभोर

जो प्रभु के आश्रित है भगवान उनकी जिम्मेवारी स्वयं लेते हैं : संत मुरलीधर

सभी एक वृक्ष लगाने का संकल्प जरूर लें

भोपाल। सभी को साल में एक वृक्ष जरूर लगाना चाहिए हो सके तो जितनी उम्र है अपने जीवन में इतने वृक्ष जरूर लगाएं । सकल समाज वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति द्वारा जम्बूरी मैदान में आयोजित राम कथा के विश्राम दिवस पर संत मुरलीधर महाराज ने कहा कि पर्यावरण की चिंता हम सबको करनी चाहिए। व्यक्ति को जीवन भगवान और प्रकृति से प्रेम करना जरूरी है सभी को अपनी उम्र के अनुसार वृक्ष लगाने चाहिए । जिससे हमारा पर्यावरण स्वस्थ रहे ।

श्री राम कथा महोत्सव के विश्राम दिवस कथा का विस्तार करते हुए संत मुरलीधर महाराज प्रसंग में कहा कि बालि को वही गति प्राप्त हुई जो एक साधक को होती है । जिस गति को प्राप्त करने के लिए अपने मुनि कई जन्म लगाते हैं इस गति को साधक अंतिम समय में राम नाम से प्राप्त कर लेता है मुरलीधर महाराज ने कहा जो अपनी संतान को प्रभु के भगवान के आशीर्वाद कर देता है । भगवान उसकी जिम्मेवारी को ले लेते हैं । बालि पुत्र अंगद को भगवान ने युवराज पद दिलाया । महाराज जी ने कहा की इस संसार में सभी नाते स्वारथ के हैं सुग्रीव को भी जब राज पाठ मिल गया तो उनका कार्य भूल गया । वह जीव की नियति है हम भी अपने को सुग्रीव के सम मानें हमें प्रभु की कृपा तो मिलती है। लेकिन उनका स्मरण नहीं रहता । मुरलीधर महाराज जी ने कथा विस्तार करते हुए वर्णन किया। महाराज जी के सुंदर भजन लंका में मच गई हांको हनुमान बांको रे सुनकर श्रोता झूम उठे । सकल समाज वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति श्रीराम कथा

आयोजन समिति के प्रवक्ता बलवंत सिंह रघुवंशी ने बताया कि भंडारा प्रसादी दोपहर 1.30 से शुरु होकर शाम 5.30 बजे तक चलता रहा । हजारों लोगों ने प्रसादी ग्रहण की। अगले वर्ष कथा पुनः21 नवम्बर से 29 नवंबर 2024 में आयोजित की जायेगी। इसके पहले रायसेन में चंद्रमोहन अग्रवाल के मुख्य यजमानी में श्रीराम कथा 11सितंबर 2024 से होना सुनिश्चित हुआ है। कथा श्रवण करने बालों में सकल समाज वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति के अध्यक्ष मुख्य यजमान रमेश रघुवंशी श्रीमती भगवती रघुवंशी, मुकेश शर्मा-दर्शना शर्मा, ए एल सिंह-साधना सिंह, शान्ति सिंह, रीना-हीरा लाल गुर्जर, विभा-ललित पाण्डेय, मधु मोरसिंह राजपूत, हरीश बाथवी,दिलीप विश्वकर्मा, राम सिंह यादव, मिथलेश गौर, गणपत सिंह ठाकुर, राकेश चौहान, भवर सिंह, द्वारका रघुवंशी, पदम सिंह जाट, जगदीश गौर, अशोक रघुवंशी निरामय अस्पताल, राकेश रघुवंशी, ममता दुबे, दीपू सिंह, ओम साहू, अमित रजक, सुधीर सोनी, विक्रम सिंह, चंद्रमोहन अग्रवाल, अनील अग्रवाल, अंकुर सिंघल, अजय अग्रवाल, श्याम सुन्दर रघुवंशी, बृजेश रघुवंशी, राजा राजपूत, सतीश सिंह, प्रशांत पटेल रहे। कथा में अयोध्या धाम में 22जनवरी 2024 को श्रीराम मंदिर के शुभारंभ के लिए आए कलश का पूजन किया जा कर उन्हें क्षेत्र में घर घर पूजन हेतु जायेंगे ।और सभी सत्य सनातन को मानने वाले लोगों को आमंत्रण दिए जाएंगे।

हीरालाल रामनिवास इंटर कॉलेज खलीलाबाद में जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

प्रखर संतकबीरनगर। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के द्वारा संचालित जिला विज्ञान क्लब द्वारा शहर के हीरालाल रामनिवास इंटर कॉलेज खलीलाबाद में जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया` इस मॉडल प्रतियोगिता में जनपद के 50 विद्यालयों के कक्षा 9 से 12 के 102 विद्यार्थी ने विभिन्न विषयों पर आधारित विज्ञान मॉडल प्रस्तुत किया । विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य विकास अधिकारी श्री संत कुमार ने किया । विशिष्ट अतिथि के रूप में डीसी मनरेगा उपस्थित थे । जिला विद्यालय निरीक्षक संदीप चौधरी ने कहा आज की प्रतियोगिता में बच्चों ने बहुत अच्छे-अच्छे मॉडल तैयार किए हैं जो कि उनकी वैज्ञानिक क्षमता का परिचय देता है। डीसी मनरेगा ने विद्यार्थियों के मॉडल की प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्यार्थियों का यह ज्ञान सामाज उपयोगी तथा वर्तमान समय की आवश्यकताओं के अनुरूप है। मुख्य विकास अधिकारी महोदय ने कहा इस प्रकार के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता वैज्ञानिक सोच तथा उनकी तार्किक क्षमता का विकास होता है जिसको विद्यार्थियों ने आज विज्ञान मॉडल के जरिए प्रस्तुत किया है` विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी के पुरस्कार वितरण सत्र की अध्यक्षता आयोजक विद्यालय के प्रबंधक श्री अमरनाथ रुंगटा एवं भारत तिब्बत समन्वय संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राम कुमार सिंह ने किया ' आए हुए विज्ञान मॉडल में से 15 मॉडल का चयन मंडल स्तर पर प्रतिभाग के लिए किया गया । प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर प्रियांशु वर्मा एच आर आई सी, द्वितीय स्थान पर अजय कुमार एचआर आई सी तथा तृतीय स्थान पर अरुण वर्मा स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज, चौथे स्थान पर संयुक्त रूप से मौलाना आजाद के नीरज वर्मा एवं कृष उर्फ रोहन कश्यप तथा पांचवें स्थान पर श्री लाल बहादुर शास्त्री स्मारक इंटर कॉलेज के वेद प्रकाश मौर्य रहे। चयनित सूची में क्रमशः 6 से 15 स्थान प्राप्त छात्र अनस फातिमा अपूर्व इंटर कॉलेज , मिस्बाह खान , दिव्यांश मौर्य स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज , आर्य त्रिपाठी स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज , मोहम्मद इमरान मौलाना आजाद इंटर कॉलेज , अंजली कुमारी गन्ना विकास, अविनाश कुमार गौड़ हीरालाल , सावित्री संत कबीर आचार्य रामविलास मगर, तथा सना फिरदौस प्रेमा एजुकेशनल एकेडमी रहे । यह समस्त 15 मॉडल मंडल स्तर पर प्रतिभाग करेंगे । विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में तकनीकी समिति के रूप में राजकीय पॉलिटेक्निक बालूशासन के प्रवक्ता सुधा सिंह,राजकमल सिंह, गोविंद सिंह एवं आकाश सिंह तथा हीरालाल रामनिवास इंटर कॉलेज के पूर्व प्रवक्ता मेजर भागी प्रसाद थे । 102 प्रतिभागियों का मूल्यांकन कर सर्वश्रेष्ठ 15 मॉडलों को चयनित किया गया । सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया । सर्वश्रेष्ठ 05 विद्यार्थियों में प्रथम पुरस्कार हेतु 5000 , द्वितीय पुरस्कार 3000, तथा तृतीय पुरस्कार 2000 और दो सांत्वना पुरस्कार एक-एक हजार रुपए की नगद राशि प्रदान की गई । जिला विज्ञान क्लब की समन्वयक निशा यादव एवं सह समन्वयक अभिषेक कुमार सिंह ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के उद्देश्य को विस्तार से बताया। इस अवसर पर राजकीय पॉलिटेक्निक के प्रधानाचार्य मदन मोहन मिश्र, प्रधानाचार्य ध्रुव चंद पाठक, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य सबीहा मुमताज, अरुंधति, टुंपार के प्रधानाचार्य राजदेव तिवारी डीएवी के प्रधानाचार्य मेजर केपी सिंह, मुकेश कुमार, योगेंद्र सिंह, रवि प्रकाश श्रीवास्तव, संत मोहन त्रिपाठी, मनोज कुमार मिश्र, अंशु पांडे, डॉक्टर आरके सिंह, डॉक्टर सीपी त्रिपाठी, अरुण कुमार ओझा, जोखू, अमित मौर्य, रमाकांत यादव, मनोज कुमार एवं डॉक्टर नीतू यादव इत्यादि उपस्थित रहे।

अभाविप के प्रतिभा सम्मान समारोह में 600 छात्र व छात्राएं सम्मानित

प्रखर कसया, कुशीनगर। बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर के भंते सभागार में रविवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कुशीनगर गोरक्ष प्रान्त के तत्वाधान में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि सांसद कुशीनगर विजय कुमार दूबे के प्रतिनिधि के रूप में सम्मलित उनके पुत्र व ब्लाक प्रमुख खड्डा शशांक दूबे ने छात्र - छात्राओं को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि श्री दूबे ने प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानन्द और माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्पचंन व दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि श्री दुबे ने मेधावी छात्र - छात्राओं को शुभकामनाएं दी। ऐसे कार्यक्रम से होनहारों को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न स्कूलों के हाईस्कूल और इन्टर में उच्च अंक प्राप्त करने वाले 600 छात्र - छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और शील्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कुशीनगर डॉ राम जियावन मौर्य, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि कुशीनगर राकेश जायसवाल, भाजपा नेता सुमित त्रिपाठी ने संबोधित किया। स्वागत अभिनंदन प्रान्त उपाध्यक्ष एबीवीपी गोरक्ष प्रान्त डॉ निगम मौर्य और संचालन जिला संयोजक प्रशांत राय ने किया। इस दौरान विभाग संगठन मंत्री अनूप भारत, विभाग संयोजक तनुज पाठक, जिला आंदोलन संयोजक राजन मद्धेशिया, सांसद मीडिया प्रभारी निखिल उपाध्याय, नगर मंत्री आशुतोष जायसवाल, राकेश गिरी, कालेज इकाई अध्यक्ष नीतीश सिंह, अभिनय सिंह, दीपक चौबे, आदित्य पाण्डेय, संदीप मद्धेशिया सहित पदाधिकारी गण व छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज के सामने दुर्गा डायग्नोस्टिक सेंटर खुला

प्रखर जौनपुर। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय सिद्धीकपुर के सामने दुर्गा डायग्नोस्टिक सेंटर खुल गया है। जहां से अब लोगों को किसी प्रकार की जांच के लिए कहीं नहीं भटकना पड़ेगा। उन्हें मेडिकल कॉलेज के सामने सभी तरह की जांच स्वास्थ्य चिकित्सा सहूलियत मिल जाएगी। असहाय जरूरतमंदों गरीबो को विशेष सुविधा प्रदान की जाएगी। दुर्गा डायग्नोस्टिक सेंटर का उद्घाघाटन युवा नेता विवेक यादव ने फीता काटकर किया । इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अब लोगों को भीड़भाड़ से होकर शहर में जांच के लिए नहीं जाना पड़ेगा । उन्हें सभी तरह की स्वास्थ्य संबंधी जांच सुविधा इसी केंद्र पर उपलब्ध रहेगी और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगो को काफी लाभ पहुंचाएगा । हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर आलोक यादव ने कहा कि लोगों की सहूलियत के लिए यह जांच केंद्र खोला गया है और इसमें गरीब असहाय जरूरतमंदों को विशेष सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके

अलावा जो और भी जरूरते होंगे। उसका निदान मुख्यालय दुर्गा डायग्नोस्टिक सेंटर से भी किया जाएगा । यहा स्वास्थ्य संबंधी सभी प्रकार की जांच सुविधा उपलब्ध है। और मरीजों को दूर दराज भटकना नहीं पड़ेगा ।उन्हें जेब भी ढीली नहीं करनी पड़ेगी। रेडियो डायग्नोसिस विशेषज्ञ डॉक्टर स्वती यादव ने बताया कि महिलाओं के लिए जांच की विशेष सुविधाए है ।ज्यादातर महिला स्टाफ है जिससे महिलाओं को किसी प्रकार की असुविधा ना हो। यह दुर्गा डायग्नोस्टिक सेंटर द्वितीय शाखा मेडिकल राजकीय मेडिकल कॉलेज के सामने बजरंग कॉलोनी में लोगों को परिपूर्ण जांच मिलेगी। इस अवसर पर पंडित अखिलेश मिश्रा, आरपी सिंह, दिनेश चौहान, अशोक यादव, मिथिलेश यादव, बृजेश यादव ,दिलीप मास्टर, बुल्लू यादव, रतन कुमार, विकास ,राहुल प्रजापति, मुकेश कुमार, राजेंद्र सिंह मौजूद रहे।

कुलपति का पदभार ग्रहण करने के उपरान्त प्रो. बाड्छुक दोर्जे नेगी द्वारा व्यक्त की गई प्राथमिकताएं

प्रखर वाराणसी। प्रो. वाड्छुक दोर्जे नेगी ने संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के आदेश के अनुक्रम में केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) के कुलपति के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। विदित हो कि प्रो. वाड्छुक दोर्जे नेगी इसी विश्वविद्यालय के मूलशास्त्र विभाग में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत रहे एवं विगत 13 अप्रैल, 2023 से विश्वविद्यालय के कुलपति के पद का अतिरिक्त प्रभार निर्वहन कर रहे थे। आपकी वर्तमान नियुक्ति अगले पाँच वर्षों के लिए हुई है। कार्यभार-ग्रहण के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, प्रशासनिक अधिकारीगण एवं छात्र-समूह उपस्थित रहा। कार्यभार ग्रहण के उपरान्त अपने एक संक्षिप्त वक्तव्य में प्रो. वाड्छुक दोर्जे नेगी ने विश्वविद्यालय के विकास को लेकर अपनी प्राथमिकताएँ व्यक्त करते हुए निम्न बिन्दुओं पर प्रकाश डाला -विश्वविद्यालय के उद्देश्यों में एक प्रमुख उद्देश्य उन ग्रन्थों का अनुवाद अथवा पुनरुद्धार के माध्यम से प्रकाशन करना है जो मूल रूप से संस्कृत भाषा में लिखे गए थे किन्तु कालक्रम में विलुप्त हो गए लेकिन तिब्बती अनुवाद के रूप में आज भी उपलब्ध हैं। इस कार्य को दक्षता के साथ किये जाने हेतु ऐसे तिब्बती शास्त्रीय विद्वानों की आवश्यकता है, जो संस्कृत/हिन्दी भाषा में भी पर्याप्त रूप से निपुण हों। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सन् 1990 के दशक में विश्वविद्यालय में संस्कृत गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गए थे जिससे अपेक्षित संख्या में विद्वान उपलब्ध हुए थे। वर्तमान समय में भी अनुवाद, पुनरुद्धार एवं दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग की

आवश्यकताओं को देखते हुए पुनः संस्कृत गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। नालन्दा परम्परा को ध्यान में रखते हुए स्तरीय शोध योजनाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाल ही में अनुसंधान संहिता का प्रकाशन किया गया है। उसी के अनुरूप शोध कार्य किये जाने हेतु छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया जाएगा। जिससे उच्च स्तरीय शोध प्रबन्ध तैयार किये जा सकें।

विधान सभा चुनावों में भाजपा को मिली प्रचंड जीत पीएम मोदी के प्रति जनता का बढ़ते विश्वास का परिणाम : रविन्द्र जायसवाल

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। 5 राज्यों में सम्पन्न हुए विधानसभाओं में पार्टी को तीन राज्यों में मिली प्रचंड जीत पर भारतीय जनता पार्टी ने गुलाब बाग स्थित भाजपा कार्यालय पर ढोल नगाड़े के बीच मिठाई खिलाकर एक दूसरे को बधाई दी और जीत का जश्न मनाया। इस दौरान नगाड़ों की थाप पर खूब झूमे कार्यकर्ता और की आतिशबाजी पूर्वान्ह से जैसे - जैसे पार्टी के पक्ष में रुझान आने लगे वैसे-वैसे भाजपा कार्यकर्ता गुलाब बाग स्थित कार्यालय पर जुटने लगे दोपहर बाद जब निश्चित हो गया कि मध्य प्रदेश राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सरकार बन रही है कार्यकताओं का उत्साह चरम सीमा पर पहुंच गया। पार्टी के झंडे ,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कटआउट लेकर नाचते गाते कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद, नरेन्द्र मोदी ज़िंदाबाद के गगन भेदी नारे लगाते हुए जुलूस की शक्ल में निकल पड़े। जश्न में शामिल राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार रविंद्र जायसवाल ने कार्यकर्ताओ का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि मोदी जी के विकास मॉडल को जनता ने स्वीकारा है पांच राज्यों का यह चुनाव 2024 लोकसभा

चुनाव का सेमी फाइनल था जिसमें जनता ने मोदी जी के जनकल्याणकारी नीतियों को सराहते हुए भाजपा का परचम लहराया है कहा कि भाजपा ने कांग्रेस के हाथों से राजस्थान और छत्तीसगढ़ छीनकर यह साबित कर दिया है कि आम आदमी के हितों की रक्षा मोदी सरकार के ही कुशल नेतृत्व में संभव है और यही कारण है कि आम जनमानस का विश्वास मोदीजी के साथ है कहा कि हम 2024 का लोकसभा चुनाव भी डंके की चोट पर जीतेंगे क्योंकि विपक्ष के पास ना ही नेता है और ना ही नेतृत्व। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मोर्या, पूर्व विधायक सुरेंद्र नारायण सिंह, क्षेत्र महामंत्री अशोक चौरसिया, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नवरतन राठी, संदीप केशरी, संतोष सोलापुरकर, नवीन कपूर, जगदीश त्रिपाठी, सुरेश सिंह, संजय सोनकर, अभिषेक मिश्रा, इ अशोक यादव, एंड अशोक कुमार, मधुकर चित्रांश, पूजा दीक्षित, निर्मला सिंह पटेल,कुसुम पटेल, साधना वेदांती, रचना अग्रवाल, ममता सिंह, रेनू आचार्य,मंजू सिंह,मीना शर्मा शैलेन्द्र मिश्रा, सिद्धनाथ शर्मा, सुशील गुप्ता सहित सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आईएफएफसी का समापन व पुरुस्कार वितरण का भव्य समापन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। विश्व की संस्कृतियों व सैर सपाटों की अमिट छाप मेला लगता है मेला खत्म होता है पर यादें छोड़ जाता है ऐसा ही था छठवां सांस्कृति पर्यटन का अन्तर्राष्ट्रीय फिल्मोत्सव वाराणसी जिसमें फिल्मों के प्रदर्शन रहे और साथ ही फिल्मकारों और फिल्मी हस्तियों का तांता लगा था` जहां फिल्मोत्सव के पहले दिन प्रकाश झा जैसे दिग्गज फिल्म निर्देशक पूरे दिन दर्शकों के साथ दर्शकों के बीच रहे तो वहीं अश्विनी तिवारी अय्यर (फिल्म निर्देशक), वरुण शेट्टी (फिल्म निमार्ता), रूमी जाफरी (लेखक निर्देशक) जो बोर्ड ऑफ जूरी के सदस्य भी थे पूर्व मंत्री सूचना प्रसारण व अल्पसंख्यक मंत्रालय भारत सरकार, मुख्तार अब्बास नकवी के साथ मंचासीन रहे थे` जूरी चीफ और प्रसिद्ध अभिनेत्री देबाश्री रॉय, अभिनेता सुधीर पांडे, मनीष तिवारी (निमार्ता-निर्देशक), मधुरिमा तुली (अभिनेत्री और मॉडल), विनोद गनात्रा (निमार्ता-निर्देशक) अशोक कुमार बर्मन आई.ए.एस. (रि.) ये सभी जूरी सदस्य पहले दिन भी रहे और समापन समारोह पुरुस्कार वितरण की शोभा बढ़ाने के लिए उपस्थित रहे` समापन समारोह की गेस्ट ऑफ ऑनर थी भाभी जी घर पर हैं की प्रसिद्ध अभिनेत्री सोम्या टण्डन अब चूंकी पुरुस्कार वितरण समारोह था तो विजेताओं की बात कर ली जाये कुल दसेक पुरुस्कार थे` आईएफएफसी अंतर्राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरुस्कार भारतीय फिल्म अमृत मंथन को` अमृत मंथन" डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रयागराज कुंभ पर्व पर आधारित है इस फिल्म में कुंभ पर्व की खासियत के तौर पर प्रयागराज कुंभ की धार्मिक मान्यताओं, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व का वर्णन किया गया है` आईएफएफसी सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए फिल्म इंडियास ग्रैंड फेस्टिवल दुर्गा पूजा को चुना है दुर्गा पूजा माँ दुर्गा और नवरात्रि के महत्व और महत्ता को पुनः स्थापित करने का प्रतीक है` आईएफएफसी पर्यटन पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म, इरान की फिल्म दुबई द मिडल ईस्ट बीटिंग हार्ट रही यह 2023 में दुबई के कला व्यवसाय और यात्रा क्षमता के बारे में एक वृत्तचित्र है क्योंकि दुबई मध्य पूर्व का धड़कता दिल

जो है` आईएफएफसी संस्कृति पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरुस्कार पाया भारत की फिल्म मुखो शिल्पो, द मास्क मेकिंग ट्रेडिशन ऑव माजुली ने ये डॉक्यूमेंट्री का उद्देश्य 16वीं सदी के सुधारक और दार्शनिक महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव द्वारा आविष्कृत प्राचीन शिल्प कौशल को सामने लाती` आईएफएफसी उत्तर प्रदेश की सर्वश्रेष्ठ फिल्म केवल उत्तर प्रदेश के फिल्म निमार्ताओं या उत्तर प्रदेश विशेष पर बनी कोई फिल्म के लिए दिया जाता है और ये पुरस्कार हासिल किया फिल्म स्पैन की फिल्म वाराणसी रोड ने फिल्म का लुब्बो लुबाब कुछ इस तरह है मैड्रिड में अपने जीवन से तंग आकर सैमुअल कई महीनों की भारत यात्रा पर जाता है` जब वह लौटता है तो उसकी आत्म-खोज की यात्रा जारी रहती है वह एक ऐसे शहर में अपना स्थान ढूंढने की कोशिश करता है जो अब उसे अजीब लगता है` आईएफएफसी एनीमेशन की सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरुस्कार दो फिल्मों में बंटा जिसमें पहली है भारत की कुमारतुली` फिल्म का सारांश कुछ इस प्रकार अपने कुशल कुम्हार दादा, तापस चंद्र पाल, के दुर्गा पूजा के वार्षिक ऑर्डर पूरा करने से पहले ही निधन हो जाने के बाद, रूपक ने अनुभव की कमी के बावजूद बकाया ऑर्डर को पूरा करने के लिए इस व्यापार को अपना लिया। समय खत्म होने के साथ रूपक को अपने दादा की विरासत का सम्मान करने और अपने परिवार के मिट्टी के बर्तनों के व्यवसाय को जीवित रखने की एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ता है और दूसरी बेस्ट फिल्म इन एनीमेशन केटेगरी में अंगोला की फिल्म द एडवेंचर्स ऑव प्रिंसेस मिराबिलिस रही` इस फिल्म का उद्देश्य अंगोला में मौजूद इतिहास, संस्कृति, पर्यटक स्थलों, आदतों और रीति-रिवाजों और नस्लीय और जातीय बहुलता को दिखाना है` आईएफएफसी जूरी पुरस्कार के लिए जूरी ने भारत की डिसनिंग इंडिया यक्षगान को चुना है यक्षगान एक जीवंत और अद्वितीय पारंपरिक कला है जो भारत के कर्नाटक के तटीय जिलों और केरल के कासरगोड जिले में किया जाता है` यह नृत्य, संवाद और संगीत का मिश्रण है यह कला आमतौर पर भारत के महान महाकाव्यों महाभारत और रामायण की कहानियों को दशार्ती है यह क्षेत्र में शिक्षा, मनोरंजन और सामुदायिक सहभागिता के स्थल के रूप में कार्य करता है` नई दो कैटेगरी जिसमें पहली थी यूपी फिल्म चैलेंज जो केवल उत्तर प्रदेश के उभरते फिल्मकारों के लिए दस दिन की अवधि में उत्तर प्रदेश के पर्यटन पर फिल्म बनाना था जिसे जीता है फिल्म कानपुर के फिल्मकार ने और फिल्म का टायटल है नीबिया खेड़ा` स्टूडेंट जो जूरी में थे उनमें सर्वश्रेष्ठ जूरी होने का गौरव तीन स्टडेंट्स और उनके कॉलेज मिला है जिसमें हैं मिस कोमल रॉय, हिम्स कॉलेज ऑफ नरसिगं एंड पैरामैडिकल, मिस्टर भानू प्रताप, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एवं ईश्वर प्रताप सिंह, उदय प्रताप ऑटोनोमस कॉलेज इन सभी कॉलेजस जहां के ये स्टूडेंट्स हैं उन कॉलेजस को भा ट्रॉफीज से नवाजा गया है।

संक्षिप्त खबरें

धोखाधड़ी में पिता-पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज

प्रखर पिंडरा वाराणसी। सिंधोरा पुलिस ने सोमवार को कोर्ट के आदेश पर बैनामे के बाद तथ्य छिपाकर लोन लेने पर धोखाधड़ी व गाली गलौज के तहत मुकदमा दर्ज किया। सिंधोरा थाना क्षेत्र के नदोय गांव के निर्मला देवी ने 2013 में गांव के ही पारसनाथ राजभर से जमीन बैनामा लिया था। पति के बीमारी में व्यस्तता के कारण नामांतरण नही करा पाई। कुछ दिन बाद जब तहसील पिंडरा पहुँची और खतौनी निकलवाई तो उक्त रकबे पर बैंक में लोन के नाम पर बंधक मिला। इस बाबत कई बार पारसनाथ के घर पर चक्कर लगाया लेकिन लोन नही जमा की ऊपर से उनके लड़के शुभम व ओपी राजभर ने मारने पीटने के साथ गाली गलौज देकर भगा दिया। पुलिस ने कोर्ट के द्वारा 155 (3) के तहत दिए गए आदेश पर उक्त तीनों आरोपित पिता व पुत्र के खिलाफ 419,420 व 504 के तहत मुकदमा दर्ज किया।

तीन राज्यों में प्रचंड जीत की खुशियां नगर में मिठाई बाटकर बनाई गई

प्रखर वाराणसी। रामनगर भारतीय जनता पार्टी मंडल रामनगर ने आज दिन रविवार शाम 4:00 बजे तीन राज्यों में प्रचंड जीत की खुशियां नगर में मिठाई बाटकर बनाई गई। जिसमें भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह ने कहा यह जो शानदार जीत है, यह प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी की दी हुई गारंटी का है जिनका मंत्र है- सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास, साथ मे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय श्री जे.पी. नड्डा जी के कुशल नेतृत्व रणनीत के साथ यह जीत जनता की है जिसने कांग्रेस को नकारते हुए भाजपा को अपनाने का काम किया है।आगामी आने वाले लोकसभा चुनाव 2024 के लिए तीनों राज्यों की जनता ने अपने मोहर लगा दिया है। कार्यक्रम में महानगर उपाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा सत्येंद्र सिंह पिंटू, महानगर मंत्री डॉ अनुपम गुप्ता, मंडल अध्यक्षअजय प्रताप सिंह, नंदलाल चौहान, जितेंद्र पांडेय, अशोक जायसवाल, सुनील श्रीवास्तव, सुनील सिंह, अर्जुन शर्मा, वी के दुबे, पवन सिंह, विवेक सिंह, अभिषेक सिंह, संजय बाल्मिकी, सुरेंद्र नाथ श्रीवास्तव, विनोद पटेल, सुनील गुप्ता, धीरेन्द्र प्रताप सिंह, सुनील मालाकार, प्रमुख रूप से रहे।

आर जे पी पब्लिक स्कूल के तत्वाधान मनाया गया स्पोर्ट्स डे, बच्चो ने अपने परेड से सभी को किया प्रभावित

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। आरजेपी पब्लिक स्कूल के तत्वाधान में मनाया गया स्पोर्ट्स डे सबसे पहले बच्चो ने अपने परेड से सभी को प्रभावित किया और सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया` इस अवसर पर अनेक दौड़ प्रतियोगिताएं आयोजित की गई और बच्चों में खूब उत्साह भरा था इस खेल प्रतियोगिता में कबड्डी,जैकेट रेस ,लंबी कूद, रस्सी कूद, फ्रॉग कूद, बॉल बैलेंसिंग, हूला हूप दौड़ आदि आयोजित हुआ है। स्कूल की प्रधानाचार्या गोल्डी पाडें ने सभी विजेता बच्चों को ट्रॉफी ,मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया और बाकी के प्रतिभागी बच्चों को प्रोत्साहित किया। यहां अध्यापिकाएं काजल सिंह, रचना दुबे ,साक्षी दुबे, प्रज्ञा जायसवाल, भाग्यश्री चौबे, नेहा श्रीवास्तव, नेहा सिंह, काजल मिश्रा,श्रयांशी मोदनवाल और शालिनी चौबे इत्यादि लोग मौजूद रहे और सभी अध्यापिकाओं ने बच्चों के साथ प्रतियोगिता में उनका उत्साह बनाए रखा।

उत्तर प्रदेश योगासन स्पोर्ट्स की स्टेट चैम्पियनशिप का भव्य शुभारम्भ

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। राजातालाब खजूरी स्थित आरएस वर्ल्ड स्कूल में चौथी राज्य स्तरीय योगासन स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का शुभारम्भ` समारोह पूर्वक मुख्य अतिथि रविंद्र जायसवाल मंत्री स्टाम्प स्वतंत्र प्रभार उत्तर प्रदेश एवं योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष ऋषिपाल सिंह के द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया गया ` योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के महासचिव रोहित कौशिक एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य अंकित सिंह की गरिमामयी उपस्थिति एवं हजारों की संख्या में दर्शक, खिलाड़ी, आफीसियल, टीम मैनेजर उपस्थित रहे `राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में मुख्य रूप से ट्रेडिशनल योगासन,आर्टिस्टिक सिंगल, आर्टिस्टिक पेयर एवं रिदमिक पेयर इवेंट्स में भाग लेने के लिए पूरे प्रदेश से खिलाड़ी उपस्थित रहे योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के महासचिव रोहित कौशिक द्वारा सभी खिलाड़ियों से प्रतियोगिता में अनुशासित ढंग से भाग लेने का आह्वान किया गया एवं उत्तर प्रदेश योगासन स्पोर्ट्स को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किए जाने के सम्बन्ध में अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी दीप प्रज्ज्वलन एवं कार्यक्रम का संचालन अनिल कुमार सिंह सचिव अम्बेडकरनगर एसोसिएशन द्वारा किया गया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं